राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 90
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 14 अक्टूबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने किया दिल्ली सरकार के शिक्षक-प्रशिक्षक संस्थान 'डाइट केशवपुरम' का दौरा | पेज 5 भाजपा नेता की हत्या में नगर निगम चौकी प्रभारी समेत 9 पुलिस कर्मचारी निलंबित, 17 के खिलाफ केस | पेज 7 सऊदी अरब का ऐतिहासिक फैसला, पुरुष गार्जियन के बिना हज कर सकती हैं महिलाएं

जम्मू में नए वोटर्स को जोड़ने वाला फैसला वापस

डिप्टी कमिश्नर ने 24 घंटे में आदेश वापस लिया, राजनीतिक पार्टियां कर रही थीं विरोध

जम्मू/श्रीनगर। जम्मू में एक साल से रह रहे लोगों को मतदाता बनाने वाला फैसला वापस ले लिया गया है। हालांकि, इसका औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। बुधवार रात को जम्मू की डिप्टी कमिश्नर ने उस नोटिफिकेशन को वापस ले लिया, जिसमें सभी तहसीलदारों को जम्मू में एक साल से ज्यादा रहने वाले लोगों को आवास प्रमाण पत्र जारी करने के आदेश दिए गए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारी विरोध के बाद यह फैसला वापस लिया गया है। केंद्रीय प्रशासित प्रदेश की ज्यादातर राजनीतिक पार्टियां इस फैसले का विरोध कर रही थीं। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा कि भाजपा चुनावों से डरती है। वह जानती है कि वह बुरी तरह हारेगी। इस कारण जम्मू-कश्मीर में 25 लाख गैर-स्थानीय मतदाताओं को जोड़ने की अपनी योजना के साथ आगे बढ़ रही है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और PDP प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि इसका मतलब है कि जम्मू-कश्मीर के मतदाता के वोट का मूल्य खत्म हो जाएगा। जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश में कहीं भी यह कानून लागू नहीं है।

उन्होंने कहा कि वोटिंग अधिकार जैसी चीजों का रास्ता साफ करने के लिए ही जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया है। ये डोगरा संस्कृति, पहचान, रोजगार और व्यवसाय को बर्बाद हो कर देगा।

जिला उपायुक्त ने जारी किया आदेश

दरअसल, जम्मू की जिला उपायुक्त अवनी लवासा ने बुधवार सुबह आदेश दिया। इसमें कहा गया कि यदि कोई व्यक्ति एक साल से जम्मू में रह रहा है, तो उसे वोटिंग का अधिकार होगा। इसके लिए तहसीलदारों को आवास प्रमाण पत्र जारी करने के अधिकार दिए गए हैं, ताकि लोगों को वोटर लिस्ट में रजिस्ट्रेशन करने में परेशानियों का सामना ना करना पड़े। आदेश में उन दस्तावेजों की लिस्ट भी जारी की है, जिन्हें निवास के प्रमाण के तौर पर स्वीकार किया जा सकता है, जैसे आधार कार्ड, भारतीय पासपोर्ट।

जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के पहले वोटर लिस्ट में 76 लाख वोटर थे

धारा 370 और 35ए के रहते वहां पंचायत से लेकर विधानसभा चुनावों तक केवल स्थानीय नागरिकों को ही वोट डालने का अधिकार था। इन दोनों धाराओं के हट जाने के बाद अब जो भी भारतीय वहां रह रहा है या ड्यूटी कर रहा है, अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा सकता है यानी कश्मीर में वोट डाल सकता है। वहां रह रहे गैर कश्मीरियों की संख्या काफी है। धारा 370 हटने के पहले की वोटर लिस्ट में कुल 76 लाख वोटर थे। नए नियमों के तहत तकरीबन 25 से 27 लाख नए वोटर जुड़ जाएंगे।

19 अक्टूबर से चलेगी 'वंदे भारत'

चेयर कार का किराया वोल्वो के लगभग बराबर; टाइम एक घंटा कम लेगी, टिकट बुकिंग आज से

शिमला। हिमाचल में कनेक्टिविटी और टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश को देश की हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत दी है। यह देश की चौथी सेमी हाई स्पीड ट्रेन है जो 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी।

रेलवे के चार्ट के मुताबिक यह ट्रेन 19 अक्टूबर से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से ऊना जिले के अंब अंदौरा स्टेशन के बीच रेगुलर रूप से चलना शुरू हो जाएगी। नई दिल्ली से ऊना के बीच की 412 किलोमीटर की दूरी यह गाड़ी साढ़े 5 घंटे में तय करेगी। यह ट्रेन शुक्रवार को छोड़कर हफ्ते में 6 दिन चलेगी।

दिल्ली से यह ट्रेन सुबह 5.50 बजे रवाना होकर 11.05 बजे अंब अंदौरा पहुंचेगी।

अगर किराये के लिहाज से देखें तो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन और वोल्वो बसों का किराया लगभग बराबर है। वोल्वो बस में अंब अंदौरा से नई दिल्ली का किराया 991 रुपये और ऊना से नई दिल्ली का किराया 899 रुपए है।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चेयर कार में सफर करने वालों को भी इस दूरी के लिए 955 रुपये चुकाने होंगे। हां, इसमें उन्हें रास्ते में खाना नहीं मिलेगा। फूड सुविधा लेने पर किराया बढ़ जाएगा।

अगर समय की बात की जाए तो वोल्वो बस में ऊना से नई दिल्ली के लगभग साढ़े 6 घंटे लगते हैं जबकि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन साढ़े 5 घंटे में पहुंचा देगी।

कब कहां पहुंचेगी वंदे भारत

वंदे भारत ट्रेन नई दिल्ली से अंब अंदौरा के बीच सिर्फ 3 स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें अंबाला, चंडीगढ़ और आनंदपुर साहिब स्टेशन शामिल है। सुबह 5.50 बजे नई दिल्ली से चलकर यह गाड़ी 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से 8 बजे अंबाला पहुंचेगी। वहां 2 मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन 110 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलकर सुबह 8.40 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी।

चंडीगढ़ स्टेशन पर गाड़ी का 5 मिनट का ठहराव दिया गया है। सुबह 8.45 बजे चंडीगढ़ से रवाना होकर गाड़ी 11.05 बजे अंब अंदौरा स्टेशन पहुंचेगी। बीच में गाड़ी 2 मिनट के लिए आनंदपुर साहिब स्टेशन पर भी रुकेगी।

वापसी में यह ट्रेन दोपहर 1 बजे अंब अंदौरा स्टेशन से रवाना होकर 1.21 बजे ऊना स्टेशन पहुंचेगी। ऊना में 2 मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन 2.08 बजे आनंदपुर साहिब पहुंचेगी। वहां से 2.10 बजे रवाना होकर गाड़ी 3.25 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी। चंडीगढ में 5 मिनट रुकने के बाद गाड़ी 3.30 बजे रवाना होगी और 4.13 बजे अंबाला कैंट स्टेशन पहुंचेगी। अंबाला में भी गाड़ी का ठहराव दो मिनट का ही रहेगा और वहां से 4.15 बजे रवाना होकर वंदे भारत ट्रेन शाम 6.25 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

यह ट्रेन रूपनगर नंगल डैम, पानीपत, कुरुक्षेत्र, करनाल और सोनीपत स्टेशन से होकर गुजरेगी मगर इनमें से किसी स्टेशन पर रुकेगी नहीं।

रेलवे आज से शुरू करेगा बुकिंग

रेलवे 14 अक्टूबर से इस ट्रेन की टिकट बुकिंग शुरू करेगा। ट्रेन में कुल 16 डिब्बे होंगे जो आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। रेलवे के ऑनलाइन चार्ट के मुताबिक वंदे भारत ट्रेन 19 अक्टूबर से चालू हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2019 में सबसे पहले वंदे भारत एक्सप्रेस को शुरू किया था। इन ट्रेनों में ऑटोमेटिक इंजन लगा है, जो बिजली का इस्तेमाल 30 प्रतिशत तक कम करता है।

किराया 955 रुपए से लेकर 2240 रुपए तक

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में यात्री चेयर कार और एग्जीक्यूटिव चेयर कार में सफर कर पाएंगे। चेयर कार में ऊना से दिल्ली का बेस फेयर 759 रुपए रहेगा। रेलवे के रिजर्वेशन चार्ज, सुपरफास्ट चार्ज और जीएसटी वगैरह मिलाकर यह लगभग 955 रुपए बनेंगे। अगर चेयर कार का यात्री सफर के दौरान फूड भी चाहता है तो उसे 308 रुपए अतिरिक्त देने होंगे।

इसी तरह एग्जीक्यूटिव क्लास का बेस फेयर 1556 रुपए रखा गया है जिसमें रिजर्वेशन चार्ज, सुपरफास्ट चार्ज और जीएसटी शामिल नहीं है। इन सबको मिलाकर किराया लगभग 1890 रुपए बनेगा। अगर एग्जीक्यूटिव क्लास का कोई पैंसेजर ट्रेन में फूड की सुविधा भी चाहता है तो उसके लिए उसे 369 रुपए एक्स्ट्रा चुकाने होंगे।

भूत उतारने में बेटी की ही जान ले ली

भूखा-प्यासा रखा, बांधकर पीटता रहा; मौत के बाद भी 3 दिन सोचता रहा जिंदा है

तालाला (गिर सोमनाथ)। गुजरात में अंधविश्वास के चलते बेटी की हत्या का मामला सामने आया है। पिता और ताऊ को शक था कि लड़की को भूत लगे हैं। ऐसे में लड़की को गन्ने के खेत में बांधकर पीटा। उसे भूखा रखा। इससे उसकी मौत हो गई। उन्हें तंत्र-मंत्र में भरोसा था। उनका मानना था कि तांत्रिक अनुष्ठान और मारपीट से भूत भाग जाएगा। घटना के बारे में लड़की की मां और नाना को पता चला तो उन्होंने एफआईआर दर्ज कराई, तब यह मामला सामने आया। घटना गिर सोमनाथ जिले में तालाला के धावा गांव की है।

14 साल की थी लड़की

पुलिस के मुताबिक, मृतक धैर्या की

उम्र 14 साल थी। वह 9वीं क्लास में पढ़ती थी। वह करीब एक साल से अपने ताऊ दिलीप अकबरी के घर पर धावा गांव में रह रही थी। ताऊ तंत्र में भरोसा करता है। उसने ही 1 अक्टूबर को सूरत में रहने वाले अपने भाई यानी धैर्या के पिता भावेश को फोन लगाकर बताया कि तुम्हारी बेटी को भूत लगे हैं। पिता सूरत से धावा पहुंच गया। इसके बाद दोनों ने आपसी सलाह से उसका भूत भगाने के लिए तंत्र का रास्ता चुना।

शरीर में भूत घुसने का शक

1 अक्टूबर को दिलीप और भावेश धैर्या को लेकर गांव के गन्ने के खेत में गए और उसे वहां बांध दिया। दो दिन बाद फिर दोनों भाई खेत में पहुंचे और धैर्या के साथ मारपीट की। इस पर धैर्या बेसुध हो गई। दोनों भाई उसे उसी हालत में छोड़कर घर आ गए। दो दिन बाद यानी 5 अक्टूबर को खेत में जाकर देखा तो बेटी उसी हालत में पड़ी थी। तब भी उन्होंने कुछ नहीं किया।

शव से बदबू आई

7 अक्टूबर की सुबह 11 बजे दोनों खेत में पहुंचे तो बेटी के शरीर से बदबू आ रही थी और कीड़े हो गए थे। तब उन्हें लगा कि बेटी की मौत हो गई है। दोनों ने उसी रात बेटी का शव वहीं खेत में जला दिया। अगले दिन सूरत में रह रही बच्ची की मां को बेटी की मौत की सूचना दी।

मां ने यह खबर अपने पिता वालजी भाई डोबरिया को बताई। तब दोनों गांव पहुंचे और भावेश से पूछा कि अंतिम संस्कार के लिए हमारा इंतजार क्यों नहीं किया गया।

शक होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे पूछताछ के बाद खेत से कुछ सामान और बेटी का जला शव बरामद किया गया है। जांच में पुलिस को कुछ सीसीटीवी फुटेज भी मिले हैं।

केरल में काला जादू के खिलाफ कानून की मांग

बिल बना लेकिन विधानसभा में पेश नहीं हुआ; आजादी से अबतक नरबलि के 8 केस दर्ज

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। दो महिलाओं का अपहरण किया। तांत्रिक पूजा-पाठ की और बलि चढ़ा दी। शव के कई टुकड़े किए और गड्ढों में गाड़ दिया। एक की हत्या 26 सितम्बर और दूसरी की 6 जून को हुई। यह सब हुआ देश के सबसे साक्षर राज्य कहे जाने वाले केरल में। सबसे पढ़े-लिखे राज्य में बढ़ते अंधविश्वास के हालात इतने भयावह हैं कि इसके खिलाफ कानून की मांग उठने लगी है।

बिल बना लेकिन विधानसभा में पेश नहीं हुआ

3 साल पहले 2019 में बिल बना भी, लेकिन विधानसभा में पेश तक नहीं हुआ। इसमें काला जादू, मानव

बलि रोकने के प्रावधान थे। सामाजिक कार्यकर्ता भी कानून की मांग कर रहे हैं।

केरल कानून सुधार आयोग के उपाध्यक्ष के शशिधरन नायर कहते हैं, तत्काल कानून बनाने की जरूरत है। इसी आयोग ने इस कानून का ड्राफ्ट बनाया और सरकार को सौंपा था। सरकार धार्मिक मामला मानकर इससे बचने की कोशिश कर रही है। सरकार को लगता है कि इस पर कानून बनाने से मामला धार्मिक तूल पकड़ लेगा। वास्तव में समस्या यह है कि सरकार इसकी परिभाषा ही नहीं तय कर पा रही कि किस धार्मिक गतिविधि और प्रक्रिया को अंधविश्वास माना जाए और किसे नहीं।

सरकार इस मुद्दे से बचना चाहती है

केरल के गृह विभाग ने इस बिल पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। सरकार भी इस बिल पर मौन साधे है। यहां तक कि केएलआरसी और लॉ विभाग की वेबसाइट्स पर इस बिल के बारे में कोई जानकारी तक अपडेट नहीं की गई।

केरल शास्त्र साहित्य परिषद के अध्यक्ष बी रमेश कहते हैं, मामला संवेदनशील है। इसलिए सरकार इससे बचना चाहती है। वे कहते हैं, यह बिल भी वास्तविक समस्या का कोई समाधान नहीं बताता। सजा के प्रावधान के साथ जागरूकता की भी जरूरत है। लोग साक्षर हैं, उन्हें शिक्षित करने की जरूरत है।

जादू-टोने के खिलाफ बिल में 7 साल जेल का प्रावधान

केरल प्रिवेंशन ऑफ इरेडिकेशन ऑफ इनह्यूमन एविल प्रैक्टिस, टोना-टोटका और काला जादू बिल कर्नाटक और महाराष्ट्र की तर्ज पर तैयार किया गया है।

इसमें 1 से 7 साल की जेल और 5 हजार से 50 हजार रुपए जुर्माने का प्रावधान है। इसमें उन परंपराओं के खिलाफ प्रावधान तय किए गए हैं, जिनमें किसी तरह की कोई शारीरिक हानि होती हो।

कर्नाटक में चुनावी हलफनामे में जानकारी छुपाने पर बीजेपी विधायक को दो महीने की जेल

बेंगलुरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक को चुनावी हलफनामें में जानकारी छुपाना भारी पड़ गया। बेंगलुरु में एक स्थानीय अदालतन ने गुरुवार को विधायक उदय गरुड़ाचार को दो महीने की कैद की सजा सुनाई है। इस संबंध में एक व्यक्ति द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद गरुड़ाचार को जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत दोषी पाया गया है। सजा दो साल से कम होने के कारण अदालत ने उन्हें ऊपरी अदालत में अपील करने की अनुमति देते हुए जमानत दे दी। गरुड़ाचार को 25000 रुपए के निजी मुचलके और जमानत राशि पर रिहा किया गया। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने गरुड़ाचार को अपने खिलाफ दो लंबित आपराधिक मामलों का उल्लेख करने में विफल रहने और निजी कंपनी में प्रबंध निदेशक होने की बात छुपाने के लिए जेल की सजा सुनाई और 10000 रुपए का जुर्माना लगाया। उदय गरुड़ाचार ने 2018 में बेंगलुरु के चिकपेट विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और बीजेपी के टिकट पर जीत हासिल की। यह हलफनामा 18 अप्रैल 2018 को दाखिल किया गया था। यह आरोप लगाया गया था कि गरुड़ाचार निजी कंपनी के प्रबंध निदेशक थे, लेकिन उनके हलफनामे में उनका उल्लेख केवल एक निवेशक के रूप में किया गया था।

शिक्षक भर्ती आरक्षण घोटाला : वकील का दावा- 6800 नहीं 19000 सीटों पर हुआ घोटाला

जज ने कहा- नौकरी दीजिए वरना, हमें फैसला करना पड़ेगा

लखनऊ। 69,000 सहायक शिक्षक भर्ती आरक्षण घोटाला मामले में गुरुवार को हाईकोर्ट की सिंगल बेंच में बहस हुई।

अभ्यर्थियों की तरफ से वकील सुदीप सेठ ने जस्टिस पंकज भाटिया के सामने पक्ष रखा। वहीं सरकार की तरफ से आए वकील संजय भसीन सिर्फ बैठे रहे। उन्होंने सरकार का कोई पक्ष नहीं रखा।

बहस के दौरान सुदीप सेठ ने जस्टिस भाटिया से कहा, इस भर्ती में OBC वर्ग को 27 प्रतिशत नहीं, बल्कि 3.80 प्रतिशत ही आरक्षण दिया गया। एससी वर्ग को 21 की जगह 16.2 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इस तरह से इस भर्ती में कुल 19,000 सीटों पर आरक्षण का घोटाला किया गया।

सुदीप ने कहा, हर भर्ती में एक मूल चयन सूची बनाई जाती है। लेकिन इस भर्ती में यह सूची न बनाकर जिला आवंटन सूची बनाकर भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया गया। इससे अभ्यर्थियों के गुणांक, कैटेगरी और सब-कैटेगरी को छुपा लिया गया। बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 और आरक्षण नियमावली 1994 का सीधा उल्लंघन किया गया।

कोर्ट में करीब 25 मिनट तक बहस चली। पीड़ित पक्ष की तरफ से वकील ने कहा, सरकार भी मानती है कि इस भर्ती में आरक्षण का घोटाला हुआ। इसलिए वह 6800 पद देकर निपटारा करना चाहती है। लेकिन यह घोटाला तो 19,000 सीट का है।

सरकारी वकील संजय भसीन के पास कोर्ट के सामने कोई जवाब नहीं था। जस्टिस पंकज भाटिया ने कहा, अगर आपको कुछ कहना है, तो सरकार की तरफ से लिखित में हलफनामा देकर पक्ष रखें। ताकि आरक्षण घोटाले में सरकार की स्थिति स्पष्ट हो सके और पता चल सके कि सरकार का आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों को न्याय देने के प्रति क्या रुख है?

गड़बड़

75 साल की चरणजीत बोलीं- 7 साल से परेशान; पंचायत चुनाव से पहले बवाल

हरियाणा में 100 वोटर आईडी पर एक महिला की फोटो

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले के गांव में 100 वोटर कार्ड पर एक ही महिला की फोटो को लेकर बवाल मचा हुआ है। पंचायत चुनाव की वजह से ग्रामीण इसके विरोध में उतर आए। जिसके बाद ब्लॉक डेवलपमेंट एवं पंचायत अफसर को जांच कमेटी बनानी पड़ गई। जिसमें ग्रामीणों को भी शामिल करना पड़ा।

ऐसे में उस महिला के बारे में सबकी उत्सुकता रही कि वह कौन हैं, जिनकी फोटो 100 से अधिक वोटर कार्ड में लगी है। यह महिला गांव ढकौला की रहने वाली 75 वर्षीय चरणजीत कौर पत्नी सुखदेव सिंह हैं। जिन्होंने कहा कि वह खुद 7 साल से परेशान हैं।

2015 में यह गड़बड़ी हुई। फिर 2019 में भी वह इसे ठीक करवाने के लिए गई लेकिन अफसरों ने कुछ नहीं किया।

महिला ही नहीं, पुरुष और युवाओं के आगे भी फोटो लगा दी

हैरत की बात है कि चरणजीत कौर की फोटो सिर्फ महिलाओं के आगे ही नहीं लगाई गई बल्कि युवा और पुरुष वोटरों के आगे भी लगा दी गई है। ऐसा नहीं है कि चरणजीत कौर और उसके परिजनों ने वोटर लिस्ट में हुई गलती को दुरुस्त कराने का प्रयास न किया हो। चरणजीत कौर ने भास्कर को बताया कि वह वर्ष 2015 से लगातार शिकायत करती आ रही है। 2019 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने इस त्रुटि को दुरुस्त कराने की गुहार लगाई थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके अलावा अन्य कई ग्रामीण भी अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं।

ग्रामीणों ने फर्जी वोटर लिस्ट का भी दावा किया

पिछले 2 दिनों से वार्ड बंदी को दुरुस्त करने में लगे ग्रामीणों का दावा है कि उन्हें वोटर लिस्ट काफी फर्जी वोट मिली हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, लिस्ट में 8 वार्डों की कुल 1480 वोट दिखाई गई है, लेकिन इनमें से करीब 350 वोट फर्जी हैं। वार्ड-2 की 192 में से 36 वोट, वार्ड-4 में 161 में से 41 वोट (13 की मृत्यु हो चुकी है) और वार्ड-8 में 181 में से 18 की कई साल पहले मृत्यु हो चुकी है, लेकिन पिछले दिनों हुई वार्डबंदी में वोट काटी नहीं गई।

हिजाब प्रतिबंध पर सुप्रीम कोर्ट के जजों में मतभेद, बड़ी पीठ करेगी फैसला

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक में प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों की कक्षाओं में छात्राओं के हिजाब पहनने पर राज्य सरकार के प्रतिबंध लगाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को विभाजित फैसला सुनाया।

शीर्ष अदालत के इस फैसले के बाद भी कक्षाओं में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध जारी रहेगा।

न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अलग-अलग राय देते हुए कहा कि इस मामले को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष भेजा जाएगा, ताकि सुनवाई के लिए बड़ी

पीठ गठित की जा सके। मुख्य न्यायाधीश यू. यू. ललित इस विवाद पर फैसले के लिए तीन या पांच न्यायाधीशों की एक पीठ का गठन कर सकते हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 15 मार्च अपने फैसले में हिजाब पहने पर प्रतिबंध लगाने वाले (राज्य सरकार के) पांच फरवरी के आदेश को उचित ठहराया था। इसके खिलाफ शीर्ष अदालत में करीब दो दर्जन से अधिक याचिकाएं दायर की गई थीं। शीर्ष अदालत की पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति गुप्ता ने उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा और (उच्च न्यायालय के) 15 मार्च के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज कर दिया। दूसरी तरफ, अलग राय रखने वाले न्यायमूर्ति धूलिया ने उच्च न्यायालय के फैसले को खारिज कर दिया और अपीलकर्ताओं की याचिकाएं स्वीकार कर ली।

न्यायमूर्ति गुप्ता ने कक्षाओं में हिजाब पर प्रतिबंध को बरकरार रखने का समर्थन कहते हुए अपने फैसले में कहा कि एक समुदाय को अपने धार्मिक प्रतीकों को पहनने की अनुमति देना धर्मनिरपेक्षता के विपरीत होगा।

शार्ट न्यूज

प्रतिबंध न लगाएं, दीपावली पर पटाखों की बिक्री की अनुमति दें, केजरीवाल : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन आज रात दिल्ली के अपने समकक्ष अरविंद केजरीवाल से पटाखों पर पूरी तरह से पाबंदी नहीं लगाने का आग्रह किया। उन्होंने तय मापदंडों के भीतर आने वाले पटाखों की बिक्री और अनुमति देने का आग्रह करते हुये कहा कि दीपावली उत्सव के दौरान उन लाखों लोगों के जीवन रोशन होता है जिनकी आजीविका इसके साथ जुड़ी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को लिखे अर्ध-सरकारी पत्र में, उन्होंने याद दिलाया कि पिछले साल 13 अक्टूबर को उनके द्वारा लिखे गए पहले पत्र में उनसे पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध न लगाने का अनुरोध किया गया था इसमें उनसे अनुमेय मानदंडों के भीतर आने वाले पटाखों की बिक्री की अनुमति देने के लिए आग्रह किया गया था। स्टालिन ने कहा ,''मैं उसी अनुरोध को दोहराना चाहूंगा जिसमें कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने त्योहारों के अवसर पर दो घंटे के लिए पटाखे फोड़ने की अनुमति दे दी है।'' उन्होंने कहा कि उत्सव के दौरान पटाखें फोड़ना एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत प्रथा है और इसमे वे देश भी शामिल है जो पर्यावरण की दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय देश है।

एकतरफा प्रेम में युवक ने की युवती की हत्या

चेन्नई। तमिलनाडु के व्यस्त रेलवे स्टेशन सेंट थॉमस माउंट रेलवे स्टेशन पर एकतरफा प्यार में पागल एक युवक ने गुरुवार को एक युवती की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि आदमबक्कम के निवासी सतीश (23) अपने ही इलाके में रहने वाली सत्या नामक युवती से एकतरफा प्यार करता था। पुलिस ने मुताबिक सतीश ने अपने प्यार का इजहार करने के लिए रेलवे स्टेशन पर सत्या से मुलाकात की, लेकिन सत्या ने उसके प्यार को अस्वीकार कर दिया। इस दौरान दोनों के बीच बहस हुई। इसके बाद गुस्से में सतीश ने सत्या को ट्रेन के आगे धकेल दिया, जिसके कारण उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि ट्रेन सत्या के ऊपर से गुजर गयी और उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि इस वारदात को अंजाम देने के बाद सतीश मौके से फरार हो गया और पूरे स्टेशन पर सनसनी फैल गयी। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल तथा पुलिस के जवान और युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने सतीश को गिरफ्तार करने के लिए बड़े पैमान पर अभियान शुरू किया।

राज्यपाल की पत्नी ने राजभवन परिवार की महिलाओं संग मनाया करवाचौथ

देहरादून। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह की पत्नी गुरमीत कौर ने गुरुवार को राजभवन परिवार की महिलाओं के साथ सामूहिक रूप से करवाचौथ का त्यौहार मनाया। कौर ने सभी उपस्थित महिलाओं को करवा चौथ की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि करवा चौथ भारतीय संस्कृति के प्राचीन त्यौहारों में एक प्राचीन त्यौहार है। सुहागिन महिलाएं यह निर्जला व्रत अपने पति की कुशलता और दीर्घायु के लिए रखती हैं। उन्होंने कहा कि राजभवन परिवार की सभी महिलाओं द्वारा सामूहिक कार्यक्रम में प्रतिभाग कर सभी त्योहार एक साथ मनाये जाते हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारों को एक साथ मनाने से हमें एक दूसरे के सुख दुख में भागीदारी का मौका मिलता है। करवाचौथ के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए और सभी को उपहार दिए गए। इस अवसर पर, अपर सचिव स्वाती एस भदौरिया, वित्त नियंत्रक तृप्ति श्रीवास्तव, अरूणिमा सिन्हा, सुरभि सिरोही सहित कई महिलाएं शामिल हुईं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी कई अवसरों पर राजभवन में फैमिली वेलफेयर कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिसमें राजभवन परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ प्रतिभाग किया।

कार्बेट नेशनल पार्क गड़बड़ी मामला- विजिलेंस ने की पहली गिरफ्तारी

नैनीताल। कार्बेट नेशनल पार्क के कालागढ़ डिवीजन में अवैध निर्माण और वित्तीय अनियमितता के मामले में सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की ओर से पहली गिरफ्तारी की गयी है। विजिलेंस की ओर से कालागढ़ के तत्कालीन रेंजर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बृज बिहारी शर्मा को बुधवार को गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर से गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में यह पहली गिरफ्तारी है। विजिलेंस की ओर से कहा गया है कि आरोपी को ट्रांजिट रिमांड के बाद हल्द्वानी लाया जायेगा और आगे की कार्यवाही की जायेगी। विजिलेंस का दावा है कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सुबूत मौजूद हैं। यहां बता दें कि कार्बेट नेशनल पार्क के कालागढ़ डिवीजन के पाखरो और सोना नदी रेंज में अवैध निर्माण के साथ-साथ वित्तीय अनियमितता व वृक्षों के अवैध पातन के मामले में प्रदेश सरकार की ओर से विजिलेंस को जांच सौंपी गयी है। विजिलेंस की हल्द्वानी इकाई की ओर से कालागढ़ के तत्कालीन प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) किशन चंद व सात-आठ अन्य कर्मचारियों के खिलाफ हल्द्वानी में अभियोग पंजीकृत किया गया है। भारतीय वन सेवा के अधिकारी किशन चंद की ओर से इस मामले में उच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया गया है। प्रारंभिक जांच के बाद सरकार की ओर से किशन चंद को निलंबित कर दिया गया है।

कार्बेट नेशनल पार्क मामला : विजिलेंस ने की पहली गिरफ्तारी

नैनीताल। उत्तराखंड स्थित कार्बेट नेशनल पार्क के कालागढ़ डिवीजन में अवैध निर्माण व वित्तीय अनियमितता के मामले में सतर्कता अधिष्ठान की ओर से पहली गिरफ्तारी की गयी है। सतर्कता विभाग की ओर से कालागढ़ के तत्कालीन रेंजर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बृज बिहारी शर्मा को बुधवार को गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर से गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में यह पहली गिरफ्तारी है। सतर्कता विभाग की ओर से कहा गया है कि आरोपी को ट्रांजिट रिमांड के बाद हल्द्वानी लाया जायेगा और आगे की कार्यवाही की जायेगी। सतर्कता विभाग का दावा है कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सुबूत मौजूद हैं। यहां बता दें कि कार्बेट नेशनल पार्क के कालागढ़ डिवीजन के पाखरो व सोना नदी रेंज में अवैध निर्माण के साथ साथ वित्तीय अनियमितता व वृक्षों के अवैध पातन के मामले में प्रदेश सरकार की ओर से विजिलेंस को जांच सौंपी गयी है। विजिलेंस की हल्द्वानी इकाई की ओर से कालागढ़ के तत्कालीन प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) किशन चंद व सात-आठ अन्य कर्मचारियों के खिलाफ हल्द्वानी में अभियोग पंजीकृत किया गया है। भारतीय वन सेवा के अधिकारी किशन चंद की ओर से इस मामले में उच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया गया है। प्रारंभिक जांच के बाद सरकार की ओर से किशन चंद को निलंबित कर दिया गया है।

दक्षिण भारत में भारी बारिश के आसार

हैदराबाद। तेलंगाना, उत्तरी-दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा तथा तमिलनाडु के अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने गुरुवार को बताया कि तेलंगाना के निर्मल, निजामाबाद, राजन्ना सिरसिला, जयशंकर भूपालपल्ली, वारंगल, हनमकोंडा, सिद्दीपेट, रंगारेड्डी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी जिलों में कुछ स्थानों पर अगले 24 घंटे में भारी बारिश होने के आसार हैं। केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में मौसम शुष्क रहा। तमिलनाडु के थेनी जिला में 11 सेंमी, विरुधुनगर जिले के राजपलायम, डिंडीगुल जिले के कोडाइकनाल बोट क्लब आठ सेंमी, टूथुकुडी जिले के टूथुकुडी सतकुलम, विरुधुनगर जिले के पिलवक्कल में सात सेमी, तेनकासी जिले के शिवगिरी में पांच सेमी, मदुरै जिले के मझलादुथुराई चार सेमी, तिरुवरुर जिले के वलंगइमन, तेनकासी जिले के अयिकुडी, नीलगिरी जिले के केट्टी, मयिलादुथुराई जिले के कोलिडम धर्मपुरी जिले के धर्मपुरी) में एक-एक सेमी तक वर्षा हुई। यहां एक विज्ञप्ति में बताया गया कि तेलंगाना के मंचेरियल, निजामाबाद, जगतियाल, पेद्दापल्ली, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, वारंगल, हनमकोंडा, यादाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, संगारेड्डी और कामारेड्डी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर शुक्रवार को भारी बारिश होने के आसार है। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य के कई जिलों के कुछ स्थानों पर तीन दिनों तक गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार है।

उद्धव गुट बोला-शिंदे गुट ने हमारे नाम और सिंबल चुराए

चुनाव आयोग पर भी लगाया आरोप, कहा- हमारा लेटर लीक किया गया

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया है। टीम उद्धव ने EC को पत्र लिखकर कहा- आयोग ने पार्टी का नाम और सिंबल चुनने में शिंदे गुट की मदद की। उन्हें हमारा लेटर दिखाया गया। हमारे और उनके दो नाम एक जैसे निकले। हमारा आवेदन पहले गया था, फिर भी हमें सेकेंड प्रायोरिटी वाला नाम दिया गया, जबकि शिंदे को पत्र में लिखा पहला नाम मिला। शिवसेना पर अधिकार को लेकर उद्धव और शिंदे गुट के बीच सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में सुनवाई चल रही है। फैसला आने तक चुनाव आयोग ने पार्टी का सिंबल तीर कमान फ्रीज कर दिया है। इसी दौरान महाराष्ट्र में मुंबई की अंधेरी पूर्व सीट पर उपचुनाव का ऐलान हुआ तो शिवसेना के उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट ने पार्टी का नाम और सिंबल मांगा।

मशाल और ढाल तलवार लेकर भिड़ेंगे शिवसैनिक

चुनाव आयोग ने दोनों गुटों को नए नाम और सिंबल आवंटित किए हैं। उद्धव के नेतृत्व वाली शिवसेना को शिवसेना उद्धव बाला साहेब ठाकरे नाम और जलती मशाल सिंबल दिया है, जबकि एकनाथ शिंदे गुट को बालासाहेबांची शिवसेना नाम और ढाल तलवार निशान दिया है। इस पर उद्धव गुट नाराज है। उन्होंने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर कहा- टीम शिंदे ने अपना आवेदन पेश करने से पहले आयोग की मदद से ठाकरे गुट के सुझाए गए विकल्पों की नकल की है। आयोग ने ठाकरे गुट का लेटर पहले वेबसाइट पर अपलोड किया, बाद में हटा दिया। ऐसे आवेदनों को वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया जाता था। वेबसाइट पर शिंदे का कोई पत्र नहीं है, जिसमें सिंबल और नाम सुझाए गए हों।

शिंदे को पहली पसंद का नाम दिया

पत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि आयोग ने टीम शिंदे को उनकी पहली पसंद का नाम दिया है, जबकि ठाकरे को उनकी पहली पसंद का नाम और सिंबल नहीं दिया गया। टीम ठाकरे ने एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव चिन्ह और उनके लिए नाम आवंटित करने वाला पत्र चुनाव चिन्ह की फोटो के बिना चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया गया था, जबकि शिंदे के पत्र में सिंबल की फोटो थी।

आईएसबी संकाय को मिला प्रतिष्ठित क्वालिटी चैंपियन गोल्ड पुरस्कार

हैदराबाद । इंडियन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस में सहायक प्राध्यापक (प्रैक्टिस) प्रोफेसर विजय सुंदर एम को भारतीय गुणवत्ता परिषद ने क्यूसीआई क्वालिटी चैम्पियन गोल्ड पुरस्कार से सम्मानित किया है।
यह जानकारी आईएसबी ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति के माध्यम से दी। प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल को हाल ही में नयी दिल्ली में आयोजित क्यूसीआई की रजत जयंती समारोह में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आईएसबी के विज्ञप्ति में कहा गया कि इस अवसर पर क्यूसीआई के अध्यक्ष आदिल जैनुलभाई और क्यूसीआई के महासचिव डॉ रवि पी सिंह भी उपस्थित थे। प्रोफेसर विजय सुंदर एक पुरस्कार-विजेता लेखक और कंटीन्यूअस इंप्रूवमेंट एंड डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के एक वैश्विक विचारक हैं। उन्हें अन्य पुरस्कारों के अलावा एएसक्यू का क्रॉस्बी पुरस्कार और आईएक्यू का वाल्टर मासिंग पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। प्रोफेसर सुंदर को उद्योग में लगभग 18 वर्षों का अनुभव प्राप्त है और वह ऑपरेशनल एक्सीलेंस में पीएचडी है। भारतीय गुणवत्ता परिषद एक स्वतंत्र, स्वायत्त संगठन है जिसे पीपीपी मॉडल के अंतर्गत भारत सरकार और भारतीय उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले सीआईआई, फिक्की और एसोचैम द्वारा स्थापित किया गया है। इसने हाल ही में अपनी स्थापना का 25वां वर्ष पूरा किया है। विज्ञप्ति के अनुसार, यह राष्ट्रीय पुरस्कार आईएसबी के संकाय के विचारों और देश में प्रबंधन शिक्षा को पुन: परिभाषित करने में आईएसबी की प्रमुख भूमिका को प्रमाणित करता है।

दिवाली से पहले मिट्टी के दीपक बनाने में कश्मीरी कुम्हार का अथक परिश्रम

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के निवासी व मोहम्मद उमर नामक कुम्हार 24 अक्तूबर को होने वाली दीपावली से पहले मिट्टी के 20,000 दीयों के विशाल ऑर्डर को पूरा करने के लिए अपनी निशांत यूनिट में उत्साह के साथ अथक परिश्रम में जुटे हुए हैं।
उमर (27) एक कश्मीरी हैं और कॉमर्स में स्नातक हैं। वह पिछले वर्ष पूरी दुनिया में सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने दावा किया था कि उसके हाथ से बने मिट्टी के चमकीले बर्तन चीन और अमेरिका में मशीन से बने बर्तनों की तुलना में हाइजेनिक हैं। उमर कश्मीर घाटी में मिट्टी के बर्तन उद्योग के लिए बहुत बड़ा सपना देखते हैं। वह इसे नया जीवन देने और इसे आधुनिक बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं जिससे कश्मीर में हाथ से बने मिट्टी के बर्तनों को सभी जगहों से ग्राहक मिल सकें। कश्मीर में मिट्टी के बर्तनों के कारोबार से जुड़े लोगों ने इस काम को लगभग छोड़ दिया था। ये कारीगर घाटी से लगभग गायब हो चुके हैं क्योंकि हाई प्रोफ़ाइल जीवन वाले वर्तमान समाज से इनका कोई ग्राहक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कोई कुम्हार सुबह से शाम तक काम करता है तो एक दिन में चाक पर लगभग 1,000 मिट्टी के दीपक बना सकता है।

पर्यटन सचिव हफीज ने बहरीन बाइक रैली को दिखाई हरी झंडी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पर्यटन विभाग के सचिव सरमद हफीज ने बहरीन से 18 बाइक सवारों के एक समूह को गुरुवार को यहां संगरमल से श्रीनगर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पर्यटन विभाग के सचिव सरमद हफीज ने निदेशक पर्यटन कश्मीर फजलुल हसीब और अन्य की उपस्थिति में बाइकर्स को सम्मानिक किया। श्री हफीज ने कहा कि बाइक रैली कश्मीर के पर्यटन के लिए एक अच्छा संकेत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस तरह के अभियान से कश्मीर में कई गतिविधियों के लिए द्वार खोलेगा।

मनाली एक बार फिर पर्यटकों से गुलजार

रोहतांग में बर्फबारी के दीदार को पहुंचे पर्यटक, खुशनुमा पलों को कैमरे में किया कैद

पटलिकुहल कुल्लू । हिमाचल की पर्यटन नगरी मनाली एक बार फिर पर्यटकों से गुलजार हो गई है । प्रदेश के ऊंचे स्थानों पर शुरू हुई बर्फबारी के बाद पर्यटक भी बर्फ के दिदार के लिए मनाली पहुंचना शुरू हो गए हैं । मनाली के रोहतांग में हो रही बर्फबारी का आन्नद उठाने के लिए आज सैकड़ों पर्यटक रोहतांग पहुंचे।
जिन्होंने ताजा बर्फबारी में अठखेलिया करते हुए खुशनुमा पलों को कैमरे में कैद किया। अटल टनल के दूसरी तरफ लाहौल घाटी में बर्फबारी ना होने कारण पर्यटकों ने रोहतांग पास का रूख किया है । मनाली सहित जिला के पर्यटन व्यापारियों को भी सीजन खुलने की आस बंधी है।

गौरतलब है कि पिछले 3 सालों से मनाली का पर्यटन व्यवसाय प्रभावित हुआ है। अक्टूबर माह में बर्फबारी के बाद आशा है कि इस साल बर्फबारी अच्छी होगी जिस कारण क्रिसमस व न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए अधिक संख्या में पर्यटक मनाली का रुख करेंगे।

काशीपुर प्रकरण में उप्र पुलिस के जवानों के खिलाफ हत्या, षड्यंत्र का मामला दर्ज

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जनपद के काशीपुर के कुंडा में उत्तर प्रदेश पुलिस की दबिश के दौरान हुई फायरिंग में महिला की मौत के मामले में उप्र पुलिस के जवानों के खिलाफ हत्या एवं षड्यंत्र के मामले में मामला दर्ज किया गया है। कुमाऊं के पुलिस उप महानिरीक्षक डॉ नीलेश आनंद भरणे ने बताया कि बुधवार को दस से बारह पुलिस कर्मियों के खिलाफ धारा 147, 148, 302, 452, 120बी, व 504 के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही प्रकरण की जांच काशीपुर के कोतवाल मनोज रतूड़ी को सौंपी गयी है। फिलहाल अभी किसी प्रकार की गिरफ्तारी नहीं हुई है। दूसरी ओर गुस्साये ग्रामीणों ने आज फिर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया और मृतक के शव की अंत्येष्टि से इनकार कर दिया। पुलिस के उच्चाधिकारी मौके पर रहे और उन्होंने स्थिति को संभाला। शाम तीन बजे ग्रामीण माने और तब जाकर शव की अंत्येष्टि हो पायी। दूसरी ओर उधमसिंह नगर पुलिस की ओर से कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये आज सुबह से ही मौके पर पीएसी, क्यूआरटी, अग्निशमन दल के साथ ही दंगा नियंत्रण बल और पुलिस के जवान तैनात रहे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मंजूनाथ टीएस खुद मौके पर डटे रहे और हालात को नियंत्रित किया। गौरतलब है कि 50 हजार रुपये के ईनामी बदमाश को पकड़ने के लिये उप्र पुलिस के 10-12 जवानों की ओर से बुधवार शाम को कुंडा के भरतपुर गांव में जसपुर के ज्येष्ठ ब्लाक प्रमुख गुरताज के घर पर दबिश दी गयी। इस दौरान हुई फायरिंग में गुरताज की पत्नी गुरप्रीत कौर को गोली लग गयी और वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना में उप्र पुलिस के तीन जवान भी घायल हो गये। जिसमें से एक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। यह भी पता चला है कि उप्र पुलिस की ओर से भी उप्र के ठाकुरद्वारा थाना में दूसरे पक्ष के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अभी उप्र पुलिस की ओर से कुंडा पुलिस को किसी प्रकार की कोई तहरीर नहीं सौंपी गयी है। पता चला है कि उप्र पुलिस के जवान घटना के बाद अस्पताल में उपचार कराने के बाद वापस लौट गये थे।

पर्यटन विभाग कराएगा नर्मदा परिक्रमा

भोपाल। आध्यात्म पर्यटन के तहत नर्मदा परिक्रमा की शुरुआत मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा शुक्रवार को जबलपुर से की जा रही है। प्रदेश की जीवनरेखा कही जाने वाली मां नर्मदा नदी की परिक्रमा सर्वसुविधायुक्त वाहनों से होगी। 14 दिन और 15 रात के इस टूर पैकेज की सुविधा जबलपुर, इंदौर और भोपाल से ली जा सकती है। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष विनोद गोंटिया ने बताया कि सुसज्जित वाहनों से नर्मदा परिक्रमा सुविधा का शुभारंभ शुक्रवार को सुबह 10 बजे से एमपीटी कलचुरी रेसीडेंसी, जबलपुर में संत-जनों एवं जन-प्रतिनिधियों की उपस्थित में किया जाएगा। निगम के प्रबंध निदेशक एस. विश्वनाथन ने बताया कि जो श्रद्धालु यात्रा में शामिल होना चाहते हैं वे बुकिंग एवं परिक्रमा के संबंध में जानकारी क्षेत्रीय कार्यालय से हासिल कर सकते हैं। मप्र पर्यटन के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों एवं मार्केटिंग कार्यालयों से भी बुकिंग की जा सकेगी। जबलपुर से यात्रा प्रारंभ होकर अमरकंटक, मंडला, करेली, होशंगाबाद, हांडिया, ओंकारेश्वर, बड़वानी, सलकनपुर, बुदनी, जबलपुर होते हुए अमरकंटक में यात्रा का समापन होगा।

दिवाली की रात आठ से 10 बजे तक दो घंटे ही पटाखे़ चलाए जा सकेंगे : मीत हेयर

चंडीगढ़। पर्यावरण तथा प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिये उच्चतम न्यायालय और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की हिदायतों के मुताबिक पर्यावरण, विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग ने पटाखे चलाने की समय-सीमा तय करते हुये इसकी सख्ती से पालना के लिए ज़िला प्रशासन को निर्देश दिए हैं।
पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने आज यहां कहा कि दिवाली वाले दिन 24 अक्टूबर को राज्य में दो घंटे रात आठ बजे से 10 बजे तक ही पटाखे़ चलाए जा सकेंगे। केवल ग्रीन पटाख़ों की खरीद एवं बिक्री और चलाए जाने की अनुमति दी है। लिथियम, बेरियम आदि जहरीले रसायनों वाले पटाखे़ और लड़ी वाले पटाख़ों पर पूर्ण पाबंदी है। उनके अनुसार दीवाली के अलावा आठ नवंबर को गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व वाले दिन भी सुबह चार बजे से पांच बजे तक एक घंटा और रात नौ से 10 बजे तक एक घंटा पटाखे़ चलाए जाने की अनुमति होगी।

अचानक आईएसबीटी पहुंचे धामी गंदगी देख बिफरे

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने त्योहारों के दृष्टिगत गुरुवार को देहरादून स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां सफाई व्यवस्था, पेयजल, शौचालयों, टिकट बुकिंग काउंटर, एवं कैंटीन का निरीक्षण किया। इतना ही नहीं, उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों का निरीक्षण किया एवं यात्रियों से बातचीत भी की। आईएसबीटी में सफाई व्यवस्था सही नहीं पाए जाने पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि यदि स्वच्छता व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो संबंधित अधिकारियों एवं जो कंपनी इस व्यवस्था को देख रही है, उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आईएसबीटी पर शुद्ध पेयजल की पूरी व्यवस्था कि जाय। शौचालयों में स्वच्छता एवं पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही आईएसबीटी का दुबारा निरीक्षण किया जाएगा। यदि तब तक सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं पाई गई तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
श्री धामी ने टिकट बुकिंग काउंटर के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि आईएसबीटी से विभिन्न क्षेत्रों के लिए जाने वाली बसों के रवाना होने से पहले अनाउंसमेंट की समुचित व्यवस्था की जाय। इस अवसर पर, उन्होंने यात्रियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि जल्द ही परिवहन विभाग की बैठक ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे राज्य में अन्य बस अड्डों का भी निरीक्षण करेंगे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईएसबीटी के आस पास अवैध पार्किंग एवं अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधितों पर कार्रवाई की जाय। आईएसबीटी के आसपास सौंदर्यीकरण भी किया जाय। यह सुनिश्चित किया जाए की आईएसबीटी पर लगे सभी सीसीटीवी कैमरे हमेशा चालू रहें। त्योहारों के दृष्टिगत यात्रियों की आवजाही अधिक रहेगी, यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, परिवहन विभाग द्वारा इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाय।

देश की प्रगति को मिलेगी नई दिशा : मनोहर लाल

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और हरियाणा भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के यहां पहुंचने पर स्वागत किया।
इस मौके पर आज मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी सरकार का आजादी के अमृत महोत्सव में ऐसी 75 ट्रेन चलाने का फैसला है। केंद्र सरकार के इस फैसले से देश की प्रगति को नयी दिशा मिलेगी।
धनखड़ ने कहा कि यह नयी पीढ़ी की नयी ट्रेन है। इस ट्रेन में लोगों को सभी तरह की सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष धनखड़ समेत मंत्रिमंडल के सदस्यों ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ चंडीगढ़ से अंबाला तक ट्रेन में सफर किया। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, गृह मंत्री अनिल विज, शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री कमलेश ढांडा, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, राज्यमंत्री बनवारी लाल सांसद रतन लाल कटारिया और अन्य मंत्री एवं विधायक मौजूद रहे।
मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से चंडीगढ़ आने-जाने वाले लोगों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि खासकर दक्षिणी हरियाणा के लोगों को जिन्हें चंडीगढ़ काम होता है, वे एक ही दिन में अपना काम पूरा करके आ और जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक चार वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाई गई जिनमें से दो ट्रेनों का हरियाणा के लोगों को लाभ मिलेगा और ये ट्रेनें अंबाला और चंडीगढ़ रुकेंगी।
उन्होंने कहा कि इस हाई स्पीड़ ट्रेन में यात्रा करने पर ऐसा लगता है कि प्लेन की यात्रा कर रहे हों। मुख्यमंत्री ने हाईस्पीड़ ट्रेन चलाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। रेलवे स्टेशन पर मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के साथ-साथ सैकड़ों कार्यकर्ता वंदे भारत एक्सप्रेस का स्वागत करने पहुंचे तो पूरे स्टेशन पर उत्सव का सा माहौल हो गया। ट्रेन के रुकते ही पूरा रेलवे स्टेशन भारत माता के जयकारों से गूंज उठा। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के स्वागत करने के बाद मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ समेत मंत्रिमंडल के सदस्यों ट्रेन में चढ़े और उन्होंने अंबाला तक यात्रा की। ज्ञातव्य है कि हिमाचल प्रदेश के ऊना से दिल्ली के बीच चलाई गई, यह चौथी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन है। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना किया था।

श्री महाकाल लोक दर्शनार्थियों के लिये शयन आरती तक रहेगा खुला

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन स्थित भगवान महाकालेश्वर मंदिर के समीप नवनिर्मित महाकाल लोक यह आम दर्शनार्थियों के लिये सुबह 6 बजे से शयन आरती तक खुला रहेगा। अधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रशासनिक संकुल में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक पारस जैन, महापौर मुकेश टटवाल, कलेक्टर आशीष सिंह, पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार शुक्ल, मंदिर प्रशासक श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति संदीप सोनी एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। इस बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव वीसी के माध्यम से सम्मिलित हुए।

ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात से हिमाचल में बढ़ी ठंड

शिमला। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले 24 घंटों के दौरान दूसरे दिन भी बर्फबारी जारी रहने से ठंड बढ़ गयी और इसका असर मैदानी इलाकों में देखने को मिल रहा है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा जिले के ऊंचे क्षेत्रों में बर्फ गिरी। इससे पर्वतीय क्षेत्रों में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। शिमला में भी कल गरज-चमक के साथ बादल बरसे। मौसम के इन तेवरों से शिमला में दिसम्बर की तरह ठंड शुरू हो गयी है और गर्म कपड़े निकल आये हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घण्टों में भी बारिश-बर्फबारी का अनुमान जताया है। चौदह से 17 अक्टूबर तक हालांकि पूरे प्रदेश में मौसम के साफ रहने का अनुमान है। सिरमौर जिला के पच्छाद में कल 104 मिमी, राजगढ़ 37, संगड़ाह में 35, नारकंडा में 35, नाहन में 28, खदराला और मनाली में 25-25, रामपुर बुशहर में 24, सराहन में 23, रेणुका एवं कुफरी में 21-21, चौपाल में 20 और शिमला में 15 मिमी बारिश दर्ज की गई। बर्फबारी से पर्वतीय हिस्सों में कुछ स्थानों पर पारा शून्य के करीब पहुंचना शुरू हो गया है। लाहौल-स्पीति जिले का मुख्यालय केलांग राज्य में सबसे ठंडा स्थल रहा, जहां बुधवार की सुबह न्यनूतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा किन्नौर के कल्पा में 3.2 डिग्री, नारकंडा में 6.7 डिग्री, रिकांगपिओ में 7.1 डिग्री और मनाली में 8 डिग्री सेल्सियस रहा। शिमला शहर से सटे पर्यटन स्थल कुफरी में न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री, सोलन में 10.7 डिग्री, शिमला में 10.8 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 12.1 डिग्री सुंदरनगर में 12.2 डिग्री, भुंतर में 12.3 डिग्री, चंबा में 14.4 डिग्री और उना में 16.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

अपहरण और दुष्कर्म के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बड़वानी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के सेंधवा में छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में आरोपी को आज गिरफ्तार कर लिया गया। डीएसपी कुंदन सिंह मंडलोई ने बताया कि आज आरोपी रवि शिंदे को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास के पास से महाराष्ट्र भागने की फिराक में था। उन्होंने बताया कि रवि अपने माता पिता से विवाद कर सेंधवा में एक मोहल्ले में किराए के मकान पर रहने चले गया था जहां एक पीड़िता का परिवार भी रहता था। वह गांव में घूम कर नकली आभूषण बेचने का काम करता है और सुबह से शराब का सेवन कर लेता है। उसने कल स्कूल से छात्रा को पिता द्वारा बुलाए जाने की बात कहते हुए सेंधवा के पुराने किले के अंदर ले गया था और वहां कथित तौर पर दुष्कर्म किया था।

एसवाईएल पर पंजाब के हितों से समझौता करने के लिए केजरीवाल के दबाव में मुख्यमंत्री

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से आग्रह किया है कि वह सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर पर कल हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ बैठक में क्या रुख अपनायेंगे। शिअद के अनुसार क्योंकि इस बात के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि मुख्यमंत्री आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के इशारे पर पंजाब के हितों के साथ विश्वासघात करेंगें।
पूर्व मंत्री डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने आज यहां कहा कि तथ्य यह है कि मुख्यमंत्री ने पंजाबियों को अपना रुख स्पष्ट नहीं किया और न ही इस मुददे पर मजबूती से एक स्टैंड तय करने के लिए सर्वदलीय बैठक की जिससे संकेत मिलता है कि उन पर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, आप पार्टी को हरियाणा की राजनीति में लाभ लेने के लिए दबाव डाल रहे हैं। डॉ चीमा ने मुख्यमंत्री को हरियाणा के मुख्यमंत्री के साथ बैठक में भाग लेने से पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि एसवाईएल नहर के निर्माण के लिए पंजाब के पास देने के लिए न तो पानी की एक भी बूंद है तथा न ही जमीन है। मुख्यमंत्री को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि नदी के पानी पर पंजाब का विशेष अधिकार है और एक गैर रिपेरियन राज्य के रूप में हरियाणा का इस मुद्दे पर कोई अधिकार नहीं है।
डॉ. चीमा ने कहा कि हरियाणा के साथ बातचीत करने से पहले एसवाईएल मुद्दे पर स्पष्ट सार्वजनिक स्टैंड लेना मुख्यमंत्री का दायित्व है, क्योंकि उन्होंने अपने नेता श्री केजरीवाल के सामने खड़े होने में कमजोरी दिखाई है जो हरियाणा को पानी देने पर तुले हुए हैं।

शार्ट न्यूज

सदर बाजार पटरी व ट्रैफिक जाम के विरोध में व्यापारियों ने मार्केट बंद करने की दी चेतावनी

नई दिल्ली। दिवाली के करीब आते ही सदर बाजार की मार्केट में पटरी वालों का काफी तादाद में कब्जा हो गया इसको लेकर व्यापारियों में काफी रोष है। इसको लेकर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा जल्द ही पटरी वालों को नहीं हटाया गया तो फेडरेशन और सदर बाजार के व्यापारी सड़कों पर उतरेंगे। फेस्टा के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, वाइस चेयरमैन पवन खंडेलवाल, अध्यक्ष राकेश यादव, महासचिव कमल कुमार, राजेंद्र शर्मा, सतपाल सिंह मंगा, सुधीर जैन ने कहा बड़े दुख की बात है लगातार प्रशासन को पटरी के खिलाफ अवगत कराते रहे हैं मगर इसके साथ-साथ उपराज्यपाल, संसद, सदस्य एवं सभी अधिकारियों से मुलाकात कर भी लगातार पटरी माफिया के खिलाफ जानकारी देते रहे हैं मगर पटरी हटाने की बजाय और पटरी यहां पर काफी तादात में तीन-तीन चार-चार लाइन लग गई है जिससे व्यापारी खरीदारी करने आए ना तो दुकानों के अंदर जा सकता है ना ही वह बार किसी प्रकार की खरीदारी कर सकता है और भीड़ होने के कारण लोगों की जेब भी कट रही है और ट्रैफिक जाम तो कई कई घंटों तक लगा रहता है। परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा जल्द ही पुलिस या एमसीडी ने कोई निर्णय नहीं लिया तो व्यापारी सड़कों पर उतरने पर मजबूर हो जाएंगे और व्यापारियों का बहुत ज्यादा दबाव है कि मार्केट बंद कराने के लिए इसके लेकर भी फेस्टा विचार कर रही है।

डा. महेश शर्मा दुसरी बार त्रिपुरा पहुंचे

नई दिल्ली। त्रिपुरा प्रदेश प्रभारी एवं सांसद गौतमबुद्धनगर डा. महेश शर्मा दुसरी बार त्रिपुरा पहुंचे। त्रिपुरा पहुचने पर उनका एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया उसके उपरांत वहां के त्रिपुरा पूर्व के सांसद श्री रेबती जी से मुलाकात की। आज त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा सिपाहिजला उत्तर जिला के कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित बाइक रैली को रवाना कर युवाओं का जोष बढ़ाते हुए त्रिपुरा प्रदेष प्रभारी एवं सांसद गौतमबुद्धनगर डा. महेष शर्मा और उनके साथ में प्रदेश अध्यक्ष राजीब भट्टाचार्य जी, प्रदेश संगठनमंत्री फ्नेन्द्रनाथ शर्मा जी, प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा नबादल बनिक जी की उपस्थिति में सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहें। उसके बाद उत्तर सिपाहजला जिले के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। त्रिपुरा राज्य में आगामी वर्ष 2023 फ्रवरी माह में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सिपाहिजला उत्तर जिला में पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष श्री राजीब भट्टाचार्य जी, संगठन मंत्री श्री फ्नेन्द्रनाथ शर्मा जी व जिलाध्यक्ष श्री गौरांग भौमिक जी अन्य विशिष्ट जनों की उपस्थिति में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा त्रिपुरा राज्य की चौमुखी विकास हेतु प्रतिबद्धता के बारे में चर्चा की और केन्द्र की योजनाओं के बारें में जनता को बताया ।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने एनजीटी द्वारा केजरीवाल सरकार पर 900 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाए जाने का किया स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने एनजीटी द्वारा दिल्ली सरकार पर लगाए गए 900 करोड़ रुपये के जुर्माने का स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने कूड़े के ढ़ेर मामले में अपने आठ सालों के कार्यकाल में कोई ठोस कदम नहीं उठाया और यही कारण है कि आज तीनों लैंडफिल-गाजीपुर, भलस्वा और ओखला में 80 प्रतिशत पुराना कचरा जमा हुआ है और तीनों साईटों पर 300 लाख मीट्रिक टन कचरे का किसी भी तरीके से प्रबंधन और निवारण करने में दिल्ली सरकार पूरी तरह से फेल साबित हुई है। आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार को 900 करोड़ रुपये की बड़ी राशि के मुआवजा का एनजीटी को भुगतान करने के आदेश का असर दिल्ली की टैक्स पेयर जनता पर अनुचित भार पड़ेगा, जबकि दिल्ली सरकार का 38155 करोड़ का बजटीय घाटा पहले ही केग द्वारा उजागर हो चुका है। उन्होंने कहा कि आज तक केजरीवाल ने दिल्ली के कूड़े के पहाड़ों को ना ही देखने की कोशिश की है और ना ही इसके निस्तारण के लिए कोई ठोस कदम उठाया। वे सिर्फ अपने कार्यकाल में दूसरे पर आरोप लगाने का काम करते रहे। आदेश गुप्ता ने कहा कि एनजीटी ने साफ तौर पर कहा है कि दिल्ली के कूड़े के पहाड़ का निपटारा करने में केजरीवाल सरकार पूरी तरह से नाकाम रही है और दिल्ली सरकार की लापरवाही और कुप्रबंधन के चलते 152 एकड़ की सावर्जनिक जमीन पर बने तीनों लैंडफिलो में ठोस कचरे के पहाड़ बनने से राजधानी में पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है जिससे दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है।

दिल्ली में सामने आया फास्टैग का नया स्कैम, वाहन चालकों से 80 लाख रुपये की ठगी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने फास्टैग वॉलेट का इस्तेमाल कर कथित मोबाइल धोखाधड़ी में शामिल गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी । पुलिस ने बताया कि आरोपी 5जी सेवा अथवा क्रेडिट कार्ड शुरू करने जैसी सेवाएं प्रदान करने के बहाने लोगों को फोन करते थे और उनके %फास्टैग वॉलेट% में पैसे अंतरित करने के लिए आवश्यक विवरण ले लेते थे । उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान मोहम्मद जाहिद, पवन सिंह और रवि मित्तल के रूप में हुई है। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि जांच के दौरान इस बात का खुलासा हुआ कि जाहिद इस गिरोह के सरगना पवन सिंह की ओर से मुहैया कराये गये फर्जी खातों का प्रबंधन करता था।

500 से ज्यादा लोगों को दिखाया विदेश में नौकरी का सपना, शातिरों के पास से पासपोर्ट और लाखों रुपये बरामद

नोएडा। बेरोजगारों को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगने वाले एक गिरोह का नोएडा के सेक्टर 20 थाना पुलिस ने खुलासा किया है। इस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। यह फर्जी वीजा, पासपोर्ट के आधार पर खाड़ी देशों में भेजने के नाम पर देश भर में बेरोजगारों से ठगी करते थे। जिन्होंने 500 से अधिक लोगों के साथ ठगी की है। अपर पुलिस उपायुक्त नोएडा आशुतोष द्विवेदी का कहना है कि विदेश भेजने के नाम पर सैकड़ो लोगों के साथ ठगी करने वाले गिरोह का सेक्टर-20 कोतवाली पुलिस ने किया पर्दाफाश है। मुख्य सरगना सहित कुल तीन शातिर पुलिस ने पकड़े हैं और उनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। उनके पास से 100 से अधिक पासपोर्ट और लाखों रुपये की नकदी सहित अन्य सामान बरामद हुआ। बीते दिनों करीब तीस पीड़ितों ने कोतवाली पुलिस से शिकायत की थी, आरोपियों के द्वारा नोएडा में कॉल सेंटर के माध्यम से बेरोजगारों से ठगी की जा रही थी।

ठगी के मामले में ज्ञापन सौंपा

नोएडा। कुछ लोगों ने ब्रोकर परिवार पर करोड़ों की ठगी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसको लेकर बुधवार को पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। पुलिस आयुक्त ने डीसीपी को जांच करने के आदेश दिए हैं। सेक्टर-108 स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे पीड़ितों का आरोप है कि ब्रोकर ने अपने परिवार के साथ मिलकर कई आवंटियों और खरीदारों को शिकार बनाया है। आरोपियों ने पीड़ितों से अग्रिम राशि के रूप में भारी भरकम रकम हड़प ली। फिर उन्हें ही झूठे केस में फंसाकर ब्लैकमेल करता है। इस मामले को लेकर पुलिस आयुक्त आलोक सिंह को ज्ञापन दिया गया।

केजरीवाल सरकार का शिक्षा मॉडल दुनिया भर में लोकप्रियता कर रहा हासिल

दिल्ली शिक्षा मॉडल को सफल बनाने में शिक्षकों की कड़ी मेहनत और निरंतर प्रयासों ने अहम भूमिका निभाई

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल के दिल्ली के शिक्षा मॉडल को दुनिया भर में लोकप्रियता मिल रही है। भारत के पड़ोसी देश अपनी शिक्षा प्रणालियों के विकास के लिए दिल्ली सरकार के स्कूलों से सीखने-सीखाने के सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। उसी श्रृंखला में, नेपाल के लुंबिनी के तिलोत्तमा नगरपालिका से स्कूल प्रधानाचार्यों, उप प्रधानाचार्यों और शिक्षकों का एक 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली सरकार के स्कूलों के 3 दिवसीय दौरे पर है। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने उनसे बातचीत की और दौरे के दूसरे दिन दिल्ली के सरकारी स्कूलों को देखने के लिए उनका स्वागत किया। अपने दौरे के पहले दिन प्रतिनिधिमंडल ने केजरीवाल सरकार के दो स्कूलों का दौरा किया तथा छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की। उन्होंने केजरीवाल सरकार के माइंडसेट पाठ्यक्रमों की अवधारणा को समझने के लिए हैप्पीनेस करिकुलम, एंत्रप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम और देशभक्ति करिकुलम की कक्षाओं में भी भाग लिया और यह समझा कि कैसे केजरीवाल सरकार के यह पाठ्यक्रम बच्चों के सर्वांगीन विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

प्रतिनिधि मंडल के साथ बातचीत करते हुए, श्री सिसोदिया ने कहा कि, दिल्ली का शिक्षा मॉडल दिल्ली के लोगों के प्रयासों के कारण ही इतना शानदार बना है,दिल्ली की जनता ने अरविंद केजरीवाल को पर विश्वास दिखाया और इसी विश्वास के दम पर केजरीवाल जी ने सार्वजनिक शिक्षा क्षेत्र में क्रांति ला दी। उन्होंने कहा कि एक सरकार के रूप में, हमारा उद्देश्य एक शिक्षित राष्ट्र की स्थापना करना है जो गरीबी, बेरोजगारी और असमानता के मुद्दों से कुशलता से निपट सके। इन सभी मुद्दों का समाधान केवल शिक्षा है। उन्होंने कहा कि, स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार और नए पाठ्यक्रम शुरू करके, हमारा उद्देश्य छात्रों को नए अवसर प्रदान करना और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में सीखने और बढ़ने में मदद करना है। सरकार के इस लक्ष्य को उन शिक्षकों के प्रयासों से सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा रहा है जिन्हें सरकार द्वारा उनके प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए वैश्विक स्तर पर ट्रेनिग दी गई।

फिलहाल दिल्ली में पटाखों पर बैन बरकरार, सुप्रीम कोर्ट का याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में एक जनवरी 2023 तक पटाखों के भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति यू यू ललित तथा न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध करने वाले अधिवक्ता से मामले को लेकर उच्च न्यायलय जाने के लिये कहा।

पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय को निर्णय करने दीजिये, हम इसमें नहीं पड़ेंगे। मामले की त्वरित सुनवाई का अनुरोध करने वाले अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष कहा कि उच्च न्यायालय ने विचार किया है कि मामला शीर्ष न्यायालय के समक्ष लंबित है और इसे 18 अक्टूबर के लिये सूचीबद्ध किया गया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने इससे पहले हरित पटाखा व्यापारियों की याचिका पर सुनवाई एक जनवरी तक के लिए टाल दी थी याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी द्वारा पूर्ण प्रतिबंध उच्चतम न्यायालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशों का उल्लंघन है, जिन्होंने कभी भी इस तरह के व्यापक प्रतिबंध की व्यवस्था नहीं दी है ।

शीर्ष अदालत ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण पर काबू के लिए सभी प्रकार के पटाखों के भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाले दिल्ली सरकार के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा था कि वह वायु प्रदूषण में वृद्धि नहीं करना चाहती है। पिछले साल शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं लगाया जायेगा । केवल उन पटाखों की मनाही होगी, जिसमें बेरियम साल्ट की मात्रा होगी।

जिले में 33 केंद्रों पर होने वाली पीईटी की तैयारियां पूरी

सभी केंद्रों पर चार पालियो में होगी परीक्षा, 62400 परीक्षार्थी होंगे शामिल

नोएडा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की प्रारंभिक चयन परीक्षा (पीईटी) जिले में शनिवार और रविवार को 33 केंद्रों पर सम्पन्न होगी। चारों पालियों में 62 हजार 400 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है।

इस माह की 15 और 16 तारीख केवल परीक्षाओं के नाम रहेगी। जिले में दो परीक्षाएं आयोजित कराई जाएगी। सबसे ज्यादा परीक्षा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (पीईटी) में शामिल होंगे। पीईटी की परीक्षा सुबह 10 से 12 और शाम तीन से पांच बजे की पाली में होगा। प्रत्येक पाली में 15,600 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सबसे ज्यादा अभ्यर्थी पीईटी परीक्षा में शामिल होंगे। शिक्षा विभाग का अनुमान है कि जिले में दूरदराज जिलों व राज्यों से बच्चे पेपर देने आएंगे। उनका शुक्रवार रात से ही केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो जाएगा। विद्यार्थियों के साथ उनके परिजन भी रहेंगे, ऐसे में केंद्रों पर डेढ़ लाख से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है।

इंडिया एक्सपो मार्ट में शुरु हुआ भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों का सबसे बड़ा मेला

ग्रेटर नोएडा। भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों का सबसे बड़ा मेला आज से ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में शुरू हो गया है। हस्तशिल्प निर्यात संबर्धन परिषद द्वारा आयोजित इस पांच दिवसीय मेले में एक छत के नीचे देश भर के तीन हजार से अधिक हस्तशिल्प निर्यातक व कारीगर होम, लाइफ स्टाइल,फैशन व टेक्सटाइल और फर्नीचर के साथ अपने खास उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। आईएचजीएफ के नाम से आयोजित मेले में इस बार सौ से अधिक देशों के खरीदार आ रहे हैं। ईपीसीएच के अध्यक्ष राज कुमार मल्होत्रा ने बुधवार को प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि आईएचजीएफ-दिल्ली मेला ऑटम-2022 अपने तरह का एक अनूठा मेला है। देश भर के तीन हजार से अधिक प्रदर्शक हाउसवेयर, होम फर्निशिंग,फर्नीचर, गिफ्ट एवं डेकोरेटिव्स, लैंप एंड लाइटिंग, क्रिसमस एवं फेस्टिव डेकोर, फैशन जूलरी एंड एक्सेसरीज, स्पा एवं वेलनेस, कारपेट एवं रग्स, बाथरूम एक्सेसरीज, गार्डन एक्सेसरीज, एजुकेशन टॉयज एंड गेम्स, हाथ से बने कागज के उत्पाद एवं स्टेशनरी आदि उत्पाद लेकर आ रहे हैं। ईपीसीएच के महानिदेशक राकेश कुमार ने बताया कि आईएचजीएफ- दिल्ली मेले का यह 54वां संस्करण है। इस बार बेहतर कारोबार की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि 2021-22 के दौरान हस्तशिल्प का निर्यात 33,253 करोड़ रुपए का हुआ है, जो बीते वर्ष की तुलना में रुपए के संदर्भ में 29.49 फीसद और डॉलर के संदर्भ में 28.90 फीसद की वृद्धि दर्शाता है। इस मौके पर आईएचजीएफ दिल्ली मेला ऑटम स्वागत समिति के अध्यक्ष अवधेश अग्रवाल, रवि के. पासी, ओपी प्रह्लादका, प्रिंस मलिक आदि मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने किया दिल्ली सरकार के शिक्षक-प्रशिक्षक संस्थान 'डाइट केशवपुरम' का दौरा

● डाइट केशवपुरम, दिल्ली में स्थित देश का पहला डाइट है, यहाँ से हर साल 150 प्रशिक्षु प्रारम्भिक शिक्षा में डिप्लोमा हासिल करके टीचर बनने की योग्यता प्राप्त करते है

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को दिल्ली सरकार के शिक्षक-प्रशिक्षक संस्थान 'डाइट केशवपुरम' का दौरा किया व प्रशिक्षु शिक्षकों(प्री-सर्विस टीचर ट्रेनीज) के कक्षाओं का निरीक्षण किया, उनके टीचिंग-लर्निंग स्टाइल को जाना व उनके साथ लम्बी चर्चा की।

गौर तलब है की डाइट केशवपुरम दिल्ली में स्थित देश का पहला डाइट है, यहाँ से हर साल 150 प्रशिक्षु प्रारम्भिक शिक्षा में डिप्लोमा हासिल करके टीचर बनने की योग्यता प्राप्त करते है

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने उन्हें प्रेरित करते हुए कहा कि एक शिक्षक समाज में 360 डिग्री परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है और देश की बुनियाद तैयार करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक एक मल्टी-प्लायर के रूप में होता है और अपने नॉलेज व मूल्यों के माध्यम से समाज को बेहतर बनाने का काम करता है।

चर्चा के दौरान शिक्षा मंत्री ने ट्रेनीज से शिक्षक बनने के उनके मोटिवेशन के बार में पूछा तो उन्होंने बताया पिछले कुछ सालों में हमें एजुकेशन सिस्टम में बहुत से बदलावों को अनुभव किया है।

इन बदलावों के कारण हमारे निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास भी बढ़ा है और यही कारण है कि हम शिक्षक बनना चाहते है और शिक्षा के क्षेत्र में आए इस बदलाव में अब एक शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाना चाहते है।

इसपर श्री सिसोदिया ने कहा कि, हमारे ट्रेनीज यह सपना देखते है कि उन्हें अच्छा शिक्षक बनना है, अच्छी नौकरी पानी है लेकिन उन्हें अब अपने सपने में एक बड़ा सपना और जोड़ना चाहिए। हर ट्रेनी टीचर को यह सपना देखना चाहिए कि मुझे टीचर बनने के बाद शिक्षा के क्षेत्र में कुछ ऐसा काम करना है कि भारत का एजुकेशन सिस्टम विश्व के टॉप एजुकेशन सिस्टम में शुमार हो जाए।

उन्होंने कहा कि आज हम शिक्षा के क्षेत्र में विश्व के टॉप देशों की लिस्ट देखते है तो उसमें फ़िनलैंड, सिंगापूर, ब्रिटेन आदि का नाम आता है। अब हमें अपने एजुकेशन सिस्टम में ऐसे टीचर्स चाहिए जो इतना शानदार काम करें की अगले कुछ सालों में जब दुनिया के किसी कोने में बैठा कोई व्यक्ति यह सर्च करें कि शिक्षा के क्षेत्र में विश्व का टॉप देश कौनसा है तो उसे भारत का नाम दिखे।

वीआईक्यू टेस्ट से छात्रों को मिलेगा ज्यादा से ज्यादा स्कॉलरशिप और कम फीस में पढ़ाई का मौका

15 और 16 अक्टूबर को होगा वीआईक्यू टेस्ट

नई दिल्ली । जेईई और नीट जैसे बड़ी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मशहूर विद्या मंदिर क्लासेज़ (वीएमसी) ने अपने बहुप्रतीक्षित स्कॉलरशिप के साथ एडमिशन प्रोग्राम को लॉन्च कर दिया है. विद्या मंदिर इंटलेक्ट क्वेस्ट का आयोजन इसी साल अक्टूबर में किया जाएगा. जिस तरह भगवान कृष्ण ने पूरी दुनिया को प्रकाशमय किया, ये प्रोग्राम भी उन्हीं का अनुसरण है जिसके जरिए छात्र खुद की क्षमताएं बढ़ा सकेंगे, स्कॉलरशिप पाकर ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे, और समाज को मजबूत बन सकेंगे. विद्या मंदिर क्लासेज़ जेईई मेन, जेईई एडवांस, ओलंपियाड्स, एनटीएसई जैसे प्रोग्राम की कोचिंग कराने वाले इंस्टिट्यूट में अग्रिम पंक्ति में आता है, साथ ही इंस्टिट्यूट बच्चों को स्कॉलरशिप देकर उन्हें भविष्य उज्जवल बनाने का अवसर भी देता है।

क्लास 5, 6, 7, 8, 9, 10 और 11 के छात्रों के लिए ये टेस्ट 15 और 16 अक्टूबर को कराए जाएंगे. जो छात्र इस एग्जाम को पास करेंगे उन्हें विद्या मंदिर क्लासेज़ के ऑफलाइन और ऑनलाइन एडमिशन प्रोग्राम में प्राथमिकता दी जाएगी, साथ ही 100 परसेंट तक स्कॉलरशिप भी मिलने के चांस रहेंगे।

विद्या मंदिर क्लासेज़ के चीफ बिजनेस ऑफिसर अभिषेक शर्मा ने इस बारे में कहा, अपने अनूठे टीचिंग मेथड्स, स्टडी मटेरियल और बेहतर रिजल्ट के लिए मशहूर वीएमसी पांच प्वाइंट वाले वीआईक्यू टेस्ट को आयोजित करने के लिए उत्सुक है।

चाहे कम से कम अकैडमिक फीस में बच्चों की पढ़ाई की बात हो या फिर स्कॉलरशिप पर एडमिशन, छात्रों के लिए 100 घंटे तक की ऑनलाइन कॉम्प्लीमेंट्री क्लास की बात हो या फिर बच्चों के फ्री प्रैक्टिस टेस्ट और ऑनलाइन स्टडी मटेरियल की बात हो, वीएमसी हमेशा से इस तरह के प्रयासों में आगे रहा है.

विद्या मंदिर क्लासेज़ के सह-संस्थापक बृज मोहन ने कहा, वीआईक्यूजेईई और नीट की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए भी अवसर के दरवाजे खोलता है.

साथ ही छात्रों को अपनी मौजूदा क्षमताओं को बढ़ाने और बेहतर रिजल्ट लाने में भी इस टेस्ट से काफी मदद मिलती है. कुल मिलकर विद्या मंदिर इंटलेक्ट क्वेस्ट आईआईटी, जेईई और नीट पर फोकस करने वाले छात्रों के लिए बहुत ही शानदार माध्यम है जो उन्हें इस कम्पटीशन के टाइम में हमेशा एक कदम आगे रखता है।

आईआईटी, एनआईटी और टॉप मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए वीआईक्यू एक बेहतर प्लेटफॉर्म की तरह है. साथ ही जो छात्र एनटीएसई स्कॉलर्स, बोर्ड टॉपर्स या ओलंपियाड मेडलिस्ट बनने के सपने देखते हैं उनके लिए भी ये काफी कारगर है।

गाजियाबाद में पिता के दोस्त ने नौकर संग मिलकर कराई डकैती, पांच दिन बाद मास्टरमाइंड सहित छह गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के नेहरू नगर थर्ड में कारोबारी रमन सरीन की पत्नी-बेटी को बंधक बनाकर दिनदहाड़े डकैती करने के मामले में पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक कारोबारी के पिता के दोस्त ने एक करोड़ रुपये के लालच में नौकर के साथ घटना की साजिश रची थी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया है। वहीं, लूटपाट करने वाले चार बदमाश मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुए हैं। दो बदमाश अभी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। एसएसपी मुनिराज जी. ने बताया कि मंगलवार रात पुलिस को सूचना मिली थी कि कारोबारी के घर डालने वाले बदमाश शहर में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना पर जगह-जगह बैरियर लगाकर चेकिंग शुरू कर दी गई। इसी दौरान लोहियानगर स्थित हमदर्द चौराहा के पास तीन बाइक सवार छह संग्धिधों को रुकने का इशारा किया तो वह पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। बाकी बदमाश कविनगर क्षेत्र में जा पहुंचे। वहां चेकिंग कर रही पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि दो बदमाश फरार हो गए। एसएसपी ने बताया कि सिहानी गेट क्षेत्र में पकड़े गए बदमाशों की पहचान राजकुमार उर्फ राजू निवासी ग्राम डेरा मच्छा बादलपुर गौतमबुद्धनगर और अमित भड़ाना निवासी ग्राम मखियाली मुजफ्फरनगर के रूप में हुई। वहीं कविनगर में पकड़े गए बदमाशों की पहचान थाना बिल्सी बदायूं के फतेहपुर नंगला निवासी सौगंध कुमार तथा थाना कोतवाली रुड़की हरिद्वार के इमली रोड माहीगरान निवासी फिरोज उर्फ बाबू के रूप में हुई है।

गुरुगाम की हवा हुई खराब, पराली जलाने वाले किसानों पर मोटा जुर्माना लगाएगा प्रशासन

गुरुग्राम। गुरुग्राम में पराली जलाने वालों पर शिकंजा कसने के लिए प्रशासन ने तैयारी कर ली है। जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को आदेश जारी किया गया है कि पराली जलाने पर ढाई हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से जुर्माना लगाया जाएगा। इसके साथ ही किसानों से पराली न जलाने की अपील क्योंकि इससे शहर में प्रदूषण होता है। जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अपील का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा पराली जलाने के संबंध में जारी निर्देशों को सख्ती से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि अब तक पराली जलाने का कोई स्थानीय मामला सामने नहीं आया है। जिला प्रशासन ने यह भी कहा कि उसने जिले में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए विभिन्न स्तरों पर टीमों का गठन किया है। धान की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच कम अंतराल होने के कारण, किसान गेहूं की बुवाई के लिए खेतों को तैयार करने के लिए धान की फसल के अवशेषों को जला देते हैं। उत्तर भारत, विशेष रूप से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्मॉग के प्रमुख कारण के तौर पर विभिन्न अध्ययनों में पराली जलाने को बताया गया है। इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण को लेकर संकट पैदा हुआ है। गुरुग्राम के उपायुक्त निशांत यादव ने कहा, मैं जिले के किसानों से अपील करता हूं कि वे फसल अवशेष न जलाएं क्योंकि इससे भारी प्रदूषण होता है और आम जनता को प्रभावित करने के अलावा ग्रीन कवर और पशु आबादी को भी प्रभावित करता है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए टीमों का गठन किया है कि सतर्कता बरती जाए और इन निर्देशों का उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जाए। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार पराली जलाते हुए पाए जाने वाले किसान को 2500 रुपये प्रति एकड़ का जुर्माना भरना होगा। यादव ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण विभाग को निर्देश जारी कर दिए गए हैं और गतिविधि पर नजर रखने के लिए गांव, ब्लॉक, जिला और संभाग स्तर पर टीमों का गठन किया गया है। पराली जलाने की किसी भी तरह की घटना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

एनजीटी द्वारा 900 करोड़ का जुर्माना केजरीवाल सरकार के 8 वर्षों और भाजपा शासित निगम के 15 वर्षों के कुशासन और कुप्रबंधन का परिणाम

विवेक राय/गौरवशाली भारत

● दिल्ली में तीनों लैंडफिलों पर 300 लाख मीट्रिक टन कचरे के पहाड़ बनने के लिए भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारें सीधे तौर पर जिम्मेदार है: अनिल भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक श्री अनिल भारद्वाज ने कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा राजधानी दिल्ली में गाजीपुर, भलस्वा और औखला की तीनों लैंडफिलों पर ठोस कचरे के अनुचित प्रबंधन के लिए जो 900 करोड़ जुर्माना लगाया है जो दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम के कुप्रबधन और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम द्वारा ठोस कचरे का निवारण करने में विफलता का ही परिणाम है कि तीनों लैंडफिलों पर 80 प्रतिशत कचरा पुराना जमा हुआ है और तीनों साईटों पर 300 लाख मीट्रिक टन कचरे का किसी भी तरीके से प्रबंधन और निवारण करने में दोनो सरकारें पूरी तरह से फेल रही हैं।

अनिल भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार को 900 करोड़ रुपये की बड़ी राशि के मुआवजा का एनजीटी को भुगतान करने के आदेश का असर दिल्ली की टैक्स पेयर जनता पर अनुचित भार पड़ेगा, जबकि दिल्ली सरकार का 38155 करोड़ का बजटीय घाटा पहले ही केग द्वारा उजागर हो चुका है। श्री भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार की लापरवाही और कुप्रबंधन के चलते 152 एकड़ की सावर्जनिक जमीन पर बने तीनों लैंडफिलो में ठोस कचरे के पहाड़ बनने से राजधानी में पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है जिससे दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में से एक बन गई है।

भारद्वाज ने कहा कि लैंडफिलों से सटे रिहायशी क्षेत्रों के लोगों के बार-बार सरकारों से अपील करने के बावजूद अभी तक इन लैंडफिलों के कचरे का निवारण न करने से उत्सर्जन होने वाली मिथैन और हानिकारक गैसों से लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहे है और वे सांस की बीमारी से पीड़ित होने के साथ-साथ बीमार पड़ रहे है, परंतु सरकारों ने न्यूनतम सुरक्षा के उपाय तक नही अपनाए है।

उन्होंने कहा कि तेज हवा चलने पर लैंडफिलों पर अक्सर आगजनी की घटनाऐं होती है जिससे आसपास के नागरिक अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हुए भय के वातावरण में जीने को मजबूर है।

उन्होंने कहा कि तीनों लैंडफिलें राजधानी के बार्डरों पर स्थित है जिससे दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों पर इन लैंडफिलों पर कूड़े के पहाड़ो को देखकर दिल्ली की दागदार छवि उजागर हुई है।

भारद्वाज ने कहा कि जुलाई 2019 में एनजीटी ने लैंडफिलों से कचरा हटाने का आदेश दिया था परंतु 38 महीनों में अब तक मात्र 59 लाख टन कचरा हटाया गया है, कचरा निवारण की रफ्तार यदि यही रही तो बाकी कचरे को हटाने में लगभग 12 साल लग जाऐंगे। केजरीवाल की दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम की लैंडफिलों से कचरा निवारण की रफ्तार चिंताजनक है।

संपादकीय

नरबलि का मामला सभ्य समाज पर कलंक है

समूचे राष्ट्र को स्तब्ध करने वाला यह काफी जटिल मामला है, जिसमें कई परतें हैं, कुछ खुली हैं और कुछ खुलनी बाकी हैं। मगर फिर भी जो तथ्य सामने आए हैं, वे न केवल शर्मनाक हैं, बल्कि दुनिया का गुरु बनने की ओर अग्रसर राष्ट्र पर एक बदनुमा दाग है। केरल के पथानामथिट्टा में अमीर बनने की चाहत में तांत्रिक के कहने पर दो महिलाओं की बलि देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामले में नरभक्षण का भी संदेह जताया जा रहा है। संदेह है कि आरोपियों ने महिलाओं के लाश के टुकड़े पकाकर खाए। यह खौफनाक एवं डरावना घटनाक्रम एक शत प्रतिशत शिक्षित प्रांत के लिये लज्जाजनक होने के साथ-साथ नये भारत, सशक्त भारत पर नये सिरे से चिन्तन करने की जरूरत को व्यक्त करते हुए अनेक ज्वलंत प्रश्न खड़े करता है। निश्चित ही इस क्रूर घटनाक्रम से देश कांप उठा है। देश में धर्म के नाम पर बिखरी विसंगतियों एवं असुविधाजनक स्थितियों पर नियंत्रित करने की जरूरत है। ऐसे अनेक तांत्रिक एवं धर्म के ठेकेदार समृद्धि, सत्ता एवं सुख देने के नाम पर भोले-भाले लोगों को न केवल ठगते हैं, बल्कि उनसे आपराधिक कृत्य भी करवाते हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर अश्लील, कामुक एवं वासना को भड़काते हुए लोगों का फंसाने का षड्यंत्र भी जोर-शोर से चल रहा है। पुरुष महिला के नाम पर फेक आईडी बनाकर लोगों को ठगने, डराने एवं पैसा वसूलने में जुटे हैं। प्रश्न है कि राष्ट्र ऐसी मूल्यहीनता एवं चरित्रहीनता को कब तक जीता रहेगा? केरल की ताजा घटना में यही सब घटनाक्रम क्रूरता की चरम पराकाष्ठा है। तांत्रिकों से जुड़े ऐसे अनेक क्रूर प्रसंग सामने आते रहते हैं। तब लगता है मानो मनुष्य के मन से करुणा, दया, संवेदना सूख गई है। केरल पुलिस के अनुसार, हत्याएं घर की खराब आर्थिक स्थिति को खत्म करने के लिए की गई हैं। लेकिन इसमें यौन विकृति का मामला भी सामने आया है। इस मामले में आरोपियों के नाम भगवल सिंह, उसकी पत्नी लैला और तांत्रिक मोहम्मद शफी हैं। भगवल की पत्नी लैला पेशे से मसाज थेरेपिस्ट है। पुलिस के सूत्रों के अनुसार, भगवल सिंह और उसकी पत्नी लैला ने पूछताछ के दौरान बताया कि उन्होंने मृतकों का मांस खाया था। रोजलिन जून में और पदमा सितंबर में लापता हो गई थी। पुलिस ने यह भी बताया, पदमा की तलाश के दौरान दोनों की हत्या किए जाने के बारे में पता चला। वहीं, महिलाओं के फोन को ट्रेस करते हुए मोहम्मद शफी के बारे में पता चला। आरोपी शफी ने पूछताछ के दौरान अपना गुनाह कबूल करते हुए बताया कि उसने महिलाओं को अगवा किया था। शफी ने दंपति को सोशल मीडिया के माध्यम से ललचाया था। शफी फेसबुक पर श्रीदेवी नाम प्रोफाइल बनाए हुए था। दंपति अपनी समस्याओं को लेकर श्रीदेवी वाली प्रोफाइल के संपर्क में आए। उनसे रशीद नाम के शख्स से मिलने के लिए कहा गया। तांत्रिक शफी ही रशीद था। वहीं उसने दंपति को बताया कि समस्याओं से निजात दिलाने के लिए उन्हें मानव बलि देनी पड़ेगी। इसके बाद नरबलि के लिए महिलाओं को खोजा गया। तांत्रिक शफी यौन विकृत था। नरबलि के तौर पर रोजलिन और पदमा को बांधकर उनकी हत्या की गई और उनके ब्रेस्ट को चाकू से काटा गया। जानकारी के अनुसार, एक महिला के शव को 56 टुकड़ों में काटा गया। आरोपी शफी ने रोजलिन को अश्लील फिल्म में काम करने के लिए 10 लाख रुपये का ऑफर दिया था। साथ ही पदमा को सेक्स वर्कर बनने के लिए 15 हजार रुपये की पेशकश की थी। आरोपी ने रोजलिन को शूटिंग के बहाने बेड पर लिटाकर बांध दिया और उसकी चाकू से हत्या की। आरोपी यही नहीं रुका उसने शव के टुकड़े भी दिए। वहीं, पदमा ने जब पेमेंट मांगा तो आरोपियों ने उसका गला रस्सी से बांध दिया। जिसकी वजह से वह बेहोश हो गई, बाद में आरोपियों ने उसके भी चाकू से टुकड़े कर दिए। कई रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि, आरोपी ने मृतकों के गुप्तांगों में चाकू डाला था।

भड़काऊ बयानबाजी से लोकतंत्र अधीर

हाल के वर्षों में राजनीतिक-धार्मिक मंचों से ऐसी अप्रिय बयानबाजी के मामले प्रकाश में आते रहे हैं, जो भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश की आकांक्षाओं और मिजाज के अनुरूप कतई नहीं थे। अभद्र व अप्रिय बयानबाजी के खिलाफ देश की शीर्ष अदालत भी गाहे-बगाहे सख्त टिप्पणी करती रही है। धार्मिक संगठनों के ठेकेदार तो इस तरह के कृत्यों में शामिल रहे ही, लेकिन जब जनता द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि इस तरह का अनर्गल प्रलाप करें तो स्थिति विकट हो जाती है। कुछ नेताओं को लगता है कि संप्रदाय विशेष के खिलाफ की गई उनकी अतिरंजित टिप्पणियां उनका जनाधार बढ़ाएंगी। लेकिन कहीं न कहीं वे सामाजिक समरसता को पलीता लगा रहे होते हैं। एक वर्ग को आशंकित कर रहे होते हैं। हकीकत में जब कोई व्यक्ति जनप्रतिनिधि चुना जाता है तो वह हर धर्म, संप्रदाय और क्षेत्र का प्रतिनिधि होता है, उसका काम बिना किसी भेदभाव-पक्षपात के सर्वांगीण विकास करना होता है। हाल के दिनों में दिल्ली में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में आक्रामक व आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने वाले दिल्ली के एक सांसद व उत्तर प्रदेश के एक विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उनके भड़काऊ बयानों वाला वीडियो वायरल होने के बाद यह कार्रवाई हुई है। लेकिन विडंबना यह है कि उनके पार्टी नेतृत्व की तरफ से इन जनप्रतिनिधियों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। निस्संदेह, कानून का काम हर उस व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना होता है, जो सामाजिक अशांति का वाहक है। अब चाहे वह सत्तारूढ़ दल का निर्वाचित जनप्रतिनिधि ही क्यों न हो। कार्रवाई करने में किसी तरह का पक्षपात नहीं होना चाहिए। ताकि किसी नेता को यह भ्रम न रहे कि ऐसे भड़कीले बयानों से वह अपना जनाधार बढ़ा सकता है। बहरहाल, दिल्ली में जनप्रतिनिधियों के खिलाफ प्राथमिकी का दर्ज होना यह संदेश दे गया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है।

इस बाबत सुप्रीम कोर्ट ने भी एक याचिका की सुनवाई करते वक्त कहा था कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ अभद्र भाषा के प्रयोग से पूरा माहौल खराब हो रहा है। यही नहीं, कोर्ट ने उत्तराखंड व दिल्ली सरकार द्वारा भड़काऊ बयान देने वाले वक्ताओं के खिलाफ की गई पुलिस कार्रवाई पर जवाब मांगा था। दरअसल, पिछले साल आयोजित धर्म संसद के दौरान ऐसे जहरीले बयान सामने आये थे कि उसकी प्रतिक्रिया देश में ही नहीं, विदेशों से भी आई थी। अदालत का कहना था कि आक्रामक व अभद्र भाषा किसी घातक हथियार की तरह होती है। तब अदालत ने मूकदर्शक बने रहने पर केंद्र सरकार की भी खिंचाई की थी। साथ ही टीवी चैनलों पर होने वाली बहसों पर चिंता जताते हुए कहा था कि ये अब अभद्र भाषा के मंच बन गये हैं। जिनको नियमन के दायरे में लाने की आवश्यकता है। निस्संदेह, इस तरह के भड़कीले बयान जहां एक वर्ग को उत्तेजित करते हैं, वहीं शांति व कानून व्यवस्था के लिये खतरा पैदा करते हैं। जो भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी दाग लगाते हैं। कुछ समय पहले धर्म विशेष के आराध्य को लेकर दिये गये अनर्गल बयान की तीखी प्रतिक्रिया देश के अलावा तमाम इस्लामिक देशों में हुई थी। जिसके चलते केंद्र सरकार खुद असहज स्थिति में फंस गई थी। तब बढ़ते दबाव के बीच बयान देने वाली सत्तारूढ़ दल की नेत्री को पार्टी से निकाल दिया था। निस्संदेह, इस विकट स्थिति में देश के राजनीतिक व धार्मिक नेतृत्व का दायित्व बनता है कि कट्टरपंथियों और अराजक तत्वों को नियंत्रित करे। यदि वे लक्ष्मण रेखा लांघते नजर आते हैं तो उन्हें पार्टी व संगठन से बाहर का रास्ता दिखायें। निस्संदेह, शीर्ष नेतृत्व पर सकारात्मक बयानबाजी और निचले स्तर पर जहरीली बातें साथ-साथ नहीं चल सकती। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि ऐसी बयानबाजी सिर्फ बहुसंख्यक समाज के संगठनों की तरफ से होती है।

बच्चों के साथ बर्बरता के बढ़ते मामले

मनोज कुमार अग्रवाल

अब नोएडा के एक निजी पब्लिक स्कूल में एक बारह साल के छात्र की सिरफिरे टीचर ने इस कदर पिटाई की कि बच्चे की मौत हो गई। बच्चे का कुसूर सिर्फ इतना था कि उसने होमवर्क पूरा नहीं किया था। यह हमारे शिक्षकों को कौन सा भूत चढ़ गया है कि आए दिन इस तरह की वारदातें सामने आ रही है जिनमे शिक्षक बच्चों के खून के प्यासे हो रहे हैं हाल के ही दिनों में इस तरह की दर्जनों वारदातों की झड़ी लगी है हाल ही में एक अध्यापक ने स्कूल की परिक्षा में कम अंक आने पर छात्र की बुरी तरह पिटाई की थी कि उसे अस्पताल भर्ती करना पड़ा जहां उस की मौत हो गई। इसके पहले अभी दो महीने पहले राजस्थान में दलित छात्र के मटकी छूने पर टीचर की पिटाई से मौत का मामला ठंडा भी नहीं हुआ है कि अब उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक छात्र प्रिंस को एक टीचर ने इतना पीटा कि उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

हाल का मामला ग्रेटर नोएडा के बादलपुर का है। मृतक बच्चे प्रिंसमहावरके पिता ने बताया कि उनका बच्चा प्रिंस महावर के कैप्टन सांवरिया पब्लिक स्कूल में कक्षा 6 में पढ़ता था, जब मैंने प्रिंस को शुक्रवार सुबह स्कूल में छोड़ा तो वह बिल्कुल ठीक था, दोपहर करीब 1.15 बजे जब में उसे लेने के लिए स्कूल जा रहा था तभी मुझे स्कूल से फोन आया कि आपका बेटा बेहोश हो गया है, इसके बाद वह अपने बेटे को स्कूल से हॉस्पिटल में ले गया। मृतक के पिता देवदत्त ने कहा कि शुरुआत में ऐसालगा कि प्रिंस को लकवा मार गया है क्योंकि वह उस समय केवल अपनी सीधी तरफ के अंगों को हिला पा रहा था। अस्पताल में सीटी स्कैन से हमें पता चला कि बच्चे के सिर में अंदररूनी चोट लगी है जिससे उसके दिमाग में सूजन आ गयी है। अस्पताल प्रशासन ने बच्चे की उचित देखभाल के लिए उसे दूसरे सेंटर रेफल करने की सलाह दी। इसके बाद परिजनों ने प्रिंस को दिल्ली भर्ती करने का फैसला किया। कई अस्पतालों में ठोकरें खाने के बाद रात करीब 9 बजे एलएनजेपी अस्पताल में बेड मिला. हमारा बच्चा मर रहा था लेकिन बेड खाली न होने का कारण बताते हुए उन्होंने हमारे बच्चे को भर्ती नहीं कियाथा देवदत्त ने कहा कि एलएनजेपी में प्रिंस का ऑपरेशन हुआ, लेकिन शनिवार की शाम को उसने दम तोड़ दिया।

मृतक छात्र प्रिंस की कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने बताया कि सोमवार को टीचर ने उन्हें हिंदी का एक टेस्ट दिया था, जिसमें 7-8 बच्चे फेल हो गए, प्रिंस भी टेस्ट में फेल हो गया था।इसके बाद टीचर ने प्रिंस के हाथों पर तीन डंडी मारीं. फेल हुए अन्य बच्चों को भी पीटा गया।टीचर के पीटे जाने के बाद प्रिंस अपनी सीट पर ही गिर गया और उसके मुंह से थूक निकलने लगा था।

शिक्षक के खिलाफ आईपीसी की धारा 304 गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। टीचर कोजैसेहीबच्चे की मौत के बारे में पता चला वह फरारहोगया।

इसी तरह की एक अन्य वारदात औरैया के एक स्कूल में घटित हुई थी ।स्कूल के आरोपी टीचर ने क्लास में बच्चों का टेस्ट लिया था।

बच्चे निखिलका कुसूर सिर्फ इतना था कि उसने ओएमआर सीट में एक खाने की जगह दो खाने ब्लैक कर दिए थे और सामाजिक विज्ञान में

सामाजिक की जगह समाजक लिख दिया था। इससे नाराज टीचर ने उसे डंडे, लात और घूसों से इतना पीटा कि वह बेहोश हो गया। इलाज के दौरान 18वें दिन उसकी मौत हो गई थी। शिक्षक को जिला विधालय निरीक्षक के आदेश पर कॉलेज प्रबंधन ने निलंबित कर दिया है।

जाहिर है कि इन दिनों लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जिनमें बतौर अध्यापक तैनात व्यक्ति आपा खोकर छोटे-छोटे बच्चों के साथ निर्दयता और नृशंसता से मारपीट कर रहे हैं ज्ञात रहे कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान में छात्र छात्राओं को शारीरिक दंड देना पूरी तरह कानूनन वर्जित है और यह एक दंडनीय अपराध है इसके बावजूद छात्र छात्राओं के साथ निर्दयता पूर्वक मारपीट करना न सिर्फ बाल अधिकारों का हनन है साथ ही साथ बच्चों के कोमल हृदय पर दुर्व्यवहार और कठोरता की कभी न मिटने वाली छाप छोड़ने का अपराध भी है बच्चों के साथ जो व्यवहार बचपन में किया जाता है उनकी परवरिश जिस वातावरण में की जाती है उसका उनके जीवन पर भारी प्रभाव पड़ता है और वह भविष्य में उसी व्यवहार की पुनरावृति कर सकते हैं इस तरह एक पूरी पीढ़ी को गलत संस्कार देने का सामाजिक अपराध भी यह अध्यापक कर रहे हैं।

यह विडंबना ही है किअध्यापकों की नियुक्ति टीजीटी पीजीटी बीएड एमएड आदि शिक्षण संबंधी शिक्षण परीक्षाओं को पास करने के बाद की जाती है इसके बावजूद इस तरह के दुर्व्यवहारी, अकर्मण्य, बच्चों के प्रति कठोर व निर्दयता भरी मानसिकता रखने वाले व्यक्ति किस तरह से अध्यापक नियुक्त हो जाते हैं? इसकी जांच की जानी चाहिए। बच्चे हैं तो गलतियां करेंगे यदि वह इतने सक्षम होते कि उत्तर पुस्तिका में गलतियां नहीं करते तो उन्हें स्कूल भेजने की आवश्यकता ही क्या होती?

मामूली सी गलती पर अध्यापक द्वारा आपा खो देना बेतरतीब ढंग से मारपीट करना संवेदनशील शरीर के अंगों पर वार कर प्रताड़ित करना बताता है कि अध्यापक की केचुली में कोई शैतान छुपा है जो बच्चों के प्रति कतई व्यावहारिक नहीं है जिससे बच्चों की मनो भावनाओं का कोई ज्ञान नहीं है जिसे संस्कार के नाम पर नगण्य है उसके पास सिर्फ नकल से हासिल डिग्रियां है।

इन सारे हालात को बदलना होगा। बच्चों के साथ इस तरह की अपराधिक व्यवहार करने वाले अध्यापकों की मानसिक जांच भी कराई जानी चाहिए बल्कि सभी अध्यापकों को जिनकी नियुक्ति की जाती है नियुक्ति से पूर्व उनके बच्चों के प्रति व्यवहार का एक टेस्ट अनिवार्य कर देना चाहिए ताकि बच्चों के प्रति संवेदनशील व बच्चों की मनोभावों को बेहतर ढंग से समझने वाले अभ्यर्थी ही अध्यापक जैसा जिम्मेदार पद पर नियुक्त हो सके तथा इस तरह की आपराधिक मानसिकता वाले आपा खोने वाले उच्च रक्तचाप वाले गुस्सैल छोटी-छोटी बातों पर स्वयं पर नियंत्रण न रखने वाले अभ्यर्थी अध्यापक के लिए अपात्र किए जाने चाहिए।

चाहे राजस्थान के जालौर की घटना हो जिसमें एक मिट्टी के मटके को छूने मात्र पर अध्यापक ने दलित बालक की पिटाई की थी जिससे उसकी बाद में मृत्यु हो गई अथवा मौजूदा मामला हो जिसमें उत्तर पुस्तिका पर मामूली सी गलती के लिए अध्यापक ने बच्चे को पीटा जिससे उसके दिमाग की नस फट गई और कुछ दिन अस्पताल में उपचार में रहने के बाद उसने दम तोड़ दिया यह घटनाएं बताती हैं किस तरह अध्यापक बच्चों के प्रति कतई संवेदनशील नहीं है अध्यापकों को बच्चों के प्रति जिम्मेदारी को समझना होगा। शारीरिक दंड वर्जित के नियम को लागू कराना जिला विधालय निरीक्षक व बेसिक शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी है ये लोग समय समय पर स्कूलों में जाकर जांच करते तो यह नोबत ही नहीं आती। शिक्षा विभाग भारी भ्रष्टाचार के केंद्र बने हुए हैं अध्यापक से लेकर अधिकारी तक बच्चों के प्रति नकारात्मक रुख अपना कर मनमानी कर रहे हैं। शिक्षक संघ की राजनीति ऐसे गैर जिम्मेदार अध्यापकों का कवच बनी है। यह हालात बदलने की जरूरत है।

हमारा सुझाव है कि देशभर के अध्यापकों की उनके द्वारा पढ़ाए जा रहे बच्चों के माध्यम से रैंकिंग करानी चाहिए तथा सरकारी शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से उनके चरित्र की पुनर्पड़ताल की जानी चाहिए।

क्रोधी स्वभाव के गुस्सैल, गैर संस्कारित, उच्च रक्त रक्तचाप वाले अध्यापकों को शिक्षण कार्य से तुरंत विरत कर देना चाहिए । सरकार को दोषी अध्यापक के खिलाफ से सख्त कार्यवाही कर फास्टट्रैक में मुकदमा चलाना चाहिए और दोषियों को दंडित करना चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो।

दृढ़ निश्चय, श्रम और आत्मविश्वास जीवन के सफलता के सशक्त द्वार

किसी ने एकदम सही कहा है आशा पर आकाश टिका हुआ है । इसलिए मनुष्य को कभी आशा नहीं छोड़नी चाहिएद्य उम्मीद का ही असर है कि हम अपने उद्देश्य को प्राप्त करने की ओर पहला कदम रखते हैं और किसी विद्वान ने कहा है कि अच्छी शुरुआत ही हमारे लक्ष्य की प्राप्ति की राह की आधी सफलता होती है, और इस बात को केंद्रित करते हुए आशा का महत्व बहुत अधिक बढ़ जाता है क्योंकि उम्मीद हमें पहले कदम में संपूर्ण ऊर्जा जीतने के लिए प्रोत्साहित करती है।प्रथम प्रयास ही हमारे लक्ष्य की प्राप्ति तथा उद्देश्य को सुरक्षित करने में अत्यंत ही महती भूमिका निभाता है। दीपा मलिक ने अपने दोनों पैर किसी दुर्घटना में खो दिए थे और उन्होंने खेलों में देश का नाम रोशन कर लाखों युवकों युवतियों को प्रेरणा देने का काम किया है,वो आज लोगों की प्रेरणा स्रोत हैं। उनका आशावादी दृष्टिकोण,मनोबल और अभ्यास उन्हें महानता की श्रेणी में रखता है और यही कारण है कि हर आशावादी इंसान एक न एक दिन सफलता की सीढ़ी चढ़कर देश का नाम रोशन करता है। उम्मीद हमें आशा की किरण तो देती ही है, ऊर्जा शक्ति एवं नई दिशा दिखाती है परंतु उसकी तैयारी तथा अभ्यास एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण पहलू है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें न सिर्फ दृढ़ संकल्प, मनोबल और निरंतर अभ्यास व तैयारी की परम आवश्यकता होती है। मनुष्य के जीवन में विपरीत समय जरूर आता है तब हमें कड़वी सच्चाई यों का सामना भी करना पड़ता है और कड़वी सच्चाई का सामना करने के लिए हमारी उम्मीद,हमारा अभ्यास और कुछ कर पाने के लिए तैयारी ही हमें सच्चाई का सामना करने का साहस प्रदान करती है। अभ्यास से हमारा मतलब किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति की राह में आने वाली समस्याओं को पहले से ही अनुमान लगाकर उससे निपटने के साधनों को दुरुस्त करना चाहिए ताकि कोई भी कठिनाई हमारे लक्ष्य की सफलता में बाधा ना बन पाए।

दुनिया का हर बड़े से बड़ा काम या युद्ध या विकास का मैदान उसे पहले मस्तिष्क से ही जीता जाता है, फिर मैदान में जाकर समस्याओं से दो-चार होकर उससे निपटा जा सकता है। उम्मीद अभ्यास और समय का सदुपयोग किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के सबसे बड़े कारक तत्व होते हैं। जो वक्त हमारे पास आज है या आज का दिन ही आने वाले समय मैं बार-बार पुन: वृत्त होता है। आज के समय का सदुपयोग ही श्रेष्ठ एवं कष्ट साध्य कार्य है क्योंकि मनुष्य के पास सदैव वर्तमान के 24 घंटे ही होते हैं और इन 24 घंटों में ही मनुष्य को अपनी पूरी ऊर्जा शक्ति लगाकर किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनवरत श्रम करना होता है। भले ही इसके पीछे उम्मीद,अभ्यास एवं योजनाएं अवलंबित होती है। स्थिति परिस्थिति कितनी भी अनजान अथवा कष्ट दाई हो मनुष्य के पास हर स्थिति में अच्छा समय अच्छा अवसर अंतर्निहित होता है जो मनुष्य को सदुपयोग करने के लिए प्रेरित करता है और सफलता के लिए मार्गदर्शी भी होता है। ऐसा व्यक्ति जो अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी जिजीविषा, जुजुत्सा और मेहनत से प्रतिदिन का सही उपयोग कर लेता है सफलता को निश्चित तौर पर प्राप्त करता है और जनमानस के लिए एक प्रतिमान स्थापित कर प्रेरणा की तरह काम करता है। आपदा को अवसर में बदलने की प्रवृत्ति ही व्यक्ति को समाज को तथा देश को सफल बनाती है। कोविड-19 के संक्रमण के दौरान भारत के अनेक बड़े-बड़े नेताओं ने जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं ने करोना की भयानक त्रासदी के विरुद्ध समय का सही सदुपयोग कर उसे मात देने की कोशिश में आपदा को अवसर में बदल दिया था। यह निश्चित तौर पर विश्व में एक उदाहरण की तरह सामने आया है।

कोरोना महामारी के बाद तेजी से बढ़ रहे हैं आर्थराइटिस के मामले, इन लक्षणों से करें पहचान

कोरोना वायरस को मात देने के बाद भी उन्हें कई मानसिक और शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं समस्याओं में आर्थराइटिस यानी गठियो की समस्या भी शामिल है। आर्थराइटिस को जोड़ों की बीमारी भी कहा जाता है। इससे पीड़ित व्यक्ति को जोड़ों में दर्द, सूजन और कठोरपन की शिकायत रहती है। पिछले दो सालों के दौरान कोरोना महामारी की वजह से लोगों की जिंदगी काफी बुरी तरह प्रभावित हुई है। कोरोना से संक्रमित होने वाले लोगों का तो और बुरा हाल हुआ है। इस वायरस को मात देने के बाद भी उन्हें कई मानसिक और शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं समस्याओं में आर्थराइटिस यानी गठियो की समस्या भी शामिल है। आर्थराइटिस को जोड़ों की बीमारी भी कहा जाता है। इससे पीड़ित व्यक्ति को जोड़ों में दर्द, सूजन और कठोरपन की शिकायत रहती है और उन्हें चलने-फिरने में दिक्कतें होती हैं। पहले के समय में बुजुर्ग इस समस्या से परेशान रहते थे लेकिन अब युवा भी इसकी चपेट में आते जा रहे हैं। आर्थराइटिस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर लोगों को इस समस्या के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 12 अक्टूबर को विश्व आर्थराइटिस दिवस मनाया जाता है। ऐसे में आज हम आपको आर्थराइटिस के लक्षणों के बारे में बताएँगे, इसके साथ ही इससे बचने के लिए डाइट में क्या चीज शामिल करनी चाहिए उसकी जानकारी भी देंगे।

आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण

- जोड़ों में जकड़न होना
- उठते-बैठते या चलते समय घुटनों में दर्द होना
- उठने-बैठने के दौरान घुटनों में आवाज आना
- बहुत जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना
- जोड़ों और पैरों में सूजन होना

आओ सोच समझकर अपनी राय बनाएं, वाणी बोले

किसी भी विषय वस्तु पर अपनी राय बनाते, शब्दों का चयन करते समय विवेकपूर्ण हाजिर मंथन ज़रूरी

जीवन में छोटी-छोटी बातें विभित्सक रूप धारण कर सकती है, इसलिए निर्णय से पहले सटीकता परखना जरूरी - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूरी दुनिया में बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जाना जाता है, क्योंकि यह आवाज 135 करोड़ जनसांख्यिकीयतंत्र की आवाज होती है इसलिए पूरी दुनिया के प्रमुख व्यक्तित्व गंभीरता से भारत के बयानों पर ध्यान देकर उसका उचित विवेकपूर्ण मंथन कर सकारात्मक समझ निकालते हैं।हालांकि अपवाद स्वरूप कुछ देश ऐसे भी हैं जो भारत की बातों को विवादों में भी ले जाने की कोशिश करते हैं। हम भारत माता के वंशज हैं। संस्कृति, सभ्यता हमारे लहू में समाई हुई है। हम दैनिक जीवन में भी अपनी राय बेबाकी से रखने में विश्वास रखते हैं क्योंकि हम लोकतंत्र की छत्रछाया में रहने के आदी हैं, परंतु हम में से कई लोग ऐसे भी हैं जो अपनी राय बनाने में गंभीर नहीं हैं बिना सोचे समझे बयान बाजी, राय देना सलाह देना, किसी भी बात का नकारात्मक मतलबनिकालना बिना बात के झगड़ा बढ़ाना, सहनशीलता संवेदनशीलता और सहिष्णुता की कमी के कारण जीवन में छोटी-छोटी बातों का परिणाम विभित्सक रूप धारण कर लेता है जिससे हमारी जान के लाले भी पड़ जाते हैं इसलिए हमें चाहिए कि किसी भी विषय वस्तु, बात,स्थिति पर अपनी राय बनाते,शब्दों का चयन करते द्य समय विवेकपूर्ण हाजर मंथन कर उस बात को रखना अपेक्षाकृत सटीक होगा, उस राय की सटीकता का विचार भी कुछ पलों में कर नपी तुली समझ का परिचय देना जरूरी है।

चूंकि हम वैश्विक स्तरपर भारत की राय और भारत माता के सपूतों की राय प्रकट करने की बात कर रहे हैं, इसीलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ सोच समझकर अपनी राय बनाए, वाणी बोले।

साथियों बात अगर हम अनेक मुद्दों पर मनीषियों की राय की करें तो दरअसल, हर मुद्दे को लेकर सबकी राय अलग अलग होती है, ऐसे में कई लोग सही तरह से राय व्यक्त न कर पाने के कारण भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं, तो कुछ लोग दिलचस्प तरीके से अपनी बात रखकर भीड़ से अलग पहचान बनाने में कामयाब हो जाते हैं,आमतौर पर हर चीज को लेकर सभी लोगों कि अपनी अपनी राय होती हैं, ऐसे में ज्यादातर लोग नुक्कड़ पर राजनीतिक चर्चा से लेकर सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और घरेलू मामलों में अपनी राय देने से पीछे नहीं हटते हैं। हालांकि, इस दौरान कुछ लोगों की राय भीड़ से बिल्कुल अलग होती है. वहीं अगर हम चाहें तो कुछ इंप्रेसिव तरीकों से अपनी राय को सबसे अलग बना सकते हैं।

साथियों कई बार जल्दी जल्दी में राय देने के चक्कर में हम अपनी बात को सही तरीके से पेश नहीं कर पाते हैं, ऐसे में न सिर्फ हम सामने वाले को अपनी बात समझाने में असफल हो जाते हैं बल्कि सामने बैठे लोग हमारी बात का गलत मतलब भी निकाल सकते हैं, इसलिए हमें अपनी राय रखने से पहले शब्दों का चुनाव काफी सोच-समझ कर ही करना है। वैसे तो हर मुद्दे पर सभी का अलग राय होती है, वहीं राय सही या गलत भी हो सकती है, मगर राय रखते समय कई लोग अपनी बात को इतने खास अंदाज में बयां करते हैं कि हम चाहकर भी उनकी बात का विरोध नहीं कर पाते हैं। हालांकि, अगर हम चाहें तो राय देने के इस दिलचस्प तरीके को अपनी व्यक्तित्व में भी शामिल कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राय देने में शब्दों के चयन की करें तो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी हमें शब्दों का चयन सोच समझ कर करना चाहिए, चाहे किसी से बात करने के क्रम में हो या किसी समारोह में या किसी वाद विवाद में। ऐसा माना जाता है कि हथियार या चोट के घाव तो भर जाते हैं पर शब्दों के घाव हमेशा ताजा रहते हैं।

किसी मित्र की टांग खिंचाई में बड़ा मजा आता है पर ऐसा करने में हम इतने मशगूल हो जाते हैं कि कुछ अनचाहा कह जाते हैं। कुछ ऐसा ही क्रोध के समय भी होता है। इसीलिए क्रोध के समय अप्रिय बातें करने से बचना चाहिए। इसके अलावा यदि किसी को सलाह दी जाए तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि हमारे शब्दों से उसके आत्मसम्मान को ठेस ना पहुंचे। यदि सही शब्दों का चयन किया जाए तो आदेश भी निवेदन लगेगा और बिना किसी के अहम को ठेस पहुंचे सब का काम हो जाएगा।

साथियों इसके साथ ही हमें अपने कहे गए शब्दों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। चाहे अनचाहे यदि आपकी बातों से किसी की भावनाएं आहत हो तो हमें उन बातों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, ना कि तरह-तरह के बहाने बनाकर अपनी बातों को सिद्ध करना चाहिए। ऐसा करके हम अनावश्यक बहस से निजात पा सकेंगे और सामने वाले के मन में भी सम्मान के पात्र बनेंगे। वास्तव में हमारे शब्द हमारे हृदय की प्रेम की अभिव्यक्ति हैं। अब यह हमारे ऊपर है कि हम इस प्रेम को संसार में लुटाएं या प्रेम की जगह घृणा फैलाएं।

प्रेम पूर्वक की गई आलोचना किसी को सही मार्ग पर ला सकती है या अप्रिय शब्दों से युक्त अच्छी सलाह उसे गलत रास्ते को चुनने की ओर प्रेरित कर सकती है। इसलिए हमें शब्दों के खजाने को निरंतर बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि इनका प्रयोग संसार में खुशियां बांटने में किया जा सके। अतएव सोच समझकर शब्दों का चयन करें।

जीना है तो ऐसे जियो....

बनना है तो किसी की ताकत बनो
किसी की कमज़ोरी कभी नहीं
बनना है तो हर किसी की प्रेरणा बनो
कभी किसी की मजबूरी नहीं

हर किसी की दु:ख की दवा बनो
किसी की दर्द का कारण नहीं
देना है तो औरों के चेहरे पे मुस्कान दो
किसी के आखों में गम के आसूं नही

त्याग करना है तो अपने क्रोध को करो
कभी अपने रिश्ते की नहीं
पाना है तो उसे पाओ जो आपका लक्ष्य हैं
उसे नही जिससे आपकी जिंदगी खराब हो,

बनना है तो हर किसी की दोस्त बनो
किसी का दुश्मन नहीं
देना है तो सभी को शुभ आशीष दो
किसी को कभी बददुआ नहीं

जलाना है तो अपने अंदर की बुरी आदतें को
अपनी अच्छाई को नही
करना है तो जिंदगी में संघर्ष करो
किसी से छल कपट नही

पाना है तो अपने मंजिल को पा लो
आलस को त्याग कर आगे बढ़ो
जीना है तो ऐसे जियो
हर किसी को नाज हो तुझ पर

शार्ट न्यूज

कानपुर : पनकी इंडस्ट्रियल एरिया की दाल मिल का बॉयलर फटा, मजदूर की मौत

कानपुर। कानपुर के पनकी इंडस्ट्रियल एरिया की एक दाल मिल का स्टार टैंक फट जाने के चलते एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल दूसरे मजदूर को इलाज के लिए हैलट में भर्ती कराया गया। मिल कर्मचारियों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है। पनकी इंडस्ट्रियल एरिया साइट नंबर 3 में बुंदेलखंड एग्रो नाम की दाल मिल चलती है। इस मिल में ठेकेदार बुधवार को हमीरपुर के कांधा गांव थाना लालपुर निवासी रिंकू यादव और बलवीर को मजदूरी के लिए लाया था। गुरुवार को दाल मील का स्टार टैंक तेज धमाके के साथ फट गया। जिसके चलते टैंक के मलबे में दबकर रिंकू यादव ने मौके पर दम तोड़ दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल बलवीर को इलाज के लिए हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया। पनकी इंस्पेक्टर ने बताया कि हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई है। जांच पड़ताल कर घटना की जानकारी जुटाई जा रही है।

सीतापुर में बारिश से गिर गई दीवार, दो मासूम बच्चियों ने तोड़ा दम

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में बारिश से थानगांव थाना क्षेत्र में कच्ची दीवार गिरने से दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई। थानगांव क्षेत्र के चौकी पुरवा मजरा भदेवां गांव के निवासी फारुख की दो बेटियों सोफिया (5) महक(3) गुरुवार की सुबह लगभग 10 बजे अपने घर से गांव में दुकान पर कुछ सामान लेने जा रही थी तभी रास्ते में रमजान की कच्ची दीवाल पर रखा छप्पर अचानक भरभराकर ढह गया। दोनों बेटियां दीवाल के मलबे में दब गई। ग्रामीणों ने आनन फानन मलबे से बाहर निकाला जब तक दोनों को बाहर निकाला गया तब तक दोनों बच्चियों की मलबे में दबकर मौत हो चुकी थी। सूचना पाकर थाना अध्यक्ष थानगांव फूलचंद सरोज मौके पहुंचे व क्षेत्रीय लेखपाल भी मौके पर पहुंच गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों बच्चियों के शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है।

रायबरेली जिला जेल में बंदी ने गमछे के सहारे फांसी लगाकर की खुदकुशी, मचा हड़कंप

रायबरेली। रायबरेली में करीब डेढ़ माह पूर्व छेड़छाड़ के आरोप में जेल भेजे गए एक विचाराधीन बंदी ने बीती देर रात बंद पड़ी बैरक में गमछे के सहारे फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामले की जानकारी होने पर जिला प्रशासन और परिजनों को सूचना दी गई। सदर कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया। वहीं मौके पर रोते बिलखते परिजन भी पहुंच गए। बछरावां थाना क्षेत्र के खैराहनी गांव के रहने वाले राघवेंद्र सिंह पुत्र गुलाब सिंह को करीब डेढ़ माह पहले छेड़छाड़ के मामले में गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था। बीती रात जिला कारागार में विचाराधीन बंदी राघवेंद्र सिंह बंद पड़ी बैरक नंबर 3 में लोहे की रॉड में गमछे के सहारे फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली रात में ही जेल प्रशासन को जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया और सूचना जिला प्रशासन को दी शहर कोतवाली पुलिस ने 100 का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया। कोतवाल राघवन कुमार सिंह ने बताया कि बंदी के शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है शव का पोस्टमार्टम होने के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा वही मामले की जांच भी की जा रही है कि आखिर बंदी के खुदकुशी करने का कारण क्या था।

भदोही : इलाज के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत, अस्पताल में हंगामा

भदोही। उत्तर प्रदेश में भदोही जिले के सुरियावां थाना इलाके केबाई पास मार्ग पर एक निजी अस्पताल में गुरुवार को सुबह जच्चा-बच्चा की मौत होने के बाद पीड़ित के परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। पुलिस के अनुसार तुलसीपट्टी निवासी प्रमोद शर्मा ने प्रसव पीड़ा होने पर अपनी पुत्री दीपा शर्मा को सुरियावां बाईपास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां प्रसूता का अस्पताल में ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद एक-एक करके जच्चा-बच्चा की मौत हो गई। प्रसूता के परिजनों ने इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस को प्रसूता के परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टर के खिलाफ तहरीर दी है। प्रसूता के परिजनों का कहना है कि गांव की आशा ने उनकी पुत्री दीपा शर्मा को भर्ती करवाया था। इलाज के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। भारी तादाद में अस्पताल पहुंचे लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया।

लखनऊ में वकील ने नदी में लगाई छलांग : दो थाने की फोर्स समेत एसडीआरएफ तलाश में जुटी

लखनऊ। लखनऊ में गोमती रिवर फ्रंट के पास पुल पर एक वकील ने अपनी बाइक खड़ी की और फिर गोमती नदी में कूद गया। घटना गुरुवार दोपहर करीब 12:30 बजे की है। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। वकील को तलाशने के लिए गोताखोर की मदद ली गई। करीब 2 घंटे की पड़ताल के बाद भी अभी तक वकील का कुछ भी पता नहीं चल पाया है। स्थानीय पुलिस गोमतीनगर और गौतम पल्ली पुलिस की टीम ने गोताखोर के अलावा एसडीआरएफ की एक टीम को वकील की तलाश के लिए बुलाया है। एसीपी गोमती नगर वीरेंद्र विक्रम ने बताया पुलिस की टीम और एसडीआरएफ की टीम की मदद से वकील की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे खोज लिया जाएगा। घटना स्थल पर मिली बाइक से मालिक की पहचान हो पाई है। ये गाड़ी नसीम मंसूर (30) के नाम पर है। पुलिस अब वकील के परिवार के लोगों से संपर्क करने में जुटी है।

भरतमंदिर महंत के पत्नी की लोहे राड से पीटकर हत्या

अयोध्या। अयोध्या जिले के पूराकलंदर स्थित प्राचीन भरत मंदिर के महंत की पत्नी यशोदा 63 की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गईद्य यह घटना एलआईसी एजेंट की। महंत की पत्नी एलआईसी एजेंट के घर करवा चौथ के पूजा का सामान उसके मांगने के बाद उसे देने गई थी। बीती रात हुई इस घटना के बाद पुलिस ने एलआईसी एजेंट को लिया कस्टडी में ले लिया है। एसएसपी प्रशांत वर्मा घटना स्थल के लिए रवाना हो चुके हैंद्य सीओ अयोध्या डाक्टर राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि आरोपी के कड़ी पूछताछ की जा रही है। पूरा कलंदर थानाध्यक्ष के अनुसार यह घटना 12 अक्टूबर की रात हुई जिसमें यशोदा देवी पत्नी हनुमान दास निवासी प्राचीन भरत जी का मंदिर भरतकुंड थाना पुरा कलंदर की मौत हो गई हैद्य यशोदा अपने पड़ोस में रह रहे पवन पांडे पुत्र स्वर्गीय राम करण निवासी कल्याण भदरसा थाना पूरा कलंदर के घर गई थीं। उसकी पत्नी द्वारा करवा चौथ होने के कारण सीधा मांगने मंदिर पर गई थी। इसके बाद यशोदा सीधा का राशन देने के लिए ऐजेंट के घर पर गई थी। पुलिस के अनुसार आरोपी पवन पांडेय ने डंडा और लोहे के संबल से याशोदा देवी के सिर को कूचकर हत्या कर दियाद्य मौके से अभियुक्त पवन पांडे को हिरासत में लिया गया है। आला कत्ल बरामद कर लिया गया हैद्य शव को पीएम के लिए भेजा गया है।

गृह क्लेश में युवक ने की आत्महत्या

सहारनपुर। सहारनपुर के थाना बड़गांव में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। युवक ने जहरीला पदार्थ खाया है। करवा चौथ वाले दिन युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामला आत्महत्या से जुड़ा बताया जा रहा है। गांव शिमलाना के रमेश (40) ने गृह क्लेश के चलते जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। रमेश मजदूरी करता था। करवा चौथ को लेकर पत्नी सामान मांग रही थी। पत्नी कई दिनों से जिद कर रही थी। पैसा न होने के कारण रमेश टेंशन में था। करवा चौथ के दिन रमेश ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। रमेश की मौत पर परिजनों में कोहराम मच गया है। मृतक अपने पीछे सात और पांच साल के दो बेटे छोड़ गया है।युवक की मौत पर पत्नी और परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी रोते-रोते बोल रही थी। करवा चौथ के दिन तुम मुझे छोड़कर कहां चले गए।

योगी कैबिनेट में डेढ़ दर्जन प्रस्तावों पर मुहर

सवा लाख को रोजगार, 5000 करोड़ का निवेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में डेढ़ दर्जन प्रस्तावों पर मुहर लगी। योगी कैबिनेट ने इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दी है। इसके साथ ही परिवहन के कई प्रस्ताव पर पास हुआ। कैबिनेट प्रस्ताव में अमेठी जेल को मंजूरी मिली। अमेठी में 990 लोगों की क्षमता की जेल बनाई जाएगी।

कैबिनेट में डेढ़ दर्जन प्रस्तावों को मंजूरी, इलेक्ट्रिक वाहन नीति को कैबिनेट से मंजूरी मिली,अमेठी में 990 लोगों की क्षमता की जेल बनाई जाएगी, अमेठी में जेल बनाने के लिए मंजूरी दी गई, करवा चौथ के दिन महिलाओं को अपने पतियों से मिलने की विशेष छूट, सभी जेलों में निर्देश दिए गए हैं कि महिलाओं को अपने पतियों से मिलने दिया जाए। पूजा अर्चना करने के लिए आज विशेष छूट दी गई है, नई दुग्ध नीति के तहत सवा लाख को रोजगार मिलेगा। 5000 करोड़ का निवेश होगी। डेयरी उद्योग में 5 करोड़ तक अनुदान देंगे नई वस्त्र नीति को योगी कैबिनेट को मंजूरी दी है। लघु सिचाई योजना में 2 लाख किसानों को हर साल आत्म निर्भर बनाया जाएगा।

किसानों को एक लाख चने के बीज व ढाई लाख मसूर बीज किट वितरित होंगे

प्राकृतिक खेती बोर्ड बनेगा। मुख्यमंत्री अध्यक्ष होंगे। कृषि मंत्री उपाध्यक्ष होंगे। साल में दो बार मीटिंग होगी। मुख्यसचिव की अध्यक्षता में एक अलग कमेटी बनेगी। बोर्ड में दो किसान व कृषि विशेषज्ञों को नियुक्ति होंगे। नामामि गंगे योजना का काम इस बोर्ड के जरिए होगा।

धान क्रय नीति मंजूर। क्रय मूल्य 2040 रुपये व 2060 रुपये प्रति कुंतल तय किया जाएगा। 4000 क्रय केन्द्र बनाए जाएंगे।

73 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद का टारगेट रखा है। मक्के व बाजरे की भी खरीद होगी।

यूपी इनोवेशन फण्ड 400 करोड़ से बनेगा। 3600 करोड़ बाजार से लिए जाएंगे। अभी राज्य में 6654 स्टार्टअप है।

बहराइच में नई नगर पंचायत गठन का प्रस्ताव पास- मीहीपुरवा नई नगर पंचायत का होगा गठन,कई ज़िलों की नगर पंचायतों का हुआ विस्तार,बरेली के नवाबगंज नगर पंचायत का विस्तार होगा,बाराबंकी के सुबेहा नगर पंचायत,मथुरा के बरसाना नगर पंचायत का विस्तार होगा।

उत्तर प्रदेश में इलैक्ट्रिक वाहन खरीदने पर मिलेगी भारी सब्सिडी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इलैक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिये सरकार की नयी ईवी नीति 2022 के तहत इलैक्ट्रिक वाहन खरीदने पर राज्य सरकार भारी सब्सिडी देगी। राज्य सरकार का दावा है कि इस नीति के लागू होने पर ईवी उद्योग से प्रदेश में रोजगार के लगभग 10 लाख अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नई 'इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और गतिशीलता नीति- 2022' को मंजूरी दी गई है।

इसके तहत इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर प्रदेश सरकार की ओर से भारी सब्सिडी दी जाएगी। सरकार ने इसके लिए प्रदेश में 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में तकरीबन 10 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति का उद्देश्य न केवल राज्य में पर्यावरण अनुकूल परिवहन प्रणाली को विकसित करना है, बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरी एवं संबंधित उपकरणों के विनिर्माण के लिए उत्तर प्रदेश को वैश्विक केंद्र बनाना भी है।

इस नीति के तहत त्रिआयामी प्रोत्साहन व्यवस्था बनायी गयी है। इसके तहत उपभोक्ताओं द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद, इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण, चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग सेवाओं के लिए खास प्रावधान किये गए हैं।

बरेली : वायु सेना के एयर शो में सूर्य किरण, आकाश गंगा और सुखोई ने दिखाए करतब

बरेली। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की 90वीं वर्षगांठ पर 'अपने बलों को जानें' अभियान के तहत नागरिक एवं सैन्य संबंधों को मजबूत करने तथा जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बरेली स्थित वायु सेना स्टेशन में गुरुवार को एयर शो का आयोजन किया। यह जागरुकता अभियान आगामी 15 अक्टूबर तक चलेगा। इस अवसर पर वायु सेना के लड़ाकू विमान सूर्य किरण, आकाश गंगा और सुखोई द्वारा कम ऊंचाई पर एरोबेटिक्स का शानदार प्रदर्शन किया गया। इस रोमांचक व साहसिक कार्यक्रम में बरेली शहर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों ने बढ़ चढ़कर कर उपस्थिति दिखाई। इसके अलावा नागरिक, गणमान्य व्यक्तियों और भारतीय वायुसेना और सेना के जवानों के साथ-साथ उनके परिवारों ने भी बड़े उत्साह के साथ देखा। वायुयानों के रोमांचकारी करतब देख दर्शकों मंत्रमुग्ध हो गये। भारतीय वायुसेना की बहादुरी के अद्भुत कारनामों से दर्शक रोमांचित हो उठे। मात्र 10 मीटर की दूरी पर फॉर्मेशन में उड़ते हुए, भारतीय वायु सेना की फ्लाइंग मशीनों ने एयरो डायनेमिक्स नियमों को नजरअंदाज कर साहसिक करतब दिखाये। इस दौरान स्टेटिक डिस्प्ले का भी आयोजन किया गया। जो विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों के लिए एक अलग तरह का ही अनुभव रहा।

रायबरेली : कैदी ने जेल में फांसी लगाकर खुदकुशी की

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के जिला कारागार में पास्को अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में बंद कैदी ने बीती देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जिला कारागार अधीक्षक ने गुरुवार को बताया कि कैदी राघवेंद्र सिंह (24 साल) का फांसी पर झूलता हुआ शव बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि मृतक बछरांवा का रहने वाला था और अपहरण एवं यौन शोषण के मामले में निरुद्ध था। उन्होंने कहा कि मृतक ने अंतरजातीय विवाह किया था लेकिन वह अपने परिवार से भी बेदखल एवं बहिष्कृत था।

बीएचयू के बिड़ला हॉस्टल में गेस्ट ने पी शराब, यूनिवर्सिटी ने स्टूडेंट को निकाला

एजेंसी

वाराणसी। बीएचयू के बिड़ला सी छात्रावास से निकाले जाने पर छात्र बुधवार की देर रात से धरने पर बैठे हैं। छात्र सामंत कुमार को बिना सूचना हॉस्टल में गेस्ट रखने पर यह कार्रवाई की गई है। छात्रों ने कार्रवाई को अवैधानिक बताते हुए धरना शुरू किया है। फिलॉसफी विभाग के छात्र सामंत कुमार को दो दिन पहले हॉस्टल के अपने रूम में अनधिकृत तरीके से गेस्ट रखने पर नोटिस दी गई थी। बुधवार

को उससे कमरा खाली करा लिया गया। आरोप है कि छात्र ने गेस्ट के बारे में वार्डेन को सूचना नहीं दी और इस अतिथि ने हॉस्टल में शराब पी थी। बुधवार को हॉस्टल खाली करने के आदेश पर छात्रों में हड़कंप मचा रहा। अधिकारियों के यहां दौड़भाग का कोई परिणाम न निकला तो देररात से छात्र धरने पर बैठ गए। कुछ छात्रों ने पेड़ की डालियां तोड़कर सड़क पर फैला दी। छात्रों का कहना था कि हॉस्टल में गेस्ट रजिस्टर तक नहीं है जिसपर वह गेस्ट की सूचना अंकित कर सकें और बाहर से आने वाले गेस्ट को ठहराने के लिए उनके पास कोई और जगह नहीं। छात्रों ने कहा कि हॉस्टल से निकाले जाने के बाद उनके पास सड़क पर सोने के अलावा कोई रास्ता नहीं। छात्रों ने कहा कि न्याय मिलने तक वह सड़क पर ही रहेंगे।

भाजपा नेता की हत्या में नगर निगम चौकी प्रभारी समेत 9 पुलिस कर्मचारी निलंबित, 17 के खिलाफ केस

वाराणसी। वाराणसी में सिगरा के जयप्रकाश नगर कॉलोनी में मंगलवार की रात हुई भाजपा नेता की हत्या को शासन और डीजीपी ने गंभीरता से लिया है।इस मामले में पुलिस कमिश्नर ए सतीश गणेश ने बड़ी कार्रवाई की है। समय रहते असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई नहीं करने के आरोप में पुलिस कमिश्नर ने नगर निगम के चौकी प्रभारी समेत नौ पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। सस्पेंड नगर निगम चौकी प्रभारी नीरज ओझा, दरोगा ललित पांडे, हेड कांस्टेबल देवी यादव, अनूप राय, मोहन कुमार कांस्टेबल रामअवतार, नितिन, सुधांशु और दिनेश को पुलिस लाइन से संबद्ध कर दिया गया है।

वहीं, दूसरी ओर भाजपा नेता के छोटे बेटे राजन की ओर से 17 लोगों के खिलाफ सिगरा थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। इसमें से 5 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस कमिश्नर ने बताया कि इस मामले में नामजद अन्य बदमाशों की भी शीघ्र गिरफ्तारी कर ली जाएगी।इसके लिए पांच टीमें लगातार उनके घरों और अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि प्राथमिकता के आधार पर रात में है पशुपति सिंह का पोस्टमार्टम करा डेड बॉडी परिजनों को सौंप दी गई है। बता दें कि बुधवार की रात पशुपति सिंह की कुछ मनबढ़ों ने लाठी-डंडे और रॉड से हमला कर हत्या कर दी थी। उनके छोटे बेटे राजन को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया था। बेटे का इलाज ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है।

पुलिस की मदद से बाप-बेटे को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने पशुपति सिंह को मृत घोषित कर दिया। राजन के सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उसका इलाज चल रहा है। वारदात की जानकारी मिलते हुए पुलिस आयुक्त ए. सतीश गणेश, अपर पुलिस आयुक्त संतोष सिंह सहित पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस आयुक्त ने सिगरा थाना को टीम गठित कर जल्द से जल्द गिरफ्तारी का निर्देश दिया है।

दारूल उलूम देवबंद ने मुलायम सिंह के निधन पर शोक जताया

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जिले के देवबंद स्थित इस्लाममिक शिक्षा के केन्द्र दारूल उलूम देवबंद ने समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर गहरा शोक जताया है। संस्था के मोहत्मिम मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजे संवेदना संदेश में कहा है कि दिवंगत मुलायम सिंह यादव देश की साझा संस्कृति, धर्म निरपेक्षता और लोकतंत्र के सच्चे प्रतिनिधि थे। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में दबे कुचले समाज और गरीब लोगों की सेवा की और उनकी मदद की। श्री यादव दो बार दारूल उलूम भी आये थे। उन्होंने कहा कि श्री यादव इस्लामिक विद्वानों का दिल से सम्मान करते थे।

कुशीनगर : लापरवाही के आरोप में थानेदार समेत चार पुलिसकर्मी निलंबित

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में महिला संबंधी अपराधों पर नियंत्रण करने में लापरवाही बरतने के आरोप में थाना खड्डा के प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह व विवेचक समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल द्वारा कल देर रात जारी किये गये निलंबन आदेश में यह कार्रवाई की गयी। निलंबित होने वालों में दो महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। प्रभारी निरीक्षक और उनके मातहतों पर कार्रवाई के बाद लापरवाह विवेचकों में सख्त संदेश गया है। जायसवाल ने बताया कि खड्डा थाने में बीते दो माह में दर्ज महिला संबंधी अपराधों से जुड़े मुकदमों की समीक्षा की गई। इसमें समय पर विवेचना न होने और कई महत्वपूर्ण मामलों में प्रभारी निरीक्षक तथा विवेचक मनोज द्विवेदी की लापरवाही सामने आई है। पाया गया कि इन्होंने पीड़िता का तत्काल चिकित्सकीय परीक्षण कराने में रुचि नहीं ली। साथ ही न्यायालय में बयान दर्ज कराने में भी लापरवाही बरती गई। उन्होंने बताया कि नाबालिग के अपहरण के मामलों में बरामदगी के तत्काल बाद पीड़िता का मेडिकल परीक्षण व विवेचक द्वारा उसका न्यायालय में बयान दर्ज कराना पुलिस का कर्तव्य है। यह देखते हुए प्रभारी निरीक्षक के अलावा विवेचक दरोगा मनोज द्विवेदी तथा महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त दो महिला पुलिसकर्मियों उमा सिंह व मानसी सिंह को निलंबित कर दिया गया।

सहारनपुर : 8100 समूहों की हजारों महिलाएं संवार रहीं अपना और अपनों का भविष्य

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद में महिलाओं के 8100 स्वयं सहायता समूहों की हजारों महिलाएं स्वरोजगार के जरिए अपना भविष्य संवार रही हैं। स्वरोजगार उपायुक्त बलराम कुमार ने गुरुवार को बताया कि जिले की महिलाएं इन समूहों से प्रेरित होकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। कुछ समूहों की महिलाएं 80 हजार से एक लाख रुपये प्रतिवर्ष तक की आय अर्जित कर रही हैं। महिला समूहों के द्वारा मसाले, अचार, होजरी, वूडकार्विंग, मिट्टी के बर्तन बनाना, ज्योत बत्ती बनाना, मोमबत्ती बनाना, शहद उत्पादन, मछली पालन, बेग बनाना और मनरेगा आदि कार्यो में लगी हैं। इन महिलाओं को स्थानीय स्तर पर भी रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं और वे अपने द्वारा तैयार समान को स्थानीय स्तर पर ही बेचकर अच्छीखासी आय अर्जित कर रही हैं। गांव तोता टांडा की महिला समूह अध्यक्ष रूबी ने बताया कि उनके समूह में 45 महिलाएं शामिल हैं। जो सेनेटरी पेड बनाती हैं और इन्हें बाजार में बेचती हैं। इससे एक महिला को 06 से 07 हजार रुपये हर महीने की आय हो रही है।

उप्र रेरा ने 3600 करोड़ रुपये से ज्यादा की भवन निर्माण योजनायें पंजीकृत की

लखनऊ। रियल एस्टेट क्षेत्र में त्योहारों की हलचल को देखते हुए उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (उप्र रेरा) ने एक माह में अब तक की सर्वाधिक 3600 करोड़ से ज्यादा की नई परियोजनाएं पंजीकृत की हैं।

उप्र रेरा की ओर से गुरुवार को यह जानकारी देते हुए बताया गया कि सितंबर 2022 में सर्वाधिक 36 नई परियोजनायें पंजीकृत हुईं। इनमें आवासीय तथा व्यवसायिक परियोजनायें शामिल हैं। इनकी कुल लागत 3648.35 करोड़ रुपये है।

इन परियोजनाओं की कुल 8116 यूनिट में से 6931 आवासीय और 1185 व्यवसायिक हैं। इनमें से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एनसीआर) के लिये 12 परियोजनायें और गैर एनसीआर क्षेत्र के लिये 24 परियोजनायें पंजीकृत हुयी हैं। ये परियोजनायें प्रदेश के 14 जिलों में पंजीकृत हुई हैं।

जिनमें से एनसीआर के 03 तथा गैर एनसीआर के 11 जिले शामिल है। गैर एनसीआर जनपदों में 24 परियोजनायें पंजीकृत होना नए उभरते ट्रेंड को दर्शाता है।

एनसीआर क्षेत्र के जिलों में सबसे ज्यादा 7 परियोजनायें गाजियाबाद जिले में पंजीकृत की गई है। इसके अलावा गौतमबुद्ध नगर और मेरठ में 2-2 परियोजनायें पंजीकृत की गई है। वहीं, गैर एनसीआर में सबसे ज्यादा 4-4 परियोजनायें आगरा व लखनऊ में पंजीकृत की गई है। इसके अलावा कानपुर, वृंदावन और मुरादाबाद में 3-3, और गोरखपुर में 2 परियोजनाएं पंजीकृत की गई है। झांसी, वाराणसी और गोरखपुर जिलों में एकल परियोजनाएं पंजीकृत हुई हैं।

यह पहला मौका है जब प्रमोटरों ने गोण्डा और बदायूं जैसे नए जिलों में भी रियल एस्टेट परियोजनाओं का पंजीकरण कराया है। इन जिलों में अभी तक ग्रुप हाउज़िंग या रियल एस्टेट का प्रचलन नहीं था। गैर एनसीआर जिलों से रियल एस्टेट परियोजनाओं का पंजीकरण होना पूरे प्रदेश में घरों की बढ़ती मांग तथा उप्र रेरा के बढ़ते नियामक प्रभाव को भी दर्शाता है।

वर्तमान में उप्र रेरा में 3300 से ज्यादा परियोजनायें पंजीकृत हैं। इनसे जुड़ी सभी आवश्यक सूचनाएं सार्वजनिक तौर पर सबके लिए वेबसाईट पर उपलब्ध हैं।

सिद्धार्थनगर बस्ती में बाढ़ से हालात गंभीर, अशोगवा मदरहवा बांध टूटा

सिद्धार्थनगर/बस्ती। उत्तर प्रदेश में बीते कुद दिनों से हो रही बारिश के कारण बस्ती और सिद्धार्थनगर जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को इस इलाके में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने वाले हैं। इस बीच बूढ़ी राप्ती नदी का जल स्तर बढ़ने से सिद्धार्थनगर स्थित अशोगवा मदरहवा बांध टूट गया, जिससे सैकड़ों गांवों में पानी भर गया है।

जिला प्रशासन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बूढ़ी राप्ती नदी का जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। पानी का लगातार दबाव बढ़ने से अशोगवा मदरहवा बांध में दरार आने से पानी का रिसाव होने लगा। इस बांध के टूटने से आसपास के सैकड़ों गांव पानी से घिर गये हैं। प्रशासन की तरफ से राहत और बचाव कार्य जारी है।

कुछ लोग अपने घरों का सामान लेकर पलायन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों सिद्धार्थनगर, बस्ती, महराजगंज, गोरखपुर, और संतकबीरनगर का दौरा करेंगे। इस बीच भवानीगंज क्षेत्र के बीरपुर कोहल, एहतमाली और पिकौरा का मुख्य मार्ग से संपर्क टूट गया है। डुमरियागंज के पूरब में भी पांच गांव बाढ़ से घिरे हैं। इससे सीरमझारी, कोहलडीह, जंगलडीह, बनगाई नानकार, सुकरौली की करीब 10 हजार आबादी बाढ़ का पानी बढ़ने से भयभीत है।

पड़ोसी जिले बस्ती में भी बाढ़ के पानी से दो दर्जन गांव घिर गये हैं। सरयू नदी का जल स्तर खतरे के बिन्दु से ऊपर पहुंच गया है।

इसकी सहायक मनोरमा नदी का भी जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। गुरुवार को जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि सरयू नदी का जलस्तर खतरे के बिन्दु 92.730 मीटर से ऊपर 93.900 पर बह रही है। नदी का जल स्तर 1.17 मीटर ऊपर हो गया है।

प्रशासन ने आशंका व्यक्त की है कि नदी का जलस्तर 94.01 मीटर को भी पार कर जायेगा।

बाढ़ के पानी से पकड़ी संग्राम , खेमराजपुर , कन्हईपुर व तटबंध विहीन गांव संदलपुर, चानपुर, पड़ाव, कल्याणपुर और माझा किता अव्वल, सहित दो दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में हैं।

हमीरपुर : 70 फीसदी दलहनी फसल नष्ट, बीमा कंपनी ने किया सर्वे

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में दालों का कटोरा माने गये बुन्देलखंड क्षेत्र में इस वर्ष खरीफ की फसल में उड़द, मूंग एवं तिल की 70 फीसदी फसल बीते दिनों हुयी बारिश में नष्ट हो गयी है।

इससे हमीरपुर जिले में दलहन की कम से कम 50 हजार हेक्टेयर में फसल नष्ट होने से करीब 08 हजार किसान प्रभावित हुये हैं। फसल बीमा कंपनी ने फसल के नुकसान का सर्वे कार्य पूरा कर लिया है। बीमा कंपनी ने फिलहाल 19 करोड़ रुपये की फसल नष्ट होने का दावा किया है।

उपकृषि निदेशक (डीडी) हरीशंकर भार्गव ने गुरुवार को बताया कि कुछ साल पहले तक बुन्देलखंड पूरे उत्तर प्रदेश के लिये दाल की आपूर्ति करता था, इसीलिये बुन्देलखंड को आज भी दाल का कटोरा कहा जाता है। इस साल भी तीन लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि में किसानों ने दो लाख हेक्टेयर भूमि में खरीफ की फसल की बुआई की थी। इसमें सबसे ज्यादा भूभाग में दलहन उड़द, मूगं और तिल की फसल बोई गयी थी। पहले समय से बरसात न होने के कारण खरीफ की फसल बहुत विलंब से बोई गयी थी। जो फसल बोई गयी उसमें इतनी ज्यादा बरसात हुई कि वह नष्ट होने की कगार पर आ गयी है।

उन्होने बताया कि इस साल फसली ऋण लेने वाले 52,300 किसान, फसल बीमा की श्रेणी में आते हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर जिले में खरीफ फसल में 62,769 किसान बीमित है। यूनीवर्सल सोम्फो इंश्योरेंस कंपनी को बीमा का कृषक अंश 02 करोड़ 91 लाख 97 हजार रुपये पहुंच गया है। इसी प्रकार कंपनी को बीमा के रूप में केन्द्र सरकार से 09 करोड़ 50 लाख 13 हजार रुपये और इनती ही राशि राज्य सरकार से प्राप्त होगी।

बीमा कंपनी के जिला समन्यवक (डीसी) सौरभ तिवारी ने बताया कि उड़द की फसल में एक हेक्टेयर में 26,539 रुपये, मूंग की फसल में 28,905 रुपये, तिल की फसल में एक हेक्टेयर में 14,332 रुपये की क्षतिपूर्ति दी जायेगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल 32 हजार किसानों को 19 करोड़ रुपये की बीमा राशि वितरित की जायेगी।

नमस्ते इंडिया कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर को बदमाशों ने मारी गोली

लखनऊ। लखनऊ के पारा इलाके में बाइक सवार दो बदमाशों ने नमस्ते इंडिया कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर को सिर में गोली मार दी। उसके बाद रुपए से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से डिस्ट्रीब्यूटर की बाइक और अन्य सामान बरामद कर लिए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशों को ट्रैक करने में जुटी है। घायल डिस्ट्रीब्यूटर को एरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। डीसीपी दक्षिणी राहुल राज के मुताबिक कुलदीप मिश्रा (27) परिवार के साथ पारा के शिवपुरी आदर्श बिहार कालोनी में रहते हैं। वह नमस्ते इण्डिया दूध कम्पनी में डिस्ट्रीब्यूटर के पद पर कार्यरत हैं। उनका कलेक्शन का काम है।

रोज की तरह आज भी सुबह 11 बजे कुलदीप दुकानों से कलेक्शन करने गए थे। दोपहर में कैश लेकर वापस घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में घर से कुछ ही दूरी पर कुलदीप को दो बाइक सवार बदमाशों ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे कुलदीप बाइक सहित नीचे सड़क पर गिर गए। इसके बाद बदमाश रुपयों से भरा बैग छीनने लगे। कुलदीप के विरोध करने पर बदमाशों ने दाहिनी कनपटी पर गोली मार दी। उसके बाद रूपयों से भरा बैग छीनकर हरदोई रिंग रोड की ओर भाग निकले। गोली लगने से कुलदीप घायल होकर सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी कुलदीप के परिजनों को दी। आनन फानन में कुलदीप के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। घायल कुलदीप को ई-रिक्शा से एरा मेडिकल कालेज इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां पर उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

शार्ट न्यूज

सीआईएल स्थापित करेगी राजस्थान में 1190 मेगावाट सौर विद्युत परियोजना

नयी दिल्ली। स्वच्छ कोयला ऊर्जा की दिशा में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 1190 मेगावाट की सौर विद्युत परियोजना विकसित करने के लिए राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) के साथ समझौता किया। कोयला मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की उपस्थिति में यह समझौता हुआ। इस परियोजना को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पावर पार्क के तहत मंजूर किया गया है, जिसे राज्य के आगामी सौर पार्क में स्थापित किया जाएगा। यह परियोजना चरणबद्ध तरीके से शुरू होगी और स्वच्छ बिजली प्रदान करने के अलावा इससे राज्य में रोजगार पैदा होने की भी संभावना है। श्री जोशी ने कहा कि देश के पास आगामी 50 वर्षों के लिए पर्याप्त कोयला भंडार है, लेकिन अब स्वच्छ कोयले का उत्पादन करने पर जोर दिया जा रहा है और इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 80 लाख टन स्टॉक उपलब्ध है और राज्य सरकार को परिवहन बाधाओं को दूर करने के लिए नवीन समाधानों पर जोर देना चाहिए। कोयले के परिवहन के लिए अब रेल सह समुद्री मार्ग को प्राथमिकता दी जाती है ताकि परिवहन में लगने वाला समय कम हो। श्री जोशी ने कहा कि सभी राज्यों में बिजली की समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और सभी राज्यों में बिजली की जरूरत को पूरा करने के साथ-साथ उन्हें विकसित बनाकर नये भारत के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार किया जाएगा।

बंधन बैंक ने सौरभ गांगुली को बनाया अपना ब्रांड अंबेसडर

कोलकाता। बंधन बैंक ने गुरुवार को पूर्व भारतीय कप्तान सौरभ गांगुली को अपना ब्रांड अंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की। बैंक ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बंधन बैंक देश के 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में स्थित 5,644 आउटलेट्स के जरिये बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है। बैंक की चालू वित्त वर्ष में 551 शाखाएं खोलने की भी योजना है। बैंक के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्र शेखर घोष ने कहा, सौरव अपनी दूरदर्शिता, समर्पण और खेल के प्रति प्रतिबद्धता के कारण भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। सौरव और बंधन बैंक के मूल्यों में काफी समानता है। वह एक वैश्विक आइकान हैं और सभी वर्गों से सम्मान प्राप्त करते हैं। हमें विश्वास है कि यह साझेदारी हमें अधिक ध्यान आकर्षित करने में मदद करेगी, जिससे ब्रांड के बारे में अधिक जागरुकता आएगी। इस मौके पर सौरभ ने कहा, मैंने बंधन ब्रांड को करीब से देखा है। इतने कम समय में इसने जो प्रगति की है, उस पर मुझे गर्व है। यह बैंक एक उद्देश्य के नेतृत्व वाला ब्रांड है और जमीनी स्तर पर स्थायी प्रभाव पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह मेरे साथ अच्छी तरह से प्रतिध्वनित होता है क्योंकि एक कप्तान के रूप में और अब एक प्रशासक के रूप में मेरा हमेशा से लक्ष्य रहा है। मुझे पूरे देश में बंधन बैंक को और अधिक मान्यता दिलाने की जिम्मेदारी मिलने का सौभाग्य मिला है।

रुपया 9 पैसे मजबूत

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में दबाव में आने से मिले समर्थन के बल पर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया नौ पैसे चढ़कर 82.24 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले दिवस रुपया 82.33 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज तीन पैसे की मजबूती लेकर 82.30रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 82.42 रुपये प्रति डॉलर के निचले और 82.23 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह नौ पैसे मजबूत होकर 82.24 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

विद्युत मंत्रियों का दो दिवसीय सम्मेलन शुक्रवार से उदयपुर में

नयी दिल्ली। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन में वित्त वर्ष 2020-21 के लिए विद्युत उपयोगिताओं के प्रदर्शन पर रिपोर्ट जारी की जाएगी। यह रिपोर्ट विद्युत मंत्रालय के अधीन पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन ने प्रकाशित की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन राजस्थान के उदयपुर में शुक्रवार से होगा जिसका उद्घाटन केंद्रीय विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि इस सम्मेलन में मंत्रियों और सचिवों के अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अन्य मंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा विद्युत और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी तथा विद्युत क्षेत्र के सीपीएसई के प्रमुख भी उपस्थित रहेंगे। इस सम्मेलन के दौरान डिस्कॉम्स की व्यवहार्यता, स्मार्ट मीटरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण, विद्युत क्षेत्र में सुधार, समय पर निवेश के माध्यम से चौबीसों घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करना, बिजली उपभोक्ताओं के अधिकार, साल 2030 में भविष्य की विद्युत प्रणाली और ऊर्जा संरक्षण जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

अचल सम्पत्ति बाजार में निवेश जनवरी-सितंबर 22 में बढ कर 3.6 अरब डालरः कोलियर्स

नयी दिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश जनवरी-सितंबर 2022 के दौरान सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.6 अरब डालर तक पहुंच गया। यह जानकारी गुरुवार को जारी बाजार रियल्टी बाजार अनुसंधान एवं परामर्श कंपनी कोलयर्स इंडिया की रिपोर्ट में दी गयी। रिपोर्ट के अनुसार यह वृद्धि मुख्य रूप से कार्यालय क्षेत्र में निवेश में वृद्धि की बदौलत है। वर्ष 2022 की पहली तीन तिमाहियों के दौरान कार्यालय क्षेत्र में निवेश सालाना 53 प्रतिशत बढ़ा। निवेश में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत है। इसके बाद खुदरा बाजार क्षेत्र में कुछ बड़े सौदे दिखे। रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशक भारतीय बाजार के लिए प्रतिबद्ध दिखते हैं लेकिन वैश्विक मंदी की चिंताओं के कारण उनकी ओर से धन डालने में कुछ देरी हो सकती है। कोलियर्स इंडिया के पूंजी बाजार एवं निवेश कैपिटल मार्केट्स एंड इनवेस्टमेंट सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर पीयूष गुप्ता ने कहा, भारतीय रियल एस्टेट बाजार घरेलू संस्थागत निवेशकों और खुदरा निवेशकों की सक्रिय भागीदारी के साथ अधिक व्यापक हो रहा है। घरेलू निवेश हर तरह की अचल सम्पत्तियों की ओर जा रहा है।

सदर बाजार के व्यापारियों में पुलिस, एमसीडी के खिलाफ रोष

नयी दिल्ली। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन (फेस्टा) ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द ही पटरी वालों को नहीं हटाया गया तो फेडरेशन और बाजार के व्यापारी सड़कों पर उतरेंगे।संगठन ने कहा कि दिवाली के करीब आते ही बाजार में पटरी वालों का बड़ी संख्या में कब्जा हो जाता है जिससे व्यापार पर बड़ा असर पड़ता है। फेस्टा के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि लगातार प्रशासन को पटरी वालों के खिलाफ अवगत कराते रहे हैं लेकिन इसे हटाने की बजाए यहां पर काफी तादात में तीन-चार लाइन लग गई है। इससे ग्राहक न तो दुकानों के अंदर जा सकता है, न ही वह किसी प्रकार की खरीदारी कर सकता है। साथ ही भीड़ होने के कारण लोगों की जेब भी कट रही है और कई घंटों तक जाम लगा रहता है। उन्होंने कहा कि पुलिस या एमसीडी ने अगर इसे लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया तो व्यापारी सड़कों पर उतरने पर मजबूर हो जाएंगे।

ई-कचरा प्रबंधन के लिए आईपीसीए, एएमएस ओएसआरएएम की पहल

नयी दिल्ली। गैर सरकारी संगठन भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) और ऑस्ट्रिया की कंपनी एएमएस ओएसआरएएम ने अपशिष्ट श्रमिकों की क्षमता निर्माण और ई-कचरा प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की पहल के लिए एकसाथ आए हैं।

सीतारमण ने की यूएनडीपी के प्रशासक और ओईसीडी के महासचिव से चर्चा

एजेंसी

वाशिंगटन। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक से इतर यूएनडीपी के प्रशासक ए स्टीनर और ओईसीडी के महासचिव एम कोर्मन्न के साथ चर्चा की है।

श्रीमती सीतारमण ने यूएनडीपी के प्रशासक के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लाइफस्टाइल फॉर इंवार्यमेंट 'लाईफ' के माध्यम से लॉंच किये गये टिकाउ ईकोसिस्टम के दृष्टिकोण को उल्लेखित करते हुये टिकाउ वित्त पर चर्चा की।

लाईफ पर भारत की अध्यक्षता में होने वाली जी 20 की बैठक में भी जोर दिया जायेगा।

इसी तरह से श्रीमती सीतारमण ने आईसीडी के महासचिव से भी अगले वर्ष भारत की अध्यक्षता में हो रही जी 20 की बैठक में सहयोग करने और द्विपक्षीय मसलों पर चर्चा की। श्रीमती सीतारमण ने इसीक्रम में सिंगापुर की अध्यक्षता के तहत एफएटीएफ के अध्यक्ष राजा कुमार से भी चर्चा की।

श्रीमती सीतारमण ने इससे पहले मिस्र की अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री रानिया अल मशात के साथ भी चर्चा की। इस दौरान श्रीमती सीतारमण ने नवीनीकरण ऊर्जा पर अपने विचार सांझा किये। उन्होंने भूटान के वित्त मंत्री ल्योंपो नामगे तशेरिंग से भी भेंट की।

कोरोना के बाद भारत ने विकास की गति बनायीः सीतारमण

वाशिंगटन। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि कोरोना महामारी के कारण अर्थव्यवस्था में आयी भारी गिरावट के बाद भारत ने दीर्घकालिक ढ़ाचागत सुधारो के साथ तात्कालिक आर्थिक जरूरतों के बीच संतुलन बनाकर विकास को गति दी है।

श्रीमती सीतारमण ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक के इतर जी 20 देशों के वित्त मंत्रियों और केन्द्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक में यह बात कही। इस दो दिवसीय बैठक में श्रीमती सीतारमण कई सत्रों में हस्तक्षेप करेंगी।

इसी तरह के इस पहले सत्र में वैश्विक अर्थव्यवस्था भारत के आर्थिक विकास, वैश्विक जोखिम और नीतिगत पहलों पर केन्द्रित था में श्रीमती सीतारमण ने अपने विचार रखे। उन्होंने भारत में रिकवारी की कहानी का उल्लेख करते हुये कहा कि वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के कारण हुयी भारी गिरावट के बाद भारत ने दीर्घकालिक सुधारों के जरिये अर्थव्यवस्था के लिए तात्कालिक जरूरतों के बीच संतुलन बनाकर विकास के रफ्तार को गति दी है।

उन्होंने जोखिम से निपटने के अनुभवों को बताते हुये नीतिगत सहयोग बढ़ाने की भी अपील की।

यात्री वाहनों की बिक्री में सितंबर में 92 प्रतिशत उछाल

नयी दिल्ली। देश में सितंबर 2022 में वार्षिक आधार पर 92 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,07,389 यात्री वाहनों की बिक्री हुयी।

वाहनों की बिक्री में यह उछाल त्योहारी मौसम और आपूर्ति में सुधार के कारण आया है।

कार, यूटिलिटी वाहन और वैन समेत कुल यात्री वाहनों की बिक्री का आंकड़ा सितंबर 2021 में 1,60,212 इकाई थी।

ऑटो उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने गुरुवार को अपने मासिक डाटा रिपोर्ट में बताया कि घरेलू बाजार में कुल तिपहिया वाहनों की बिक्री 73.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 50,626 इकाई रही जबकि एक वर्ष पूर्व समान माह में यह संख्या 29,191 थी।

इस दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 17,35,199 इकाई दर्ज की गयी।

सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि ऑटो उद्योग अक्टूबर माह में अच्छा प्रदर्शन करेगा, जिसमें दो बड़े त्योहार दशहरा और दिवाली है।

सीएनजी के दामों में उछाल, उच्च रेपो दर और रूस-यूक्रेन संघर्ष चिंता का विषय है और इसका आने वाले महीनों में बाजार पर असर पड़ सकता है।

आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2022 में कुल 24,79,256 वाहनों का उत्पादन हुआ, जिसमें यात्री, तिपहिया, दोपहिया और क्वाड्रीसाइकल्स शामिल हैं, जबकि जुलाई-सितंबर 2022 तिमाही में 73,53,039 वाहनों का उत्पादन हुआ।

सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, उद्योग के लिए सितंबर अच्छा रहा है जिसमें पहली छमाही में वाहनों की उच्च बिक्री का रिकॉर्ड बना और वाणिज्यिक वाहनों के क्षेत्र में मांग के स्थिर रुझान दिखा।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में मांग में तेजी नहीं आने के कारण किफायती दाम वाले दो पहिया और यात्री वाहनों की बिक्री चिंता का विषय है।

'देश में एनबीए, रिलायंस रिटेल ने पेश किए एनबीए उत्पाद

नयी दिल्ली। देश में नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) और रिलायंस रिटेल लिमिटेड ने एनबीए उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश की है। यह उत्पाद रिलायंस रिटेल के चुनिंदा स्टोर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे। रिलायंस रिटेल ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उत्पादों के साथ स्टोर्स पर ग्राहकों को खास एनबीए अनुभव देने की कोशिश करेगी। इसमें रिलायंस फाउंडेशन जूनियर एनबीए एक्टिवेशन के साथ खास एनबीए खेल और संबंधित वीडियो को स्टोर पर प्रदर्शित किया जाएगा। एनबीए के उत्पाद सभी सात महाद्वीपों के 200 से अधिक देशों में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। एनबीए इंडिया एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट ऑफ ग्लोबल पार्टनरशिप सिद्धार्थ चुरी ने कहा, हम भारत में रिलायंस रिटेल के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। एक प्रमुख स्पोर्ट्स और लाइफस्टाइल रिटेलर के रूप में रिलायंस रिटेल हमें एनबीए-ब्रांडेड उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा।

श्रीराम सिटी ने की सावधि जमा पर ब्याज दरों में वृद्धि

नयी दिल्ली। श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड (श्रीराम सिटी) ने सावधि जमा की ब्याज दरों में 0.05 प्रतिशत से 0.25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। नयी ब्याज दरें शुक्रवार से प्रभावी होंगी। कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि ग्राहक सावधि जमा पर 8.80 प्रतिशत तक का ब्याज अर्जित कर सकते हैं। महिलाओं के लिए एक विशेष लाभ के तहत उन्हें जमा धनराशि पर 0.10 प्रतिशत का अतिरिक्त ब्याज दिया जाएगा।

डाल्बी विजन और डाल्बी ऑडिया वाला नया एंड्रायड टीवी सेट टॉप बॉक्स

नयी दिल्ली। देश के सबसे बड़े केबल नेटवर्क प्रदाता और जुझार समूह की इकाई फास्टवे ट्रांसमिशंस प्राइवेट लिमिटेड ने डॉल्बी विजन और डॉल्बी ऑडियो से लैस एंड्रायड टीवी के लिए हाईब्रिड एंड ओटीटी सेट टॉप बॉक्स लॉंच करने की घोषणा की है।

जुझार समूह के अध्यक्ष एस गुरदीप सिंह ने इसे लॉंच करते हुये कहा कि यह सेट टॉप बॉक्स एफडब्ल्यू प्लस अल्ट्रा 4 के एसटीबी है जिसके प्लान 699 रुपये से शुरू होते हैं। यह सेट टॉप बॉक्स फास्टवे ट्रांसमिशंस की इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी नेटप्लस ब्रांडबैंड पावर्डड है और यह सेट टॉप बॉक्स प्लान से प्रीलोडेड है जिससे ग्राहक किफायती मूल्य पर सूएचडी कंटेट तक आसानी से पहुंच सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस बंडल प्लान में असीमिति इंटरनेट, प्रीमियम ओटीटी कंटेंट और मुफ्त वॉयस कॉल की सुविधा भी मिलेगी। इस हाइब्रिड केबल बॉक्स को एचडीआर क्वालिटी की सेवाओं के लिए टेलीविजन से सीधे भी जोड़ा जा सकता है। यह एसटीपी यूजरों को प्राइम वीडियो, यूट्यूब और गूगल प्ले का सीधा लिंक मिलेगा। इसके साथ एक रिमोट भी है जिससे एक क्लीक में ही यह सब चलेगा। इसमें इन बिल्ट क्रॉमकास्ट भी है। यह सेटटॉप बॉक्स डॉल्बी विजन और डॉल्बी ऑडियो के माध्यम से अद्वितीय ऑडियो विजुअल अनुभव देता है। उन्होंने कहा कि यह सेटटॉप बॉक्स उनकी कंपनी के वर्तमान ग्राहकों के साथ ही नये ग्राहकों को भी अपनी ओर आकर्षित करने में सक्षम है। इसके माध्यम से कंपनी टियर 1 और टियर 2 शहरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य तय की है।

मेट्रो शहरों में 65 प्रतिशत लोग आय का हिस्सा सोने में निवेश करते हैं

नयी दिल्ली। देश के मेट्रो शहरों में 65 प्रतिशत लोग अपनी आय का एक हिस्सा किसी न किसी रूप में सोने में निवेश करते हैं और यह एक लोकप्रिय विकल्प बनकर उभरा है।

एक्सिस माई इंडिया ने गुरुवार को जारी भारत निवेश व्यवहार अध्ययन में बताया कि मेट्रो शहरों में 58 प्रतिशत लोगों ने निवेश के साधन के रूप में सोने को प्राथमिकता दी है जबकि 35 प्रतिशत आबादी ने डिजिटल सोने के प्रति जागरूकता दिखायी है। इसमें 10 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे पहले ही डिजिटल गोल्ड में निवेश कर चुके हैं। यह अध्ययन डिजिटल गोल्ड पर एक निवेश साधन के रूप में केंद्रित है। भारतीय मेट्रो और गैर-मेट्रो शहरों में निवेश के रवैये, वित्तीय जागरूकता, प्रमुख बाधाओं और निवेश पर आधारित है।

इसमें बताया गया कि 18-24 वर्ष के आयु वर्ग में 15 प्रतिशत युवाओं ने डिजिटल गोल्ड में निवेश करने का मजबूत इरादा दिखाया है। डिजिटल गोल्ड में निवेश करने वालों में 55 प्रतिशत पुरुष और 45 प्रतिशत महिलाएं हैं।

सोने में निवेश की तलाश करते समय विश्वास एक प्रमुख कारक रहा जिसमें 76 प्रतिशत आबादी ने केवल एक विश्वसनीय ब्रांड से सोना खरीदा और 54 प्रतिशत आबादी ने कहा कि अगर कोई भारत सरकार समर्थित कंपनी जो डिजिटल गोल्ड में निवेश को आसान बनाती है तो वे डिजिटल गोल्ड में निवेश करने का प्रयास करेंगे।

एक्सिस माई इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रदीप गुप्ता ने कहा, भारत के प्रमुख शहरों में तेजी से डिजिटलीकरण हुआ है और इसका प्रभाव लोगों के निवेश रवैये में देखा जा सकता है। निवेश के डिजिटल तरीके जोर पकड़ रहे हैं और डिजिटल साक्षरता और सुरक्षा से संबंधित चिंताओं को दूर करने के मामले में एक सहायक बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करने की जरूरत है। हमारा सर्वेक्षण इस अध्ययन पर केंद्रित था कि बदलते जनसांख्यिकी और समय के साथ निवेश कैसे बदल रहे हैं, और जनता की नब्ज के आधार पर किन रुझानों की भविष्यवाणी की जा सकती है।

एनएचएआई ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 777 किमी सड़क परियोजनाओं का आवंटन किया

नयी दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में केवल 777 किलोमीटर की सड़क परियोजनाओं का आवंटन किया है। जो पिछले तीन वित्त वर्षों में न्यूनतम है और पिछले साल की तुलना में 60 प्रतिशत कम है। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने आज कहा कि निष्पादन की धीमी गति और प्रमुख कच्चा माल की वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव से उत्पन्न अनिश्चितताओं के कारण बढ़ी हुयी कीमतों ने बाधाओं पैदा की हैं। एनएचएआई ने हालांकि अभी तक चालू वित्त वर्ष के लिए 2,200 किलोमीटर की निविदाएं जारी की हैं जो वित्त वर्ष 2021-22 से 36 प्रतिशत अधिक है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि आम तौर पर चौथी तिमाही में होने वाले उछाल को ध्यान में रखते हुए, चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में काफी सुधार होने की उम्मीद है।

जीआईएफ में अमेजन पे का विन ए सुपर ऑफर

नयी दिल्ली। ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन का त्योहारी सीजन में चल रहे ग्रेट इंडियन फेस्टिवल में की गयी खरीददारी के लिए अमेजन पे से भुगतान करने पर विन ए सुपर ऑफर की घोषणा की गयी है। यह घोषणा अमेजन पे ने की है।

यह पेशकश ग्राहकों को अपनी पसंद के शॉपिंग ऑफर को क्लेम करने की सुविधा प्रदान करती है। विन ए सुपर ऑफर के लिए ग्राहक तीन चरणों में उत्पादों के लिए भुगतान कर सकते हैं। लेन-देन पूरा हो जाने के बाद, सुपर ऑफ़र को रिवॉर्ड के रूप में एकत्र किया जा सकता है और उसी कैटेगरी में शामिल किसी भी प्रोडक्ट की खरीद के लिए उपयोग किया जा सकता है।

अमेजन पे के निदेशक रिवार्ड्स एंड मर्चेंट सर्विसेज गिरीष कृष्णन ने कहा हम अपने ग्राहकों की सेवा करते हुए और उन्हें अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2022 के दौरान एक बेजोड़ खरीदारी अनुभव का आनंद लेने में मदद करते हुए बेहद खुश हैं।

ग्राहक हमेशा ही एक ऐसा खास और उपयोगी डिजिटल भुगतान अनुभव चाहते हैं जो उनके लिए लाभदायक हो।

पीएम गतिशक्ति से हो सकती है 10 लाख करोड़ रुपये की बचत

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि बुनियादी परियोजनाओं के निर्धाण और निर्माण के लिए विभागों के बीच समन्यव की योजना पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय वृहद योजना में लाजिस्टिक्स सुविधाओं के सुधार के साथ 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत करने की क्षमता है।

श्री गोयल गुरुवार को पीएम गतिशक्ति के शुभारंभ की पहली वर्षगांठ के अवसर पर राजधानी में इस वृहद योजना पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में पीएम गतिशक्ति की प्रगति और उपलब्धियों और आगे के रास्ते पर चर्चा की गयी।

उन्होंने हितधारकों से कहा कि वे बेहतर, अधिक किफायती और समयबद्ध बुनियादी ढांचे की योजना के लिए पीएम गतिशक्ति का उपयोग करने के लिए अलग-अलग तरीकों की कल्पना करें। श्री गोयल ने कहा कि बेहतर बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सामाजिक क्षेत्र में भी पीएम गतिशक्ति का तेजी से उपयोग किया जा रहा है ताकि प्रत्येक नागरिक को प्रौद्योगिकी का लाभ मिले और आम लोगों का जीवन और सुगम हो सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान बुनियादी ढांचे के विकास में भारत के प्रयासों को %गति% और %शक्ति% दोनों प्रदान करेगा।

श्री मोदी ने 13 अक्टूबर 2021 को सभी संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और राज्य सरकारों में बुनियादी ढांचे की योजनाओं के एकीकृत नियोजन और परियोजना का तालमेल से कार्यान्वयन करने के लिए प्रधान मंत्री गति राष्ट्रीय वृहद योजना का शुभारंभ किया था।

देश में लॉजिस्टिक्स (माल पहुंचाने) की दक्षता बढ़ाने और इस संबंध में कमियां दूर करने के लिए इस्पात, कोयला, उर्वरक मंत्रालय के साथ-साथ खाद्य और सार्वजनिक वितरण के तहत खाद्य और सार्वजनिक वितरण 197 महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की पहचान की गई है। राष्ट्रीय वृहद योजना के साथ एकीकृत पीएमजी पोर्टल के माध्यम से 11 महीनों में 1300 से अधिक अंतर-मंत्रालयी मुद्दों का समाधान किया गया है।

बीटएक्सपी ने स्मार्ट एवं कनेक्टेड ट्रेडमिल किये लॉन्च

नयी दिल्ली। प्रिस्टिन केयर के फिट-टेक डी2सी ब्रांड बीटएक्सपी ने स्मार्ट और कनेक्टेड ट्रेडमिल लॉंच करने की घोषणा की है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि उसने कई तरह के प्रोडक्ट मार्केट में लाये हैं जिनमें एक्सरसाइज साइकिल, बॉडी एनालाइजर तथा बॉडी मसाजर जैसे कई फिटनेस उत्पाद शामिल हैं। बीटएक्सपी घरेलू फिटनेस बाजार में इन उत्पादों के बल पर काफी लोकप्रिय हो रहा है। उसने कहा कि इसी लोकप्रियता को और अधिक गति देने के उद्देश्य से अब यह ब्रांड 6 बिल्कुल नए ट्रेडमिल के साथ इस कैटेगरी में शामिल हो चुका है। बीटएक्सपी के यह सभी ट्रेडमिल बिल्कुल नवीनतम प्रौद्योगिकी से लैस हैं तथा इन्हें आज के समय के हिसाब से डिजाइन किया गया है। वर्क फ्रॉम होम और रिमोट सेट-अप अपनाने के कारण ज्यादातर लोग सेडेंटरी लाइफस्टाइल के कारण ओबेसिटी का शिकार हो रहे हैं एवं लोगों के स्वास्थ्य में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इस वर्क-कल्चर की वजह से ज्यादातर लोगों में ब्लड-प्रेशर तथा हृदय से संबंधित बीमारियों का निदान हो रहा है। आज के वर्क-कल्चर की वजह से लोगों के पास समय का बेहद अभाव रहता है इसलिए चलना और दौड़ना कसरत के लिए सबसे उचित विकल्प लगता है। यदि आप ट्रेडमिल में निवेश करते हैं तो पूरे शरीर की कसरत के लिए यह सबसे अच्छा विकल्प होगा। एक मल्टीपरपज ट्रेडमिल के होने से किसी तरह के प्रोफेशनल सेटअप की आवश्यकता नहीं होती है। यहां तक की अलग-अलग तरह के फिटनेस उपकरणों की आवश्यकता भी खत्म हो जाती है।

उसने कहा कि उसके ट्रेडमिल पावर, स्पीड, स्टैमिना आदि का प्रशिक्षण देते हैं ताकि यूजर धीरज तथा कुशलता से अपने वर्कआउट को पूरा कर सकें। यह सभी ट्रेडमिल पतले आकार में डिजाइन किए गए हैं जो घर की शोभा को बढ़ाते हैं तथा होम एक्सरसाइज के लिए उत्तम विकल्प हैं।

बिकवाली से शेयर बाजार में गिरावट

मुंबई। वैश्विक स्तर के कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर हुयी चौतरफा बिकवाली के कारण शेयर बाजार आज फिर से लाल निशान में बंद हुआ।बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 390.58 अंक उतरकर 57235.33 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 109.25 अंक टूटकर 17014.35 अंक पर रहा। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली देखी गयी जिससे बीएसई का मिडकैप 0.73 प्रतिशत गिरकर 24740.93 अंक पर और स्मॉलकैप 0.45 प्रतिशत उतरकर 28320.55 अंक पर रहा। बीएसई में शामिल समूहों में से मात्र दो समूह धातु 0.13 प्रतिशत और हेल्थकेयर 0.13 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि शेष सभी समूहों में बिकवाली हुयी। इसमें सीडी में सबसे अधिक 1.22 प्रतिशत, बैंकिंग 1.21 प्रतिशत और वित्तीय सेवाओं में 1.13 प्रतिशत शामिल है। बीएसई में कुल 3562 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2137 गिरावट में और 1293 बढ़त में रही जबकि 132 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक स्तर पर प्रमुख सूचकांकों में जर्मनी का डैक्स के 0.27 प्रतिशत की तेजी को छोड़कर अधिकांश सूचकांक गिरावट में दिखे। इसमें ब्रिटेन का एफटीएसई 0.03 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.60 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.87 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.30 प्रतिशत शामिल है। सेंसेक्स 112 अंकों की गिरावट लेकर 57512.74 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 57568.14 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन बिकवाली के दबाव में यह 57055.75 अंक के निचले स्तर तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 57625.91 अंक की तुलना में 0.68 प्रतिशत अर्थात 390.58 अंक टूटकरकर 57235.33 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 24 को नुकसान हुआ जबकि 6 को लाभ हुआ। एनएसई का निफ्टी 36 अंक उतरकर 17087.35 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17112.35 अंक के उच्चतम और 16956.95 अंक के निचले स्तर के बीच रहा।

अडानी समूह की कंपनी को मिलने वाली है बड़ी सफलता

नई दिल्ली। गौतम अडानी समूह की एक कंपनी को जल्द ही भारत की सॉवरेन रेटिंग से ऊंची रेटिंग मिलने की उम्मीद है। अडानी समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर रॉबी सिंह ने चुनिंदा निवेशकों को बताया है कि जल्द ही समूह की एक कंपनी भारत की ऐसी पहली फर्म बन जाएगी, जिसका पूरा कारोबार देश में ही है और जिसकी रेटिंग सॉवरेन से ऊंची होगी।

अडानी समूह के अधिकारी ने कहा कि इस बारे में जल्द ही घोषणा की जाएगी। हालांकि, उन्होंने कंपनी का नाम नहीं बताया।

इसके अलावा जुगेशिंदर सिंह ने ये भी कहा कि आम धारणा के विपरीत समूह पर बहुत अधिक कर्ज नहीं है और इसके विस्तार को समान रूप से इक्विटी द्वारा वित्तपोषित किया गया है।

बता दें कि इस समय अडानी समूह की छह सूचीबद्ध फर्मों में अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड को सॉवरेन के बराबर रेटिंग दी गई है। इस कंपनी को फिच ने बीबीबी- (निगेटिव आउटलुक) रेटिंग, एसएंडपी ने बीबीबी- रेटिंग और मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने बीएए3 (स्टेबल आउटलुक) रेटिंग दी है। ये वही रेटिंग हैं, जो तीनों एजेंसियों ने भारत को भी दी हैं। समूह की एक कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की भी सॉवरेन के बराबर रेटिंग है।

शार्ट न्यूज

पाक को एक रन से हराकर फाइनल में श्रीलंका

सिलहट। श्रीलंका ने बिस्माह मारूफ (42) और निदा डार (26) के प्रयासों के बावजूद पाकिस्तान को सेमीफाइनल में गुरुवार को एक रन से हराकर महिला एशिया कप 2022 के फाइनल में जगह बनाई। श्रीलंका ने रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 123 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में पाकिस्तान 121 रन ही बना सकी। पाकिस्तान को आखिरी ओवर में नौ रन की आवश्यकता थी लेकिन अचिनी कुलासरिया ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए पहली पांच गेंदों पर केवल छह रन दिये। निदा ने आखिरी गेंद पर दो रन दौड़कर मैच को सुपर ओवर में धकेलने का प्रयास लेकिन वह एक रन लेकर रनआउट हो गयीं और श्रीलंका ने एक रन से मैच जीत लिया। श्रीलंका ने टी20 एशिया कप के फाइनल में पहली बार जगह बनाई है, जबकि वह टूर्नामेंट के एकदिवसीय प्रारूप में तीन बार फाइनल तक पहुंच चुकी है। दूसरी ओर, भारत ने थाईलैंड को 74 रन से हराकर शुक्रवार को होने वाले फाइनल में कदम रखा।

पूर्व विंडीज क्रिकेटर पाइराडो का निधन

हैमिल्टन। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ब्रूस पाइराडो का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। विंडीज के लिये 13 टेस्ट मैच खेलने वाले पाइराडो 14 अप्रैल, 1931 को ब्रिटिश गयाना में जन्मे थे। उन्होंने केवल 15 साल की उम्र में घरेलू क्रिकेट में पदार्पण किया और अगले सीजन में अपना पहला शतक भी जड़ा। उन्होंने वेस्ट इंडीज के लिये 1953 में भारत के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में पदार्पण किया। उन्होंने इस टेस्ट की पहली पारी में अपना एकलौता अंतरराष्ट्रीय टेस्ट शतक जड़ा। उन्होंने 13 में से सात टेस्ट घर पर जबकि बाकी टेस्ट न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के दौरों पर खेले। पाइराडो वेस्टइंडीज के लिए अपना अंतिम टेस्ट 26 साल की उम्र में लीड्स में खेला। पाइराडो को 1956 के न्यूजीलैंड दौरे के दौरान उस देश से प्रेम हो गया और वह कुछ समय बाद वहीं बस गये। न्यूज़ीलैंड की घरेलू क्रिकेट टीम नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स ने 1963 में उनकी कप्तानी में अपनी पहली प्लंकेट शील्ड जीती। पाइराडो 1966-67 की गर्मियों में सेवानिवृत्त होने से पहले उस स्तर पर खेले।

दिल्ली हाफ मैराथन में तमगों के लिये वेदांता देगा तीन टन जस्ता

दिल्ली/मुंबई। दिल्ली हाफ मैराथन 2022 के प्रायोजक वेदांता समूह ने गुरुवार को बताया कि दौड़ के विजेताओं को दिये जाने वाले पदकों के विनिर्माण के लिये वह तीन टन जस्ता का योगदान दे रहा है। वेदांता ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि यह पदक राजस्थान में वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचज़ेडएल) द्वारा खनन किए गए जस्ता से बनाए जाएंगे। इस हाफ मैराथन के अंत में प्रतिभागियों को दिये जाने के लिये कुल 15,000 पदक उपलब्ध होंगे। इन पदकों को बनाने के लिए राजस्थान में एचजेडएल की ज़ावर माइंस से लगभग तीन टन जस्ता की आपूर्ति की गयी है। वेदांता लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा, वेदांता परिवार 'रन फ़ोर ज़ीरो हंगर' में शामिल होकर वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2022 में धावकों की भावना और उत्साह का सम्मान करने और जश्न मनाने के लिए खुश है। फिनिशर का पदक राजस्थान के विरासत राज्य में दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी खानों से शुद्धतम, उच्चतम ग्रेड जिंक से बना है और एचजेडएस द्वारा निर्मित है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन का 17वां संस्करण 16 अक्टूबर 2022 को भारतीय राजधानी में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन को प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाई जाएगी। और शुक्रवार, दो सितंबर 2022 को खुली भौतिक और आभासी दोनों दौड़ के लिए पंजीकरण किया जाएगा।

डेविड वॉर्नर पर कप्तानी को लेकर लगा आजीवन प्रतिबंध हट सकता है, शुक्रवार को मिल सकती है खुशखबरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टीम के ओपनर डेविड वॉर्नर पर कप्तान के तौर पर लगा आजीवन प्रतिबंध हटाने पर विचार किया जा रहा है। वॉर्नर से कैप्टेंसी बैन हटाए जाने पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के निदेशक विचार कर रहे हैं। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। वॉर्नर पर 2018 केपटाउन टेस्ट मैच में गेंद से छेड़खानी मामले के बाद कप्तानी को लेकर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया था। अपने करियर के 100 टी20 इंटरनेशनल और सौ टेस्ट मैच खेलने के करीब पहुंचे डेविड वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम की कप्तानी के दावेदार हैं। हालांकि, वह मौजूदा नियमों के तहत कप्तानी नहीं कर सकते। एएपी की एक रिपोर्ट में कहा गया, सीए को नियमों में बदलाव करना होगा, ताकि वॉर्नर पर लगा प्रतिबंध हटाया जा सके। होबार्ट में शुक्रवार को होने वाली बैठक में निदेशक इस पर बात करेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन लाचलान हेंडरसन के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि जरूरत पड़ने पर नियमों में बदलाव किया जाएगा। अगर ऐसा होता है तो वे वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में कप्तानी करते नजर आ सकते हैं, क्योंकि एरोन फिंच ने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है। ऐसे में कप्तानी पद खाली है और जिस तरह की ईमानदारी वॉर्नर ने उस बॉल टैंपरिंग कांड के बाद से दिखाई है, उससे प्रतीत होता है कि वे कप्तान बन सकते हैं।

सौरव गांगुली ने कर दिया साफ, बोले- मैं हमेशा प्रशासक नहीं बना रह सकता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली जल्द इस पोस्ट को छोड़ने वाले हैं, क्योंकि इस बात की पूरी संभावना है कि रोजर बिन्नी अब इस कुर्सी पर विराजमान होने वाले हैं। हालांकि, कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि गांगुली बोर्ड के प्रमुख बने रहना चाहते थे, लेकिन कथित तौर पर उन्हें अन्य सदस्यों से वह समर्थन नहीं मिल सका जो उन्हें चाहिए था। इस पर उनकी तरफ से आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे बीसीसीआई बॉस नहीं होंगे, क्योंकि वह कुछ और करने वाले हैं। गांगुली ने ये भी कहा है कि वे हमेशा प्रशासक नहीं बने रह सकते। बंधन बैंक के एक कार्यक्रम में बोलते हुए सौरव गांगुली ने पुष्टि की कि वह लंबे समय से प्रशासक हैं और अब कुछ और करना चाहते हैं। उन्होंने इस इवेंट में कहा, मैं लंबे समय से एक प्रशासक रहा हूं और मैं किसी और चीज पर आगे बढ़ूंगा। आप जीवन में जो कुछ भी करो, लेकिन वह सबसे अच्छे दिन होते हैं जब आप भारत के लिए खेलते हैं। मैं बीसीसीआई का अध्यक्ष रहा हूं और मैं आगे भी बड़े काम करता रहूंगा। आप हमेशा के लिए खिलाड़ी नहीं हो सकते, आप हमेशा के लिए प्रशासक नहीं हो सकते। दोनों को करके बहुत अच्छा लगा।

बाबर आजम ने ध्वस्त किया विराट कोहली का एक और बड़ा रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले बने पहले एशियाई बल्लेबाज

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने अपनी शानदार फॉर्म बरकार रखते हुए बांग्लादेश के खिलाफ 40 गेंद पर 55 रनों की पारी खेली। इस पारी के साथ ही बाबर ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 11,000 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। सबसे कम पारियों में 11,000 इंटरनेशनल रन पूरा करने के मामले में बाबर ने एशियाई बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। इस मैच से पहले बाबर के खाते में कुल 10,947 रन थे। बाबर ने 3122 टेस्ट रन और 4664 वनडे इंटरनेशनल रन बनाए हैं, जबकि टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में उनके खाते में 3216 रन दर्ज हैं। इससे पहले बाबर आजम ने सबसे तेज 10,000 इंटरनेशनल रनों के मामले में भी विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया था। बाबर आजम ने 251 पारियों में यह कारनामा किया है, वहीं विराट कोहली ने 261 पारियों में 11,000 इंटरनेशनल रन पूरे किए थे। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को सात विकेट से हराया। मोहम्मद रिजवान 69 रनों की पारी खेली।

थाईलैंड को 74 रन से हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

एजेंसी

सिलहट। भारत ने शेफाली वर्मा (42) की विस्फोटक पारी और दीप्ति शर्मा (7/3) की शानदार गेंदबाजी से गुरुवार को सेमीफाइनल में थाईलैंड को 74 रन से हराकर महिला एशिया कप 2022 के फाइनल में जगह बनाई। भारत ने थाईलैंड को 20 ओवर में 149 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में थाईलैंड नौ विकेट के नुकसान पर 74 रन ही बना सकी।

सलामी बल्लेबाज शेफाली ने 28 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्का लगाकर 42 रन बनाये। उनकी पारी की बदौलत भारत आखिरी ओवरों में रनगति रुकने के बावजूद थाईलैंड को 148 रन का लक्ष्य दे सका।

फाइनल में भारत का मुकाबला श्रीलंका से होगा। श्रीलंका रोमांच से भरे दूसरे सेमीफाइल में पाकिस्तान को एक रन से हराकर आ रही है।

थाईलैंड ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिये बुलाया और पहले विकेट के लिये 38 रन की साझेदारी के बाद स्मृति मंधाना (13) का विकेट निकाल लिया।

दूसरे छोर से हालांकि शेफाली तेज़ी से रन बनाती रहीं और भारत ने पावरप्ले में 47 रन जोड़े। शेफाली का विकेट गिरने

के बाद क्रीज़ पर आईं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जेमिमाह रॉड्रिगेज़ के साथ तीसरे विकेट के लिये 28 गेंदों पर 42 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत ने 30 गेंदों पर चार चौकों के साथ 36 रन बनाये जबकि जेमिमाह ने 26 गेंदों पर तीन चौके लगाकर 27 रन की पारी खेली। यह साझेदारी टूटने के बाद हालांकि भारतीय पारी धीमी पड़ गयी।

पूजा वस्त्राकर के 13 गेंदों पर बनाये गये 17 रनों की बदौलत भारत ने आखिरी पांच ओवरों में 31 रन जोड़े और 20 ओवर में 148/6 का स्कोर खड़ा किया। भारतीय गेंदबाजों ने 148 रनों का बचाव करते हुए थाईलैंड को कभी भी तेजी से रन नहीं बनाने दिये, जबकि नियमित अंतराल पर विकेट भी निकाले।

दीप्ति शर्मा ने नानापट कोन्चारोएन्काई (05), नत्थाकन चंथम (04) और सोर्नारिन टिपोच (05) को चलता किया, जबकि रेणुका सिंह ने चनिदा सुत्थिरुअंग को एक रन पर आउट किया। थाईलैंड के चार विकेट 21 रन पर गिरने के बाद कप्तान नरुएमोल चाईवाई और नताया बूचथम ने 42 रन की साझेदारी करके टीम को 63 रन तक पहुंचाया, हालांकि तब तक 17 ओवर बीत चुके थे।

थाईलैंड ने आखिरी तीन ओवरों में केवल 11 रन जोड़कर तीन विकेट गंवाये और 20 ओवर में 74/9 के स्कोर तक पहुंच सकी। भारत के लिये शेफाली वर्मा और स्नेह राणा ने भी एक-एक विकेट लिया, जबकि राजेश्वरी गायकवाड़ को दो विकेट हासिल हुए।

महिला खिलाड़ियों ने लगातार देश का नाम बढ़ाया : ओम बिरला

सूरत/नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में बुधवार को कहा कि महिला खिलाड़ियों ने हमेशा देश का मान बढ़ाया है।

बिरला ने खेल समेत हर क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता पर कहा कि आज देश की बेटियां मात्र खेलों में ही नहीं बल्कि शिक्षा और विज्ञान सहित समाज के हर क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाया है।

इस अवसर पर भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, सांसद, गुजरात सरकार के मंत्रीगण और विधायकगण मौजूद रहे।

बिरला ने खिलाडियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कहा कि खेल के मैदान की ऊर्जा और खिलाड़ियों की खेल भावना समाज और जीवन के हर क्षेत्र में उनका मार्गदर्शन करती है।

उन्होंने कहा कि खेल भावना हमें राजनीति और व्यापार से लेकर शिक्षा के क्षेत्र तक सकारात्मक प्रतिस्पर्धा सिखाती है ताकि हम सदैव दूसरों को साथ लेकर निरंतर आगे बढ़ते रहें।

बिरला ने हर्ष व्यक्त किया कि इस वर्ष पहली बार राष्ट्रीय खेलों में पारंपरिक योगासन और मलखंभ को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि यह खेल हमारी विरासत का हिस्सा हैं, जिन पर सभी भारतीयों को गर्व है।

बिरला ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल के बारे में कहा कि खेल के प्रति सरकार के समर्पण के कारण खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा है, जिसकी बदौलत खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर कई पदक जीतकर भारत का परचम लहरा रहे हैं।

पांच टीमों के साथ आयोजित हो सकता है महिला आईपीएल

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पांच टीमों के साथ महिला आईपीएल के पहले सत्र के आयोजन की योजना बना रहा है।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने गुरुवार को बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से कहा कि मार्च 2023 में होने वाली वुमेन्स इंडियन प्रीमियर लीग (महिला आईपीएल) में 22 मैच खेले जायेंगे। एक फ्रेंचाइज़ी में अधिकतम 18 खिलाड़ियों में से छह विदेशी खिलाड़ी होंगे जबकि एकादश में अधिकतम पांच विदेशी खिलाड़ी खेल सकेंगे।

ईएसपीए क्रिकइन्फो ने कहा कि बोर्ड आईपीएल टीमों को बेचने के दो विकल्पों के बीच भी बहस कर रहा है। पहले विकल्प के तहत टीमों को उत्तर (धर्मशाला/जम्मू), दक्षिण (कोच्चि/वाइजैग), मध्य (इंदौर / नागपुर / रायपुर), पूर्व (रांची / कटक), उत्तर पूर्व (गुवाहाटी) और पश्चिम (पुणे/राजकोट) क्षेत्रों में बांटा जा सकता है।

दूसरे प्रारूप में टीमों को पुरुष आईपीएल की तरह शहर-वार तरीके से बांटा जा सकता है।

लीग चरण में टीमें एक-दूसरे के साथ दो मुकाबले खेलेंगी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों का फैसला एलिमिनेटर मैच से किया जायेगा।

आईपीएल संचालन परिषद के चेयरमैन और बीसीसीआई पदाधिकारियों को टूर्नामेंट के कार्यक्रम पर अंतिम निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है।

बीसीसीआई अगले सप्ताह होने वाली वार्षिक बैठक में महिला आईपीएल योजना पेश करेगा। इसी बैठक के दौरान आईपीएल संचालन परिषद के नये चेयरमैन का भी चयन किया जायेगा।

नागालैंड ने 42 साल बाद जीता सुब्रतो कप

नयी दिल्ली। पिलग्रीम हायर सेकंड्री स्कूल (नागालैंड) ने सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में गुरुवार को गवर्नमेंट मॉडल हायर सेकंड्री स्कूल (चंडीगढ़) को 1-0 से मात दी। सेतुंगचिम ने इस रोमांचक मुकाबले के अतिरिक्त समय में नागालैंड के लिये विजयी गोल जमाया। नागालैंड को 42 साल बाद सुब्रतो कप का खिताब मिला है। नागालैंड ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाये रखा लेकिन निर्धारित समय समाप्त होने तक दोनों

टीमों का स्कोर शून्य रहा। सेतुंगचिम ने आखिरकार अतिरिक्त समय की शुरुआत में ही हेडर की मदद से बॉल को नेट में पहुंचाया। मुख्य अतिथि एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी ने विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। फाइनलिस्ट टीमों को प्रेरित और उत्साहित करने के लिए टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता पहलवान रवि दहिया भी विशिष्ट अतिथि के रूप में फाइनल के लिये उपस्थित रहे। विजेता नागालैंड को 3.5 लाख रुपये दिये गये जबकि उपविजेता चंडीगढ़ को दो लाख रुपये मिले। सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल तक आने वाली टीमों को क्रमश: 1.5 लाख रुपये और एक लाख रुपये दिये गये। झारखंड के 10+2 ज़िला स्कूल को फेयर प्ले ट्रॉफी और 50,000 रुपये से सम्मानित किया गया। लेमेट तंगवाह (चंडीगढ़) को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जबकि नागालैंड को सर्वश्रेष्ठ स्कूल के पुरस्कार के साथ 40 हज़ार रुपये दिये गये। सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर शोटोक निखुई (नागालैंड) और सर्वश्रेष्ठ कोच अंकुर खन्ना (चंडीगढ़) को 25,000 रुपये मिले।

सऊदी अरब का ऐतिहासिक फैसला, पुरुष गार्जियन के बिना हज कर सकती हैं महिलाएं

नई दिल्ली। सऊदी अरब ने गुरुवार को ऐतिहासिक फैसला लेते हुए हज पर जाने वाली महिलाओं को पुरुष गार्जियन के बिना तीर्थयात्रा करने की अनुमति दे दी है। सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री तौफीक बिन फवजान अल रबियाह ने इस ऐतिहासिक फैसले की घोषणा की है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब महिलाओं के अधिकारों को लेकर अपनी छवि को बदलने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले उसने महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस और मतदान करने का अधिकार दिया था।

तौफीक बिन फवजान अल रबियाह ने कहा कि दुनिया भर के मुसलमानों के लिए उमराह वीजा के लिए कोई कोटा या सीलिंग नहीं है। किसी भी वीजा के साथ राज्य में आने वाले मुसलमानों को उमराह करने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मक्का में मस्जिद के विस्तार की लागत पहले ही लगभग

200 बिलियन सऊदी रियाल (53 बिलियन डॉलर) से अधिक हो गई है। उन्होंने इसे इतिहास में अभ तक का सबसे बड़ा और सबसे खर्चिला विस्तार बताया है।

हज यात्रा की लागत कम करने में जुटा है सऊदी अरब

मंत्री ने कहा कि मंत्रालय हज करने की लागत को कम करने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि इसे सभी के लिए संभव बनाया जा सके। सरकार के फैसले पर हज मंत्री के पूर्व सलाहकार लेखक फतेन इब्राहिम हुसैन ने कहा कि सऊदी अरब अपने 2030 के लक्ष्य को पाने के लिए सुविधाएं प्रदान करा रहा है।

महिलाओं को देश में कोई खतरा नहीं

अरब न्यूज ने हज करने को लेकर फतेन के हवाले से कहा है कि देश में परिवहन के सभी साधनों और सुविधानों के साथ-साथ सुरक्षा भी तगड़ी की गई है। जिसके बाद से आगंतुकों के लिए यहां आना आसान हो गया है। ऐसी कई महिलाएं हैं जो बिना महरम (गार्जियन) के काम करने के लिए सऊदी अरब आती हैं, यहां ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। महिलाओं को बिना महरम से आने के बाद कोई खतरा नहीं है क्योंकि इसके पीछे कोई कारण अब मौजूद नहीं है।

अब तक के कई बड़े फैसले

पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब में महिलाओं के लिए कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं। साल 2001 में सऊदी अरब की महिलाओं को पहली बार पहचान पत्र दिया गया। इसके पहले वो बिना किसी पहचान पत्र की ही जीवन गुजार रही थीं। इसके बाद 2005 में जबरन शादी कुप्रथा को खत्म कर दिया गया। 2015 में वोट देने का अधिकार मिला और 2018 में महिलाओं को ड्राइसेंस दिया गया। इस तरह से साल दर साल सऊदी अबर महिलाओं के प्रति अपनी छवि को सुधारने का प्रयास कर रहा है।

फ्रांस में गैस संकट से अंतिम संस्कार हुआ मंहगा

पेरिस। फ्रांस में गैस की बढ़ती कीमतों के कारण अंतिम संस्कार मंहगा हो गया है और अगले वर्ष इसकी कीमतों में एक तिहाई से ज्यादा वृद्धि होने की उम्मीद है। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। फ्रांस के न्यूज चैनल बीएफएम टीवी ने ट्रैकिंग सेवा 'एमपीएफ' के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि अंतिम संस्कार में उपयोग की जाने वाली गैस की कीमत में 15 से 25 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। फ्रांस में अंतिम संस्कार की लागत अगले वर्ष कथित रूप से 35 फीसदी बढ़कर औसतन 911 यूरो हो सकती है। गैस की कमी होने से पहले देश में अंतिम संस्कार करने में खर्च 605 से 675 यूरो के बीच आता था। देश में गैस से अंतिम संस्कार अबतक एक सस्ता विकल्प रहा है और अंतिम संस्कार करने वाली एक बड़ी फर्म को अंतिम संस्कार में उपयोग की जाने वाली गैस की बढ़ती कीमतों पर बिल पारित होने की उम्मीद कर रहे है।

हिजाब : ईरान की सरकार में भी फूटे विरोध के स्वर, कानून पर फिर विचार करने की मांग

तेहरान। ईरान में हिजाब विरोधी आंदोलन ने ऐसा रूप ले लिया कि सत्ता की जड़ें हिल गईं और इस्लामिक सरकार ने अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों पर साजिश के आरोप लगाने शुरू कर दिए। अब ईरान के सियासी गलियारों में भी हिजाब से संबंधित कानून के खिलाफ आवाज उठने लगी है। एक सीनियर राजनेता ने कहा है कि हिजाब कानून की फिर से समीक्षा करने की जरूरत है। ईरानी संसद के पूर्व स्पीकर अली लारीजानी ने कहा कि आंदोलन सियासी जड़ों तक पहुंच गया है। हालांकि में सीधा-सीधा अमेरिका या किसी और देश को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।

ईरान की एक न्यूज वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा, संस्कृति के आधार पर ही हिजाब का हल निकल सकता है। इसके लिए किसी जनमत संग्रह की जरूरत नहीं है। मैं देश की

सेना और पुलिस की तारीफ करता हूं लेकिन लोगों को हिजाब पहनवाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर नहीं डालनी चाहिए। उन्होंने कहा, जब संस्कृति से जुड़ा कोई आंदोलन बड़ा हो जाता है तो सख्ती से पेश आने से हल नहीं निकलता। जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं और सड़कों पर उतर रहे हैं वे भी हमारे ही बच्चे हैं।

1979 से पहले शाह के शासन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहले हिजाब को लेकर कोई जबरदस्ती नहीं थी। लोग अपनी इच्छा से इसे पहनते थे। लारिजानी का यह बयान दिखाता है कि किस तरह से महसा अमीनी की मौत के बाद ना केवल जनता में आक्रोश है बल्कि सत्ता में भी दो धड़े हो गए हैं। बता दें महसा अमीनी को ठीक से हिजाब ना पहनने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। पुलिस हिरासत में ही संदिग्ध परिस्थितियो में उनकी मौत हो गई थी।

ईरान प्रशासन और सुप्रीम लीडर अयतोल्लाह अली खमेनेई ने इस आंदोलन के लिए पश्चिमी देशों को जिम्मेदार बताया था। वहीं अमीनी के परिवार पर भी प्रशासन ने सवाल खड़े करने शुरू कर दिए थे। बुधवार को भी तेहरान में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों से सुरक्षाबलों की झड़प भी हो गई। इसके बाद कई इलाकों में इंटरनेट बंद कर दिया गया। ईरान की एजेंसियों का कहना है कि अब तक आंदोलन के चलते 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

आजम स्वाति को एफआईए ने किया गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता और सीनेटर आजम खान स्वाति को उनके विवादास्पद ट्वीट के लिए संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने गिरफ्तार किया और जिला एवं सत्र अदालत ने उन्हें दो दिन शारीरिक रिमांड में रखने की अनुमति दी। यह जानकारी जिओ न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में गुरुवार को दी। जियो न्यूज के अनुसार, एफआईए ने श्री स्वाति को इस्लामाबाद में उसके घर से गिरफ्तार किया और संघीय राजधानी में वरिष्ठ दीवानी न्यायधीश शब्बीर भट्टी की अदालत में पेश किया। एजेंसी की साइबर अपराध शाखा ने उनके 'विवादास्पद' ट्वीट के लिए उनके खिलाफ बुधवार देर रात मामला दर्ज किया था। गिरफ्तारी के तुरंत बाद पीटीआई नेता को संघीय राजधानी में वरिष्ठ दीवानी न्यायाधीश शब्बीर भट्टी की अदालत में पेश किया गया। पीटीआई के वकील अली बुखारी ने अदालत में श्री स्वाति का पक्ष रखा। एफआईए अधिकारियों ने अदालत से जांच के लिए स्वाति के सात दिनों की रिमांड की मांग की थी। लेकिन अदालत ने एफआईए को श्री स्वाति के दो दिनों का रिमांड दिया। श्री स्वाति के वकील ने हालांकि, अदालत से कहा कि सीनेटर को बहुत बुरी यातनाएं दी गई है और कहा कि श्री स्वाति को केवल राजनीतिक कारणों से गिरफ्तार किया गया है। सर्वश्री सैफुल्ला खान न्याजी और हामिद जमां के बाद श्री स्वाति इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई की तीसरे वरिष्ठ नेता हैं जिन्हें एफआईए ने गिरफ्तार किया है।

इमरान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सरकार ने गुरुवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अवमानना याचिका दायर की है। यह याचिका पीटीआई अध्यक्ष द्वारा इस्लामाबाद में लंबा जुलूस निकालने का आह्वान को लेकर दायर की गई है। अपनी याचिका में संघीय सरकार ने शीर्ष अदालत से कहा है कि पीटीआई प्रमुख इस्लामाबाद की ओर जुलूस निकालने की घोषणा कर रहे हैं, जो अदालत के आदेश का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि 'इमरान खान इस्लामाबाद पर हमला करने की घोषणा कर रहे हैं।' याचिका में शीर्ष अदालत से अनुरोध किया गया है कि वह पीटीआई प्रमुख को धरना और प्रदर्शन से संबंधित उसके आदेशों का पालन करने का निर्देश दे। जियो न्यूज के अनुसार, यह याचिका संघीय सरकार की तरफ से गृह मंत्रालय ने दायर की है। पिछले माह श्री इमरान खान ने गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह को चेतावनी देते हुए कहा था कि उन्हें चिंता करनी चाहिए क्योंकि इस बार उनकी पार्टी पूरी तैयारी के साथ इस्लामाबाद की ओर कूच करेगी। पीटीआई प्रमुख ने यह धमकी देश की राजधानी में श्रमिकों के एक सम्मेलन में दी थी। पीटीआई प्रमुख ने अपने समर्थकों से तैयार रहने के लिए कहा है क्योंकि वह किसी भी समय इस्लामाबाद तक सरकार विरोधी लंबे जुलूस का आह्वान कर सकते हैं।

जर्मनी 2023 में झेल सकता है मंदी की मार

बर्लिन। जर्मनी सरकार और प्रमुख आर्थिक संस्थानों ने कहा है कि देश वर्तमान समय में ऊर्जा संकट से जूझ रहा है और अगले वर्ष 2023 में 0.4 प्रतिशत के आर्थिक में कमी आने पर मंदी की मार झेल सकता है। आर्थिक मामलों के मंत्री रॉबर्ट हेबेक ने बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, अगले साल ऊर्जा संकट से आर्थिक और सामाजिक संकट बढ़ने का खतरा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले जर्मन सरकार ने अभी भी अगले वर्ष के लिए 2.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। हेबेक ने जोर देकर कहा कि ऊर्जा संकट को दूर करने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों पर काम किया गया है चाहे ये आंकड़े कितने भी गंभीर और निराशाजनक क्यों न हों। उन्होंने कहा कि देश में काफी तेजी से आर्थिक गिरावट का पूर्वानुमान लगाया गया है। देश इस समय सबसे खराब स्थिति के दौर से गुजर रहा है, क्योंकि सितंबर की शुरुआत में रूसी गैस की आपूर्ति को बंद कर दिया गया था। इस सर्दी में हीटिंग की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, अधिकारियों ने देश के गैस भंडारों को भरने में तेजी लाई है। श्री हेबेक ने कहा कि सरकार के कानूनी लक्ष्यों के अनुसार, एक नवंबर तक गैस भंडारण सुविधाएं कम से कम 95 प्रतिशत पूर्ण होनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं।

ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमशः चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

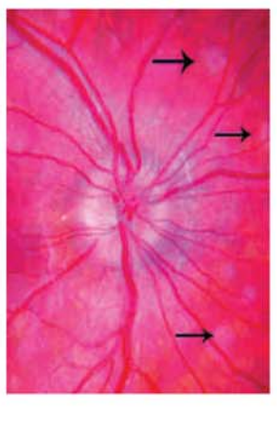

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।